NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्षः 15 अंकः 186 लखनऊ, गुरूवार 26 फरवरी 2026 मूल्यः 02 रूपये पृष्ठ- 08

इजरायल की धरती पर उतरते ही पीएम मोदी ने रचा इतिहास, नेतन्याहू के साथ द्विपक्षीय वार्ता में सुदर्शन चक्र को सशक्त बनाने पर रहेगा जोर

एजेंसी।

दिल्ली। दोनों देशों के बीच प्रतिनिधिमंडल–स्तरीय वार्ता भी निधारित है। सूत्रों के अनुसार, रक्षा और सुरक्षा सहयोग वार्ता के केंद्र में रहेगा। भारत अपने स्वदेशी वायु रक्षा कवच "सुदर्शन चक्र" को सशक्त बनाने की दिशा में इजराइल की आयरन डोम तकनीक से संभावित सहयोग पर विचार कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इजराइल के दो दिवसीय दौरे पर आज राजधानी तेल अवीव पहुंचे। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा ने हवाई अड्डे पर मोदी की अगवानी की। दोनों नेताओं ने एक–दूसरे को गले लगाया और अभिवादन किया। हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत किया गया। हम आपको बता दें कि वर्ष 2017 के बाद मोदी की इजराइल की यह दूसरी यात्रा है। मोदी इजराइल की संसद 'नेसेट' को संबोधित करेंगे और ऐसा गौरव प्राप्त करने वाले वह पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे। इजराइल यात्रा पर रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री ने अपने वक्तव्य में कहा था कि भारत और इजराइल एक मजबूत और बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं जिसमें उल्लेखनीय

वृद्धि और प्रगति देखी गई है। इस यात्रा के दौरान मोदी इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग से भी मुलाकात करेंगे।दोनों देशों के बीच प्रतिनिधिमंडल–स्तरीय वार्ता भी निधारित है। सूत्रों के अनुसार, रक्षा और सुरक्षा सहयोग वार्ता के केंद्र में रहेगा। भारत अपने स्वदेशी वायु रक्षा कवच "सुदर्शन चक्र" को सशक्त बनाने की दिशा में इजराइल की आयरन डोम तकनीक से संभावित सहयोग पर विचार कर रहा है। इजराइल की मिसाइल रक्षा प्रणाली ने हाल के वर्षों में अपनी प्रभावशीलता सिद्ध की है और तकनीकी साझेदारी दोनों देशों के रणनीतिक हितों को मजबूती दे सकती है। आतंकवाद–रोधी सहयोग, साइबर सुरक्षा और उन्नत रक्षा अनुसंधान भी चर्चा के प्रमुख विषयों में शामिल होंगे।हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी यरूशलम में एक नवाचार–केंद्रित कार्यक्रम में भाग लेंगे, जहां स्टार्टअप, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कृषि–प्रौद्योगिकी और जल प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया जाएगा। भारत और इजराइल के बीच द्विपक्षीय निवेश समझौते तथा प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (थ्ज्।) पर भी प्रगति की समीक्षा होगी। दोनों देश व्यापार और निवेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री नेतन्याहू संयुक्त रूप से 'याद वाशेम' स्मारक का दौरा भी करेंगे, जो होलोकॉस्ट के पीड़ितों की स्मृति को समर्पित है। यह दौरा साझा ऐतिहासिक संवेदनाओं और मानवीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक माना जा रहा है इसके अलावा, पश्चिम एशिया की वर्तमान स्थिति, विशेषकर गाजा में जारी तनाव, वार्ता का अहम हिस्सा रहने की संभावना है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू द्वारा प्रस्तावित "हेक्सागन" गठबंधन जिसमें भारत, अरब राष्ट्र, अफ्रीकी देश और भूमध्यसागरीय क्षेत्र के राष्ट्र शामिल हों, इस पर भी चर्चा हो सकती है। हम आपको बता दें कि यह पहल क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक संपर्क और सुरक्षा सहयोग को व्यापक ढांचे में स्थापित करने का प्रयास है।उधर, प्रधानमंत्री मोदी के आगमन पर इजराइल में भारतीय समुदाय में उत्साह का माहौल है। कई प्रवासी भारतीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी में काफी समय से जुटे हैं। कई भारतीयों ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मोदी है तो सब मुमकिन है। हम आपको यह भी बता दें कि विशेषज्ञों का मानना है कि यह यात्रा भारतदृइजराइल संबंधों को एक नए चरण में ले जा सकती है। संसदीय संपर्क, कूटनीतिक संवाद और जन–से–जन संबंधों को मजबूत करने के साथ–साथ यह दौरा साझा नवाचार, समृद्धि और क्षेत्रीय स्थिरता की दृष्टि को भी आगे बढ़ाएगा।

योगी आदित्यनाथ ने टोक्यो में मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड को उत्तर प्रदेश में निवेश का दिया आमंत्रण

टोक्योध्लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश को भविष्य की अर्थव्यवस्था का केंद्र बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापान दौरे के पहले दिन टोक्यो पहुंचकर जापान की अग्रणी वैश्विक व्यापार एवं निवेश कंपनी मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड के प्रबंध अधिकारी एवं अवसंरचना परियोजना इकाई के मुख्य परिचालन अधिकारी काजुकी शिमिजु से भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश में व्यापक निवेश संभावनाओं को तलाशने के लिए औपचारिक आमंत्रण दिया।बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने चार प्रमुख क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर विशेष बल दिया। इनमें नवीकरणीय ऊर्जा के अंतर्गत सौर

ऊर्जा, जैव ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन तथा ऊर्जा भंडारण परियोजनाएं शामिल हैं। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी पार्क, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण, डिजिटल सेवाएं तथा नव उद्यम तंत्र पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त अर्धचालक निर्माण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य श्रृंखला के विस्तार को लेकर भी विचार–विमर्श हुआ।चौथे प्रमुख क्षेत्र के रूप में आंकड़ा केंद्र अवसंरचना पर बल दिया गया, जिसमें विशाल आंकड़ा केंद्र, मेघ संगणना अवसंरचना तथा डिजिटल संपर्क केंद्र जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत–जापान औद्योगिक सहयोग को नई गति देने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार होने के साथ उत्कृष्ट संपर्क व्यवस्था, समर्पित माल ढुलाई गलियारा, विस्तृत द्रुतगामी मार्ग नेटवर्क तथा तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक समूहों के कारण निवेशकों के लिए अत्यंत अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।उन्होंने राज्य सरकार की उद्योग समर्थक नीतियों, एकल खिड़की स्वीकृति प्रणाली तथा समयबद्ध अनुमति प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए आश्वस्त किया कि उत्तर प्रदेश निवेशकों को सुरक्षित, पारदर्शी और परिणामोन्मुख वातावरण उपलब्ध कराता है।

केशव प्रसाद मौर्य ने जर्मनी में वैश्विक कंपनियों से की उच्चस्तरीय बैठकें, उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर जोर

लखनऊ, (आरएनएस)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उत्तर प्रदेश में अधिकाधिक निवेश आकर्षित करने की मंशा के अनुरूप, प्रदेश को वैश्विक निवेश एवं उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रमुख केंद्र बनाने के उद्देश्य से जर्मनी प्रवास पर गए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कैबिनेट मंत्री (सूचना प्रौद्योगिकी) सुनील कुमार के साथ अग्रणी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं।उप मुख्यमंत्री ने जापान की बहुराष्ट्रीय कंपनी थ्नरपानतं स्जक. के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ उन्नत सेंसर प्रौद्योगिकी, स्वचालित मंच तथा स्मार्ट अवसंरचना से जुड़े विषयों पर विस्तृत विचार–विमर्श किया। बैठक में उत्तर प्रदेश में प्रारूप निर्माण एवं उन्नत विनिर्माण इकाई स्थापित करने की संभावनाओं, वाहन एवं विद्युत वाहन क्षेत्र के लिए स्मार्ट सेंसर एवं इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों के निर्माण, स्मार्ट सिटी एवं डिजिटल अवसंरचना परियोजनाओं में सहभागिता तथा अनुसंधान एवं नवाचार आधारित सहयोग मॉडल पर चर्चा हुई। कंपनी ने प्रदेश में अपनी विनिर्माण गतिविधियों की स्थापना को लेकर रुचि व्यक्त की।इससे पूर्व उप मुख्यमंत्री ने जर्मनी की अग्रणी ड्रोन निर्माण कंपनी फनंदजनउ–ैलेजमउे ळउइभ् के साथ बैठक कर प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, संभावित निवेश मॉडल तथा उत्तर प्रदेश में उन्नत ड्रोन विनिर्माण एवं अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के अवसरों पर विमर्श किया। बैठक में रक्षा एवं नागरिक उपयोग हेतु अत्याधुनिक मानवरहित विमान प्रणालियों के विकास, रक्षा औद्योगिक गलियारे के अंतर्गत औद्योगिक सहयोग तथा अनुसंधान एवं कौशल विकास के क्षेत्र में साझेदारी की संभावनाओं पर सकारात्मक चर्चा हुई।इसी क्रम में उप मुख्यमंत्री ने ज्मसमस्त्रिदपबं 2 तथा भ्ङ्गेस्क्ज के साथ भी महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इन बैठकों में दूरसंचार, डिजिटल अवसंरचना, रक्षा सहयोग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण तथा

उत्तर प्रदेश में निवेश के अवसरों पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्नत संचार नेटवर्क, सुरक्षित संपर्क व्यवस्था, आधुनिक सेंसर एवं विमानन प्रणालियां, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध मंच तथा परीक्षण एवं उत्पादन केंद्र की स्थापना की संभावनाओं पर गंभीर विचार–विमर्श किया गया।कंपनी प्रतिनिधियों ने उत्तर प्रदेश के रक्षा औद्योगिक गलियारे, सुदृढ़ औद्योगिक आधारभूत संरचना एवं निवेश–अनुकूल नीतियों की सराहना करते हुए प्रदेश में दीर्घकालिक साझेदारी की संभावनाओं पर सकारात्मक रुख व्यक्त किया।प मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सुदृढ़ कानून–व्यवस्था, विश्वस्तरीय द्रुतगामी मार्ग नेटवर्क, रक्षा औद्योगिक गलियारा, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर तथा पारदर्शी औद्योगिक नीतियां निवेशकों के लिए आदर्श वातावरण प्रदान कर रही हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार एकल खिड़की स्वीकृति प्रणाली, त्वरित अनुमोदन तथा हर आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

राहुल गांधी भारत विरोधी ताकतों की कठपुतली,पीयूष गोयल का कांग्रेस पर सबसे तीखा हमला

दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोलते हुए उन्हें श्समझौतावादीश, श्नकारात्मक राजनीति का प्रतीकश और श्भारत विरोधी ताकतों की कठपुतलीश करार दिया है। गोयल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और गांधी परिवार का इतिहास भ्रष्टाचार और राष्ट्रीय हितों से समझौता करने का रहा है।भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर राहुल गांधी के हमलों का जवाब देते हुए, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को आरोप लगाया कि गांधी परिवार पूरी तरह से समझौतावादी राजनीतिक परिवार है और कांग्रेस एक समझौतावादी राजनीतिक दल है। भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, गोयल ने पूर्व प्रधानमंत्रियों राजीव गांधी, इंदिरा गांधी और जवाहरलाल

नेहरू के कुछ फैसलों की भी आलोचना की।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भारत–अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर प्रधानमंत्री समझौतावादी हैं के आरोपों के साथ सरकार पर हमला कर रहे हैं। गोयल ने कांग्रेस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और कहा कि राहुल गांधी का मतलब समझौता है। एआई शिखर सम्मेलन के दौरान भारतीय युवा कांग्रेस के शर्टलेस विरोध को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच चल रही खींचतान के बीच, गोयल ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी नकारात्मक राजनीति के प्रतीक बन गए हैं।उन्होंने कहा कि गांधी परिवार पूरी तरह से समझौतावादी राजनीतिक परिवार है। राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस पार्टी एक समझौतावादी परिवार और समझौतावादी राजनीतिक दल हैं। राहुल गांधी का मतलब ही समझौता है। कांग्रेस पार्टी के इतिहास या वर्तमान को देखिए, चाहे भ्रष्टाचार के अनगिनत मामले हों, या विदेशी शक्तियों के प्रभाव में जनहित और राष्ट्रीय हित से समझौता करना हो, देश और जनता के सामने अनगिनत उदाहरण हैं कि कैसे उन्होंने देश और उसके उज्ज्वल भविष्य, उसके नागरिकों के उज्ज्वल भविष्य से पूरी तरह समझौता कर लिया है। राहुल गांधी नकारात्मक राजनीति के प्रतीक बन गए हैं। गोयल ने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी विदेशी शक्तियों, भारत विरोधी ताकतों, भारत विरोधी संगठनों और भारत विरोधी सरकारों की कठपुतली हैं। गोयल ने कहा कि राहुल गांधी ने एक तरह से देश और दुनिया के सामने राजनीति में मनमानी का रवैया दिखाया है। वे विदेशी शक्तियों, भारत विरोधी ताकतों, भारत विरोधी संगठनों और भारत विरोधी सरकारों की कठपुतली मात्र हैं।

ईडी का अनिल अंबानी पर अब तक का सबसे बड़ा एक्शन,

एजेंसी।

दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पीएमएलए के तहत रिलायंस कम्युनिकेशंस बैंक धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी के 3,716 करोड़ रुपये के मुंबई स्थित आवास अबोड को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है, जिससे मामले में कुल कुर्की 15,700 करोड़ रुपये हो गई है। यह कार्रवाई आरकॉम घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग की जांच को तेज करने का संकेत देती है, जिसमें अंबानी से जल्द ही दोबारा पूछताछ की जाएगी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी के मुंबई स्थित आलीशान आवास श्अबोडश पर अस्थायी कुर्की आदेश जारी किया है, जिसकी कीमत चौंका देने वाली 3,716.83 करोड़ रुपये है। पाली हिल के पॉश इलाके में स्थित, 66 मीटर ऊँचा और 17 मंजिला यह आलीशान टावर अब अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) में कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मामले में जब्त की गई संपत्तियों की बढ़ती सूची में शामिल हो गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार (25 फरवरी) को हुई इस कार्रवाई की पुष्टि की, जिससे इस मामले में कुल कुर्क की गई संपत्तियों की संख्या लगभग 15,700 करोड़ रुपये हो गई है।

मुंबई के सबसे आलीशान इलाकों में से एक में स्थित श्अबोडश इमारत विलासिता का प्रतीक है, लेकिन ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी अभियान के चलते इसे फिलहाल जब्त कर लिया गया है। एजेंसी का आरोप है कि यह संपत्ति आरकॉम के धोखाधड़ी वाले बैंकिंग लेन–देन से प्राप्त धन से जुड़ी है, जो दूरसंचार कंपनी में वित्तीय अनियमितताओं की जांच में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। 66 वर्षीय अनिल अंबानी से अगस्त 2025 में पीएमएलए के तहत उनकी पहली पेशी और बयान दर्ज होने के बाद, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जल्द ही दूसरी बार पूछताछ की जाएगी। यह ऐसे समय में हो रहा है जब संघीय एजेंसी अपनी जांच को और गहरा कर रही है, और संपत्ति की कुर्की आरकॉम घोटाले से धन की हेराफेरी के प्रयासों को तेज करने का संकेत देती है। प्रवर्तन निदेशालय के विशेष कार्य बल ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत अनिल अंबानी के आलीशान पाली हिल स्थित आवास श्अबोडश को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है, जिसकी कीमत 3,716.83 करोड़ है।

राहुल गांधी के आरोपों पर भड़के नीतिन गडकरी, बोले- कांग्रेस ने रणनीतिक अवसरों को कमजोर किया

एजेंसी।

दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कांग्रेस पर सीमा

वार्ताओं में रणनीतिक अवसर कमजोर करने और तिब्बत व कश्मीर जैसे मुद्दों पर गलत निर्णय लेने का आरोप लगाया है। यह हमला राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री पर श्समझौतेश के आरोप के जवाब में भाजपा के एक बड़े पलटवार का हिस्सा है, जिसमें पार्टी के ऐतिहासिक फैसलों पर सवाल उठाए गए हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कांग्रेस पर भारत के पड़ोसी देशों के साथ सीमा वार्ता में ष्अवसरों को कमजोर करनेष का आरोप लगाया और तिब्बत और कश्मीर पर पिछली सरकार के फैसलों पर संदेह जताया। एक पोस्ट में, गडकरी ने कांग्रेस को अपारदर्शी राजनीतिक चंदा मिलने और सत्ता और विशेषाधिकार के बीच की रेखा धुंधली होने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि दशकों से कांग्रेस का रिकॉर्ड गंभीर सवाल खड़े करता है। बार–बार रणनीतिक अवसरों को कमजोर किया गया, चाहे वह वैश्विक स्थिति हो, सीमा वार्ता हो या युद्ध के बाद का प्रभाव। तिब्बत, कश्मीर, बेरूबारी जैसे मुद्दे और बाद में वार्ता की मेजों पर दी गई रियायतों को केवल अलग–थलग फैसले कहकर खारिज नहीं किया जा सकता।गडकरी ने कहा कि इसमें बार–बार होने वाले खरीद विवाद, अपारदर्शी राजनीतिक चंदे की चिंताएं और सत्ता और विशेषाधिकार के बीच की धुंधली रेखा को भी जोड़ें। जब राष्ट्रीय सीमाएं बातचीत के दायरे में आ जाती हैं, तो संस्थाएं कमजोर हो जाती हैं और जनता का विश्वास कम हो जाता है। इतिहास को ईमानदारी से देखने की जरूरत है, न कि चुनिंदा यादों की। यह घटनाक्रम राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर किए गए हमले के जवाब में भाजपा नेताओं द्वारा समझौते वाली कांग्रेस के आरोपों के बाद सामने आया है। राहुल गांधी ने भारत–अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर प्रधानमंत्री पर ष्समझौतेष का आरोप लगाया था। आज सुबह केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने आरोप लगाया कि गांधी परिवार पूरी तरह से समझौतावादी राजनीतिक परिवार है और कांग्रेस एक समझौतावादी राजनीतिक दल है। भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गोयल ने पूर्व प्रधानमंत्रियों राजीव गांधी, इंदिरा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के कुछ फैसलों की भी आलोचना की। गोयल ने कांग्रेस पर ष्भ्रष्टाचारष का आरोप लगाते हुए कहा कि राहुल गांधी का मतलब समझौता है।

बिहार में बढ़ा अपराध तेजस्वी का एनडीए पर हमला- अपराधियों का राज, कानून-व्यवस्था पूरी तरह फेल

एजेंसी।

पटना । नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार में बढ़ते अपराध और चरमरा गई कानून–व्यवस्था को लेकर एनडीए सरकार पर तीखा हमला बोला है, उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को कमजोर बताते हुए कहा कि सरकार अपनी विश्वसनीयता खो चुकी है। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता और बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोलते हुए राज्य में अपराध में भारी वृद्धि और कानून–व्यवस्था के पूरी तरह चरमरा जाने का आरोप लगाया। यादव ने कहा कि राज्य सरकार की विश्वसनीयता पूरी तरह खत्म हो चुकी है। पत्रकारों से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि अपराध दिन–ब–दिन बढ़ रहा है। हर दिन हत्याएं, बलात्कार और गोलीबारी हो रही है। इससे पता चलता है कि सरकार की विश्वसनीयता पूरी तरह खत्म हो चुकी है... कानून–व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। तेजस्वी यादव ने कहा कि इस मौजूदा सरकार में अपराधियों का राज चल रहा है। सरकार में कोई भी, चाहे मुख्यमंत्री हों या दोनों उपमुख्यमंत्री, जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। नीतीश कुमार भी कमजोर पड़ गए हैं। उन्हें याद नहीं रहता कि क्या हो रहा है और क्या नहीं हो रहा है। उन्होंने राज्य की राजनीतिक गतिशीलता की ओर इशारा करते हुए कहा कि आप देख सकते हैं कि नीतीश कुमार ने राज्य का गृह मंत्रालय कभी किसी को नहीं दिया। लेकिन अब उन्हें इसे भाजपा को देना होगा। तेजस्वी यादव ने आत्मनिरीक्षण किए बिना कानून–व्यवस्था की स्थिति को उजागर करने वालों की आलोचना करते हुए कहा कि और जो लोग राज्य में अपराध की बात जोर–शोर से करते हैं, उन्हें पहले खुद को देखना चाहिए। कानून–व्यवस्था अब पूरी तरह से चरमरा गई है। इससे पहले सोमवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार कानून का शासन स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का आरोप, मतदाताओं को नोटिस भेजना 'वोटबंदी अभियान'

लखनऊ(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बड़े पैमाने पर मतदाताओं को नोटिस भेजे जाने को नोटबंदी के बाद भाजपा सरकार का नया 'वोटबंदी अभियान' करार दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीयत पहले भी ठीक नहीं थी और अब भी ठीक नहीं है। उनके अनुसार पहले केवल मुसलमानों को कागजों के नाम पर परेशान किया जाता था, लेकिन अब हिंदुओं को भी लगातार नोटिस भेजे जा रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि कुछ लोग यह दावा कर रहे थे कि गलत वोट पकड़े जाने पर लोगों को डिटेंशन सेंटर भेज दिया जाएगा, तो क्या अब वोट के आधार पर नागरिकता तय की जाएगी और लोगों को उनके खेत, जमीन और घरों से बेदखल किया जाएगा?अखिलेश यादव ने कहा कि जब नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन के परिजनों को ही नकार दिया गया तो आम लोगों की स्थिति क्या होगी। उन्होंने आशंका जताई कि यदि किसी के पास वोटर कार्ड न हो तो उसके परिवार के बुजुर्गों और बच्चों के हक–अधिकार, विरासत, जायदाद और जमा–पूंजी पर संकट खड़ा हो सकता है, जिससे लोग लगातार तनाव और चिंता में रहेंगे।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपनी बेईमानी और गलत नीतियों के कारण जनाधार खो चुकी है और अब उसे केवल धांधली का सहारा रह गया है। उनके मुताबिक तथाकथित पन्ना प्रमुख भी जनता का सामना करने से बच रहे हैं, क्योंकि महंगाई, बेरोजगारी और बेकारी के कारण जनता में भारी असंतोष है। उन्होंने कहा कि जनता यह सवाल उठा रही है कि जिन दस्तावेजों के आधार पर पहले वोटर सूची में नाम जोड़े गए थे, उन्हीं दस्तावेजों के रहते अब त्रुटियां कैसे सामने आ गईं और क्या गारंटी है कि आगे फिर गलती नहीं होगी। उनका कहना था कि यदि त्रुटि हुई है तो वह चुनाव आयोग की ओर से हुई है, लेकिन उसे सुधारने के लिए जनता को अपना काम छोड़कर दौड़ना पड़ रहा है।अखिलेश यादव ने इसे पीडीए के वोट काटने का बड़ा षड्यंत्र बताया और कहा कि यदि मतदाता सजग रहा तो अपना नाम जुड़वा लेगा, अन्यथा प्रक्रियात्मक जटिलताओं के कारण पीछे हट सकता है। उन्होंने पीडीए प्रहरियों और ईमानदार बीएलओ की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सतर्कता से भाजपा और उसके सहयोगी अपनी मंशा में सफल नहीं हो पा रहे हैं।

एक ही संपत्ति का आधा दर्जन लोगों से कर लिया इकरारनामा

महिला समेत तीन के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के नवाब यूसुफ रोड पर एक महिला और उसके परिजनों ने मिलकर यूनाइटेड फेलोशिप फार क्रिश्चन सर्विस की जमीन को कई लोगों से इकरारनामा के जरिए बेच दी। इसकी जानकारी हुई तो करेली निवासी नीरज पांडे ने महिला समेत तीन लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया है।

नीरज पांडे द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार प्रार्थी नीरज पाण्डेय पुत्र स्व राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय निवासी–808ध्249ध्6 बी भावापुर, थाना करैली, जनपद प्रयागराज वर्तमान पता–24ध्14 नवाब युसुफ रोड़ थाना सिविल लाइन्स जनपद प्रयागराज का स्थायी निवासी है। प्रार्थी उपरोक्त भवन सं0–24ध्14 नवाब युसुफ रोड़ थाना सिविल लाइन्स जनपद प्रयागराज को श्रीमती विद्यावती लाल से 28 वर्ष की लीज पर लेकर निजी स्कूल तथा हास्टल आदि को चलाता है तथा वर्तमान में मेरा कब्जा बरकरार है। भूखण्ड सं0–11 को उत्तर प्रदेश सरकार ने जरिए पंजीकृत पट्टा दिनांक–13.04.1993 को विद्यावती लाल बहैसियत अध्यक्ष एवं पावर ऑफ अटार्नी होल्डर यूनाइटेड फेलोशिप फार क्रिश्चन सर्विस को 30 वर्ष के लिए पट्टे पर दिया था। विद्यावती लाल ने बहैसियत अध्यक्ष यूनाइटेड फेलोशिप फर क्रिश्चन सर्विस दिनांक–02.07.2024 को प्रार्थी एवं उनके साथियों के पक्ष में एक पंजीकृत इकरारनामा निष्पादित किया और निष्पादन की तिथि से प्रार्थी उपरोक्त भूखण्ड पर बहैसियत किरायादार काबिज है। नीरज के अनुसार उपरोक्त इकरारनामा के बाद भी विपक्षी विघ्ध्यावती लाल उनके पुत्र सैमुएल एरिक लाल तथा शिवांगी लाल आपस में मिलजुलकर कई अन्य लोगो के साथ धोखधड़ी करके फर्जी इकरारनामा तथा पावर ऑफ अटार्नी निष्पादित किये है जो कि बिना यूनाइटेड फेलोशिप सोसायटी के अनुमति के निष्पादित किये गये है। जब कि इनको ऐसा करने का कोई अधिकार प्राप्त नहीं था। विद्यावती लाल ने फर्जी तरीके से एक पावर और अटार्नी अपने पुत्र सैमुएल एरिक लाल के पक्ष में दिनांक–24.02.2023 को निष्पादित किया जो कि बही संख्या–4 जिल्द सं0–10655 पेज 23 से 32 तक क्रमांक 105 पर उपनिबन्धक कार्यालय सदर द्वितीय प्रयागराज के कार्यालय में पंजीकृत है उपरोक्त पावर ऑफ अटार्नी की आड़ में सैमुएल एरिक लाल कई अन्य लोगो के पक्ष में फर्जी इकरारनामा निष्पादित कर रहा है। विद्यावती लाल को बिना सोसायटी के अनुमति के किसी अन्य को कोई भी पावर ऑफ अटार्नी नियुक्त करने का अधिकार प्राप्त नहीं है। सैमुएल एरिक लाल की पत्नी शिवांगी लाल जो कि सोसायटी की सदस्य भी है उपरोक्त इकरारनामे का पैसा अपने खाते में लेती है। नीरज पांडे ने कहा है कि विद्यावती लाल तथा सैमुएल एरिक लाल द्वारा निष्पादित इकरारनामा तथा पावर ऑफ अटार्नी की सूचि में पावर ऑफ अटार्नी दिनांक–24.02.2023 द्वारा विघ्ध्यावती लाल बहक सैमुएल एरिक लाल, इकरारनामा दिनांक– 28.07. 2023 द्वारा सैमुएल एरिक लाल बहक रामेन्द्र श्रीवास्तव, इकरारनामा दिनांक– 17.10. 2023 द्वारा सैमुएल एरिक लाल बहक ज्ञानेन्द्र तिवारी, इकरारनामा दिनांक– 17.10. 2023 द्वारा सैमुएल एरिक लाल बहक कार्तिकेय त्रिपाठी और इकरारनामा दिनांक 31.05. 2025 द्वारा विद्यावती लाल बहक सैमुएल एरिक लाल एवं शिवांश राजीव जो कि विद्यावती लाल एवं सैमुएल एरिक लाल द्वारा निष्पादित किए गए हैं। उन्होंने कहा है कि विद्यावती लाल एवं उनके पुत्र सैमुएल एरिक लाल द्वारा निष्पादित सभी इकरारनामा बिना सोसायटी के अनुमति के फर्जी तरीके से धोखाधड़ी करके निष्पादित किया गया है जो करने का उनके कोई भी अधिकार प्राप्त नही था।

गोमती नगर विस्तार में केबल चोरी का खुलासा, सिक्योरिटी गार्ड ही निकला चोर

लखनऊ(आरएनएस)। गोमती नगर विस्तार थाना क्षेत्र स्थित इनाया रायल हाइट्स में एल्युनियम बंच एवं एल्युनियम आर्म्ड केबिल चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए नामित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। चौंकाने वाली बात यह रही कि चोरी की वारदात को अंजाम देने वाला व्यक्ति वहीं तैनात सिक्योरिटी गार्ड निकला।प्रकरण के अनुसार 15 फरवरी 2026 को योगेन्द्र सिंह पुत्र स्वर्गीय विजय कुमार सिंह, निवासी शाहपुर चिनहट, जो वर्तमान में एलर्ट मल्टी सोल्यूशन सिक्योरिटी कंपनी लखनऊ में फील्ड ऑफिसर हैं, ने लिखित शिकायत दी थी कि अज्ञात चोर द्वारा इनाया रायल हाइट्स, गोमती नगर विस्तार से एल्युनियम बंच एवं एल्युनियम आर्म्ड केबिल चोरी कर ली गई है। इस सूचना पर थाना गोमती नगर विस्तार में मु0अ0सं0 029ध्2026 धारा 305(ए) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया और विवेचना उप निरीक्षक उपेन्द्र गिरी को सौंपी गई।जांच के दौरान 24 फरवरी 2026 को रात लगभग 8रू20 बजे सेक्टर–1 स्थित ग्वारी पुल के नीचे पुलिस ने संदिग्ध अवस्था में एक युवक को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से चोरी की तार बेचकर बचे 910 रुपये तथा एक सफेद बोरी में बिजली के तार (करीब 6.650 किलोग्राम) और छिला हुआ कॉपर वायर (करीब 1 किलोग्राम) बरामद हुआ। पूछताछ में उसकी पहचान आदर्श सिंह पुत्र अमर सिंह, निवासी बक्तूखेड़ा थाना अजगैन जनपद उन्नाव, वर्तमान पता खेवली थाना सुशांत गोल्फ सिटी लखनऊ, उम्र 23 वर्ष के रूप में हुई।पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह इनाया हाइट्स सेक्टर–1 में एलर्ट कंपनी की ओर से गार्ड की नौकरी करता था। मौके का फायदा उठाकर जब परिसर में कोई मौजूद नहीं होता था, तब वह स्टोर से तार चोरी कर लेता था। चोरी का सामान वह अपने दोस्त हर्ष को दे देता था, जो उसे बेचकर एक से दो हजार रुपये तक दे देता था। अभियुक्त ने स्वीकार किया कि 28 जनवरी 2026 को भी उसने तार चोरी कर हर्ष को दिया था और प्राप्त धनराशि खर्च कर दी थी। 24 फरवरी को वह 10 फरवरी की रात चोरी की गई तार हर्ष को देने जा रहा था, तभी पुलिस ने उसे माल समेत पकड़ लिया।बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 305(ए) बीएनएस में घटोत्तरी करते हुए धारा 306 एवं 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई। अभियुक्त के विरुद्ध थाना गोमती नगर विस्तार में आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी भी जुटाई जा रही है।अभियुक्त की गिरफ्तारी में उप निरीक्षक उपेन्द्र गिरी, उप निरीक्षक आयुष यादव, हेड कांस्टेबल रामू तथा कांस्टेबल रविन्द्र कुमार की टीम की प्रमुख भूमिका रही।

फर्जी दस्तावेज से जमीन का बैनामा कराया, 7 लोगों पर मुकदमा दर्ज

प्रयागराज। सोरांव थाना क्षेत्र में फर्जी दस्तावेज तैयार कर एक जमीन का बैनामा कराने का मामला सामने आया है। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर सोरांव पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोपियों पर पीड़ित को बाउंस चेक देने और गवाही के लिए दबाव बनाने का भी आरोप है। यह घटना दो साल पुरानी 2 फरवरी 2024 की बताई जा रही है, जिस पर जांच के बाद 24 फरवरी 2026 को सोरांव थाने में एफआईआर दर्ज की गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहम्मदपुर नौगवां निवासी मो. वसीम पुत्र मो. शमीम ने पुलिस आयुक्त को दी शिकायत में बताया कि राजापुर मल्हुआ में उसकी एक कीमती जमीन है। वसीम का आरोप है कि मो. ताज, आशीष नाथ उर्फ अंकुर मास्टर, सोनू यादव, राधेश्याम यादव, गणेश मिश्र और बच्चा यादव ने राजापुर मल्हुआ निवासी अखिलेश धर द्विवेदी के क्लिनिक पर उससे मुलाकात की। अखिलेश समेत सभी आरोपियों ने उसकी जमीन खरीदने की इच्छा जताई थी।वसीम के अनुसार, आरोपियों ने एक लाख रुपये नकद और दो चेक देकर जमीन का एग्रीमेंट कराया था। इसके बाद बैनामा कराने के लिए वे बीमारी सहित विभिन्न बहाने बनाते रहे। इसी दौरान वसीम बीमार होकर अस्पताल में भर्ती हो गया। आरोप है कि इस अवधि में आरोपियों ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसकी जमीन का बैनामा अपने नाम करा लिया।जब वसीम को इस धोखाधड़ी का पता चला, तो उसने आरोपियों से अपने पैसे वापस मांगे। आरोप है कि आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। सोरांव पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जाने पर वसीम ने पुलिस आयुक्त से शिकायत की। पुलिस आयुक्त ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सोरांव पुलिस को आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया।पुलिस ने मो. ताज, आशीष नाथ उर्फ अंकुर मास्टर, सोनू यादव, राधेश्याम यादव, गणेश मिश्र, बच्चा यादव और अखिलेशधर द्विवेदी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर साधा निशाना, शंकराचार्य प्रकरण से लेकर वोटर लिस्ट तक उठाए सवाल

उन्नावध्कानपुर(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को उन्नाव और कानपुर दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत में भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने शंकराचार्य जी का अपमान किया और उन्हें अध्यात्म की त्रिवेणी गंगा में स्नान नहीं करने दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा शंकराचार्य जी के रथ को धक्का देकर बाहर किया गया तथा उनके साथ चल रहे बटुकों के साथ दुर्व्यवहार किया गया। इतना ही नहीं, शंकराचार्य जी पर झूठा मुकदमा दर्ज कराया गया, जबकि मुकदमा कराने वाले व्यक्ति के भाजपा नेताओं से संबंध बताए जा रहे हैं।अखिलेश यादव ने कहा कि शंकराचार्य जी देश के लिए पूजनीय हैं और उनके सम्मान की रक्षा के लिए सभी को आगे आना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के खिलाफ बोलने वालों की आवाज दबाने के लिए अधिकारियों के माध्यम से झूठे मुकदमे दर्ज कराए जाते हैं और राजनीतिक विरोध को दमन के जरिए दबाने की कोशिश की जाती है।कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के साथ उनका गठबंधन 'इंडिया गठबंधन' के रूप में कायम है और आगे भी रहेगा। उन्होंने कहा कि पीडीए के लोग मिलकर सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए कार्य करेंगे और उनकी सरकार बनने पर सामाजिक न्याय के राज की स्थापना का संकल्प लिया जाएगा।स्लाटर हाउस के मुद्दे पर उन्होंने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि हरियाणा के नूंह जिले में सबसे अधिक स्लाटर हाउस खुले हैं। उन्होंने प्रदेश सरकार को चुनौती दी कि यदि मंत्री अपने कार्यालय से ही प्रदेश के सभी स्लाटर हाउस बंद करा दें तो जो लोग विदेश दौरे पर गए हैं वे तत्काल वापस आ जाएं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने गायों के दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया था और कन्नौज में पहला काउ मिल्क प्लांट स्थापित कराया था, जिसे वर्तमान सरकार ने बंद करा दिया। गौ सेवा के बजट में भ्रष्टाचार के आरोप भी उन्होंने लगाए।अखिलेश यादव ने कहा कि यदि भाजपा सरकार में शामिल ओबीसी, एससी–एसटी वर्ग के मंत्रियों को भेदभाव महसूस हो रहा है तो उन्हें सरकार छोड़ देनी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि जिन पर पहले मुकदमे थे, वे वापस ले लिए गए और अब वही लोग दूसरों को उपद्रवी बता रहे हैं। विदेश यात्राओं को लेकर भी उन्होंने तंज कसा।वोटर लिस्ट के मुद्दे पर उन्होंने पंचायती राज विभाग और चुनाव आयोग की मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कई जिलों में लाखों मतदाताओं को नोटिस भेजे जा रहे हैं और लोगों को यह बताया जा रहा है कि एक सूची में नाम है, दूसरी में नहीं। उनके अनुसार पहले मुसलमानों से कागज मांगे जाते थे, अब हिंदू समुदाय के लोगों को भी बड़े पैमाने पर दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने नोटिस देकर अनेक मतदाताओं के नाम काट दिए हैं।बसपा विधायक उमा शंकर सिंह के यहां आयकर छापे को लेकर उन्होंने कहा कि किसी कारोबारी के यहां छापा पड़ना अलग विषय है, लेकिन भाजपा किसी की सगी नहीं है और जो उसे खुश कर देता है, उसी पर कार्रवाई नहीं होती।अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने सेना, किसानों और धार्मिक संतों का अपमान किया है। कानपुर की एक घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बुलडोजर कार्रवाई में मां–बेटी की मौत हुई। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि उनकी सरकार बनती है तो कानपुर के औद्योगिक विकास को गति दी जाएगी, गंगा की सफाई कराई जाएगी, बिजली सस्ती की जाएगी, उद्योगों को सहयोग मिलेगा और रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएंगे, ताकि कानपुर को एक बार फिर विकसित और सुन्दर बनाया जा सके।

ज्वैलर्स की पिटाई कर लाइसेंसी रिवाल्वर और गहने लूटे

200 ग्राम सोना और 5 किलो चांदी भी ले गए

प्रयागराज। मांडा थाना क्षेत्र में घर लौट रहे ज्वैलर्स से बाइक सवार बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। पीछे से आए 3 बदमाशों ने ज्वैलर्स को रोककर हेलमेट निकाला और 10 मिनट तक पिटते रहे। इसके बाद लाइसेंसी रिवॉल्वर और बैग लेकर फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस को पीड़ित ने 45 हजार रुपए कैश लूटने की बात बताई। बाद में भाई ने आरोप लगाया कि बदमाश 46 लाख का माल ले गए हैं। इसमें 200 ग्राम सोना, 5 किलो चांदी और एक लाख कैश था। घायल ज्वेलर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदीप कुमार सोनी की मांडा के चिलबिला बाजार में ज्वैलरी की शॉप है। वह भारतगंज वार्ड नंबर 3 में रहते हैं। पीड़ित के भाई रंजीत सोनी ने बताया– दोनों भाई चिलबिला बाजार में ज्वेलरी की दुकान चलाते हैं। प्रदीप छोटे भाई हैं। रोज की तरह मंगलवार शाम करीब 6 बजकर 40 मिनट पर दुकान बंद कर घर लौट रहे थे।चक डीहा गांव के पंचायत भवन के सामने पहुंचते ही पीछे से आए बाइक सवार 3 बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। वह कुछ समझ पाते, इससे पहले ही एक बदमाश ने तमंचा निकाल किया। इसके बाद प्रदीप का हेलमेट निकलवाया और मारपीट करने लगे। करीब 10 मिनट तक लात घूसों से पीटते रहे।फिर सिर तमंचे के बट से हमला कर दिया। इसके बाद ज्वैलर्स प्रदीप खून से लथपथ होकर सड़क पर गिर पड़े। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे लेकिन बदमाश तमंचा लहराते हुए भाग गए। घटना के बाद घायल ज्वेलर ने फोन कर परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही उनके भाई और अन्य परिचित मौके पर पहुंचे। लूट की सूचना पर मांडा पुलिस और मेजा एसीपी भी पहुंचे।

इंडियन फोक एंड माडर्न आर्ट अकादमी ने किया कार्यशाला का आयोजन

प्रयागराज। शहर की सांस्कृतिक संस्था ष्इंडियन फोक एंड मॉडर्न आर्ट अकादमीष प्रयागराज रंगमंच के क्षेत्र में निरंतर कार्य करती आ रही है, उसी क्रम में दिनांक 10 फरवरी से 20 फरवरी तक 10 दिवसीय प्रस्तुतिपरक कार्यशाला का आयोजन 2 अन्य संस्थाओं पंचम रंग बेलवाई सुल्तानपुर एवं कला पथिक मुंबई के सहयोग से बेलवाई सुल्तानपुर में आवासीय कार्यशाला का आयोजन पंचम रंग संस्थान ष बेलवाई सुल्तानपुर के प्रांगण में किया गया। इस कार्यशाला के प्रशिक्षक के रूप में इंडियन फोक एंड मॉडर्न आर्ट अकादमी प्रयागराज के सचिव एवं रंग निदेशक रमेश कश्यप विशेष रूप से उपस्थित रहे। अन्य प्रशिक्षक में ष्भारतेंदु नाट्य अकादमी लखनऊ के वरिष्ठ प्रशिक्षक मनोज शर्मा, रंग प्रशिक्षक एवं फिल्म अभिनेता संजय पाण्डेय, मनोज सिंह टाइगर (बतासा चाचा) ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।इस 10 दिवसीय आवासीय कार्यशाला में बिहार, महाराष्ट्र एवं उत्तर प्रदेश विभिन्न जनपदों से 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में प्रतिभागियों को राम मंच के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए अभिनय की बारीकियों के संदर्भ में प्रशिक्षित किया गया।10 दिवसीय कार्यशाला के संपूर्ण होने के उपरांत 11वें दिन दिनांक 21 फरवरी को समापन समारोह में प्रतिभागियों द्वारा तैयार प्रस्तुतियों का मंचन किया गया, इस अवसर पर स्थानीय दर्शकों से प्रागंण भरा रहा। संस्था ष्इंडियन फोक एंड मॉडर्न आर्ट अकादमी ष प्रयागराज के द्वारा अपनी आगामी 30 दिवसीय प्रस्तुतिपरक नाट्याअभिनय कार्यशाला का आयोजन प्रयागराज में मई 2026 में करने की उद्घोषणा की गई है।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 13 हाबी क्लबों का शुभारंभ, विद्यार्थियों के समग्र विकास पर जोर

लखनऊ(आरएनएस)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 25 फरवरी को विद्यार्थियों के रचनात्मक एवं समग्र व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हॉबी क्लब का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। मंच पर हॉबी क्लब एवं एनईपी–2020 क्रियान्वयन समिति की अध्यक्ष प्रो. संगीता सक्सेना भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति द्वारा फीता काटकर किया गया तथा बाबासाहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। विश्वविद्यालय कुलगीत के गायन के बाद आयोजन समिति ने कुलपति को पुष्पगुच्छ भेंट कर आभार व्यक्त किया। मंच संचालन डॉ. मनोज डडवाल ने किया।विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की बहुआयामी प्रतिभाओं को मंच देने के लिए कुल 13 हॉबी क्लब प्रारंभ किए गए हैं। इनमें म्यूजिक, अर्बन गार्डनिंग, पेंटिंग, फोटोग्राफी, डिजिटल लिटरेसी एवं कंपिटेंसी, योग थेरेपी, क्रिएटिव राइटिंग, कम्युनिटी सर्विस, मेंटल हेल्थ एंड वेलबीइंग, नेचुरोपैथी वेलनेस, बेकर्स क्राफ्ट (नो ओवन नो प्रॉब्लम), डिजास्टर रिस्क रिडक्शन तथा स्पोर्ट्स जैसे क्लब शामिल हैं। इन क्लबों का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी रुचियों की पहचान करने, उन्हें निखारने और नई विधाओं को सीखने का अवसर प्रदान करना है, ताकि उनमें आत्मविश्वास, नवाचार और नेतृत्व क्षमता का विकास हो सके।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का लक्ष्य विद्यार्थियों को केवल कक्षा तक सीमित न रखकर उन्हें जीवन के वास्तविक अनुभवों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि हॉबी क्लब विद्यार्थियों को अपने पैशन को प्रोफेशन में बदलने की दिशा में प्रेरित करेंगे। 'पंचकोश' सिद्धांत का उल्लेख करते हुए उन्होंने समग्र विकास को व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच तनाव को कम करने, मानसिक संतुलन बनाए रखने और सहानुभूति के साथ समाज से जुड़ने में सहायक सिद्ध होंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में उन्होंने कहा कि एआई पर पूर्ण निर्भरता के बजाय उसका उपयोग मानव कल्याण और नैतिक मूल्यों की उन्नति के लिए किया जाना चाहिए। विद्यार्थियों से उन्होंने 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए स्वयं को जागरूक और आत्मनिर्भर नागरिक के रूप में विकसित करने का आह्वान किया।प्रो. संगीता सक्सेना ने कहा कि एनईपी–2020 के माध्यम से बहुविषयक शिक्षा, मल्टीपल एंट्री–एग्जिट प्रणाली तथा कौशल आधारित शिक्षण को बढ़ावा दिया गया है। हॉबी क्लब इसी सोच का विस्तार हैं, जो विद्यार्थियों को अपनी हॉबी को कौशल और कौशल को करियर में रूपांतरित करने का अवसर देंगे। उन्होंने कहा कि इससे नवाचार, उद्यमिता और जीवनोपयोगी क्षमताओं का विकास होगा।कार्यक्रम के दौरान कुलपति ने विभिन्न क्लबों के समन्वयकों और विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी गतिविधियों की जानकारी ली।

लखनऊ व्यापार मंडल की कोर कमेटी बैठक में सुहैल हैदर अल्वी व मनीष वर्मा की घर वापसी

लखनऊ(आरएनएस)। को लखनऊ व्यापार मंडल की कोर कमेटी की बैठक व्यापार भवन, लाटूश रोड, लखनऊ में अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठनात्मक एकजुटता, व्यापारियों के हितों और आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक के दौरान सुहैल हैदर अल्वी एवं मनीष वर्मा ने घर वापसी की घोषणा करते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि लखनऊ व्यापार मंडल उनका परिवार है और वे इसी संगठन में रहेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ परिस्थितियों के कारण दूरी बनी थी, लेकिन अब वे पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ पुनः संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लेते हैं। उनका उद्देश्य व्यापारियों के हितों की रक्षा करना और संगठन को और अधिक मजबूत बनाना है।

अन्याय नहीं होने देंगे पचासों साल से रह रहे लोगों पर- रेवती

दशकों पुराने आशियानों पर तेल की धार

प्रयागराज। दरियाबाद में इंडियन ऑयल पाइपलाइन के लिए मकान गिराने के नोटिस से हड़कंप मच गया। इस पर पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह ने मोर्चा संभाला और कहा किष्अन्याय नहीं होने देंगेष। उक्त जानकारी देते हुए सांसद प्रतिनिधि विनय कुशवाहा ने बताया कि प्रयागराज के दरियाबाद क्षेत्र में उस समय तनाव की स्थिति पैदा हो गई, जब इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की पाइपलाइन के दायरे में आने वाले दर्जनों मकानों को गिराने का सरकारी आदेश जारी हुआ। विशेष बात यह है कि ये मकान यहां पिछले 40–50 वर्षों से बने हुए हैं, जिनमें कई पीढ़ियां पली–बढ़ी हैं। पाइपलाइन की सुरक्षा और तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए प्रशासन ने चिन्हित मकानों को हटाने का निर्देश दिया है।

पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह का कहना है कि जब ये मकान बन रहे थे, तब किसी ने आपत्ति नीं की। अब बुढ़ापे में वे कहाँ जाएंगे?प्रतिनिधि ने बताया कि सूचना मिलते ही पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह भारी संख्या में समर्थकों के साथ दरियाबाद पहुंचे और स्थानीय लोगों के हक में आवाज बुलंद की। मौके पर पहुँचे पूर्व सांसद ने प्रशासन और आईओसी के अधिकारियों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा ष्पचास साल से लोग यहां रह रहे हैं। उनके पास बिजली के बिल हैं, नगर निगम का टैक्स रिकॉर्ड है। अचानक इन्हें अवैध बताकर बेघर करना अमानवीय है। हम विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन विकास इंसानों की कब्र पर नहीं होना चाहिए।

मस्जिद हाजरा में सात रोजा तरावीह मुकम्मल

प्रयागराज। चकिया रोड मस्जिद हाजरा में सात रोजा तरावीह मुकम्मल किया गया। हाफिज फिरोज अहमद साहब ने बहुत ही साफ–सुथरे अल्फाज में कुरान पढ़ी। जिसकी वजह से मस्जिद के तीनों फ्लोर सातों दिन फुल थीं। हाजी मोहम्मद आमिर, हाजी मोहम्मद शाहिद साहब की सरपरस्ती में मस्जिद का इंतजाम था। एक कुरान मुकम्मल के बाद दीन की रोशनी में बयान हुआ उसके बाद दुआ मांगी गई सभी को तबर्रुक दिया गया। तरावीह में हाजी मोहम्मद आमिर, हाजी मोहम्मद शाहिद, हाजी मेराज सलमान, हाजी हारून, शाहजहां, अनीस अख्तर, जीशान, जाकिर आदि नमाजी शामिल हुए। दूसरी सात रोजा तरावीह जानसेन गंज मदीना मस्जिद में मुकम्मल हुई। हाफिज जी ने सात दिन में एक कुरान मुकम्मल की। दुआ की गई तबर्रुक बांटा गया। मोहम्मद अनवर की सरपरस्ती में तरावीह मुकम्मल हुई।

15 दिन में कार्रवाई नहीं तो सुल्तानपुर से लखनऊ तक होगा आंदोलन - शकील अंसारी

सुल्तानपुर(आरएनएस)। स्वामी अभिमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के साथ कथित दुर्व्यवहार और उत्पीड़न के मामले को लेकर जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी ने केंद्र और प्रदेश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन भेजकर कांग्रेस नेताओं ने पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि यह मामला केवल एक संत का नहीं, बल्कि सनातन परंपरा और करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था से जुड़ा हुआ है। माघ मास जैसे पावन अवसर पर शंकराचार्य जी को स्नान से वंचित किया जाना धार्मिक अधिकारों का खुला हनन बताया गया है। साथ ही पुलिस द्वारा कथित दुर्व्यवहार और झूठे मुकदमे दर्ज कर दबाव बनाने के आरोप भी लगाए गए हैं। कांग्रेस ने मांग की है कि गैर–भाजपा शासित राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों की स्वतंत्र समिति गठित कर निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा आरोपित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर कठोर कार्रवाई की जाए। शहर कांग्रेस अध्यक्ष शकील अंसारी ने दो टूक कहा कि संतों का अपमान बर्दाश्त नहीं होगा। 15 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो सुल्तानपुर से लखनऊ तक निर्णायक आंदोलन होगा। वरिष्ठ नेता हरीश त्रिपाठी ने कहा कि धर्मगुरुओं के सम्मान से खिलवाड़ किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं होगा, सरकार तुरंत कार्रवाई करे। सलाहुद्दीन हाशमी ने कहा कि संत समाज का अपमान देश की आस्था पर चोट है, कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी। जफर खान ने कहा कि अगर न्याय नहीं मिला तो यह आंदोलन जनआंदोलन बनेगा और जवाब सड़कों पर दिया जाएगा। राजेश तिवारी ने कहा कि माघ मास में धार्मिक अधिकारों का हनन लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है, जिम्मेदार अधिकारियों को हटाया जाए। रणजीत सिंह सलूजा ने कहा कि संतों के सम्मान की रक्षा के लिए कांग्रेस हर स्तर पर संघर्ष करेगी। हौशिला भीम ने कहा कि सत्ता के दबाव से आस्था को नहीं दबाया जा सकता, कार्रवाई नहीं हुई तो आर–पार की लड़ाई होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई नहीं की गई तो चरणबद्ध और व्यापक आंदोलन छेड़ा जाएगा। इस मौके पर अतहर नवाब,राम किशोर, असलम अंसारी, हाजी फिरोज, विकास मिश्रा, मो मंसूर, अजय मिश्रा, दिनेश तिवारी, मोहसिन सलीम, इकराम खान, अवधेश गौतम, विनय कुमार, महेश सिंह, आलोक पाण्डेय, जनेश्वर उपाध्याय, अखंड मिश्रा समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

संयुक्तराष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारियों ने प्रमुख मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

सुलतानपुर(आरएनएस)। संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ, उत्तर प्रदेश ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर शासन–प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। संघ का कहना है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कार्यरत कर्मचारी वर्षों से संविदा पर सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उन्हें स्थायित्व, वेतनमान और सामाजिक सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं अब तक नहीं मिल पाई हैं।ज्ञापन में कर्मचारियों ने मांग की है कि पोर्टल के माध्यम से वेतन भुगतान में आ रही तकनीकी समस्याओं को दूर किया जाए और हर माह समय से वेतन जारी किया जाए। इसके साथ ही स्वास्थ्य बजट में पर्याप्त वृद्धि कर प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने पर जोर दिया गया है। संघ ने आईपीएचएस मानकों के अनुरूप नए पद सृजित करने और वर्षों से कार्यरत कर्मियों के नियमितीकरण की

प्रक्रिया शुरू करने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि कई कर्मचारी 10 वर्ष या उससे अधिक समय से सेवा दे रहे हैं, ऐसे में उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए ठोस नीति बनाई जानी चाहिए। कर्मचारियों ने वेतन विसंगतियों को दूर कर स्पष्ट और पारदर्शी वेतन नीति लागू करने, वार्षिक वेतन वृद्धि सुनिश्चित करने तथा अनुभव आधारित लाभ देने की भी मांग की है। इसके अलावा सभी कर्मियों को स्वास्थ्य बीमा, ईपीएफ, ग्रेच्युटी सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करने पर जोर दिया गया है। संघ ने समान कार्य के लिए समान वेतन, आउटसोर्सिंग व्यवस्था की समाप्ति और राज्य स्वास्थ्य समिति अथवा आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत कर्मियों के समायोजन की भी मांग रखी है। उनका कहना है कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर पर सफल बनाने में एनएचएम कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका है,

राइस मिलों का नियमित निरीक्षण करें

जौनपुर(आरएनएस)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में धान खरीद की समीक्षा बैठक हुई। जिला खाद्य विपणन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में सभी क्रय संस्थाओं के कुल 160 क्रय केंद्रों पर, निर्धारित धान क्रय लक्ष्य 160000 मीवटन के सापेक्ष अब तक 162082.762 मीवटन धान खरीद 28761 किसानों से हुई है। जनपद में हुई धान खरीद के सापेक्ष 52.24: सीएमआर का संप्रदान राइस मिलों द्वारा एफवसीवआईव में किया गया है। जनपद में सी0एम0आर0 भंडारण हेतु पर्याप्त भंडारण क्षमता उपलब्ध न होने के कारण भारतीय खाद्य निगम में सी0एम0आर0 संप्रदान तथा क्रय केंद्रों से राइस मिलों को धान के प्रेषण की गति धीमी होने के संबंध में अवगत कराया गया, साथ ही मोहाव एवं केराकत के गोदामों को भारतीय खाद्य निगम द्वारा अविलंब सक्रिय कराये जाने का अनुरोध किया गया। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा मंडलीय प्रबंधक, भारतीय खाद्य निगम, वाराणसी को जनपद में स्थित सभी गोदामों को पूर्ण क्षमता के साथ प्रतिदिन प्रचालित कराये जाने के निर्देश दिये गये, साथ ही आवश्यकतानुसार अन्य गोदामों को चिह्नित कर यथाशीघ्र क्रियाशील कराने के निर्देश भारतीय खाद्य निगम के अधिकारियों को दिये गये। प्रबंधक एस0डब्लू0सी0, किरतापुर को जनपद के सभी डिपो पर प्रतिदिन अधिकाधिक श्रमिकों का प्रबंध कर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत खाद्यान्न का उठान एवं सीएमआर संप्रदान तेज गति से कराने के निर्देश दिये गये।जिलाधिकारी द्वारा जिला खाद्य विपणन अधिकारी एवं समस्त क्षेत्रीय विपणन अधिकारियों व विपणन निरीक्षकों को राइस मिलों का नियमित रूप से निरीक्षण कर सीएमआर का संप्रदान तीव्र गति से कराये जाने के निर्देश दिए गए।

शंकराचार्य के अपमान पर कांग्रेस सख्त, प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

सुलतानपुर मंगलवार को दिन दहाड़े से बम से हमला करने के तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।मामला बंधुआ कला थाना क्षेत्र के बबुरी गांव से जुड़ा है। गांव निवासी आरती सिंह पत्नी कर्मजीत सिंह ने गुरुवार को बंधुआ कला पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि दोपहर में उसके दरवाजे पर रामायण कार्यक्रम के दौरान चार मोटर साइकिल से दो दो लोग आए और उसके परिवारी जनों पर गाली गलौज करते हुए बम से हमला कर दिया था।बम लगने से दरवाजे पर खड़ी बोलेरो क्षतिग्रस्त हो गई।घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस के साथ सीओ सिटी ने निरीक्षण किया था। शुक्रवार को पुलिस ने प्रभाकर मिश्रा उर्फ अमन पुत्र अनिल मिश्रा निवासी हरदी दाउदपुर, आशीष पांडेय पुत्र भरत निवासी पांडेय का पुरवा मझना व प्रिंशु मिश्रा को मझना ओवरब्रिज के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस ने तलाशी के दौरान 02 तमंचा 32 बोर व कारतूस तथा एक तमंचा 15 बोर बरामद किया है। सीओ सिटी सौरभ सामंत ने बताया कि मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर है जिसके खिलाफ गंभीर धाराओं में कई मुकदमे दर्ज है।

आल इंडिया कंपनी सेक्रेटरी परीक्षा में उत्तीर्ण हुए श्रेयम तिवारी

कादीपुर / सुल्तानपुर(आरएनएस)। नगरपंचायत कादीपुर के निवासी व संत तुलसीदास पीजी कॉलेज में बीएड विभाग के कार्यालय अधीक्षक डॉ सुरेन्द्र प्रताप तिवारी के छोटे पुत्र श्रेयम तिवारी ने आल इंडिया कम्पनी सेकेट्री परीक्षा में अण्डर 06 रैंक से सी.यस. प्रोफेशनल परीक्षा उत्तीर्ण किया है। राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा का परिणाम 25 फरवरी 2026 को घोषित हुआ। बताते चलें कि आल इंडिया कंपनी सेक्रेटरी परीक्षा (सी.यस.इक्जाम) भारत में आई.सी.यस. आई. द्वारा आयोजित की जाती है। यह एक प्रतिष्ठित प्रोफेशनल कोर्स है, जो कंपनी लॉ, कॉर्पोरेट गवर्नेंस, कॉम्प्लायंस, फाइनेंस आदि में विशेषज्ञता प्रदान करता है। जिसे अक्सर "सी.यस." कहा जाता है। दिसम्बर–2025 सेशन के सी.यस. प्रोफेशनल और सी.यस. इक्सक्यूटिव परीक्षा का रिजल्ट 25 फरवरी 2026) घोषित किया गया। श्रेयम तिवारी ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने गुरू जनों व माता पिता एवं परिवार के सदस्यो के सहयोग व आशीर्वाद का प्रतिफल बताया है। श्रेयम की उत्कृष्ट सफलता पर महाविद्यालय प्रबन्ध समिति अध्यक्ष डॉ ओमप्रकाश पाण्डेय बजरंगी, प्रबन्धक सौरभ त्रिपाठी, पूर्व प्राचार्य प्रो इन्दुशेखर उपाध्याय, मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ जितेन्द्र कुमार उपाध्याय, सत्या माइक्रो के सीइओ विवेक तिवारी, डॉ महेंद्र प्रताप तिवारी, नगरपंचायत अध्यक्ष कादीपुर आनन्द जायसवाल, योगेन्द्र तिवारी व मित्रों तथा शुभचिंतकों आदि के द्वारा हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शुभकामना आशीष प्रदान किया गया।

मंगों को लेकर मजदूर संघ ने प्रदर्षन किया प्रदर्षन

जौनपुर (आरएनएस)। कलेक्ट्रेट परिसर में बुधवार को भारतीय मजदूर संघ ने प्रदर्षन कर जिला प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया को संबोधित था, जिसमें श्रमिकों की आठ सूत्रीय मांगों पर त्वरित कार्रवाई की मांग की गई है।संघ के जिलामंत्री प्रदीप सिंह ने बताया कि ये मांगें 21वें अखिल भारतीय त्रिवार्षिक अधिवेशन में पारित प्रस्तावों पर आधारित हैं। संघ ने सभी क्षेत्रों में श्रम कानूनों को बिना किसी छूट के लागू करने पर जोर दिया है। इसके अतिरिक्त, इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड 2020 और ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशन कोड 2020 में व्याप्त श्रमिक समस्याओं के समाधान की भी मांग की गई है। ज्ञापन में त्रिपक्षीय तंत्र के पुनर्गठन और इंडियन लेबर कॉन्फ्रेंस को शीघ्र बुलाने की मांग भी शामिल है।भारतीय मजदूर संघ ने ईपीएस–95 के तहत न्यूनतम पेंशन को 1000 रुपये से बढ़ाकर 7500 रुपये प्रतिमाह करने की मांग की है। साथ ही, ईपीएफ और ईएसआईसी की वेतन सीमा बढ़ाने तथा बोनस भुगतान अधिनियम 1965 के अंतर्गत पात्रता सीमा में संशोधन की भी मांग उठाई गई है।अन्य प्रमुख मांगों में स्कीम वर्करों और ठेका श्रमिकों को स्थायी करना शामिल है। इसके अलावा, सामान्य भर्तियों पर लगी रोक हटाने की भी मांग की गई है, ताकि रोजगार के अवसर बढ़ सकें। भारतीय मजदूर संघ ने केंद्र सरकार से श्रमिक हितों में इन मांगों पर त्वरित और सकारात्मक कार्रवाई करने की अपेक्षा जताई है।

डंपर की टक्कर से गंभीर रूप से घायल दंपति की दर्ज नहीं हुई एफआईआर

इलाज के खर्च के लिए भटक रहा है पीड़ित परिवार

सुल्तानपुर(आरएनएस)। तहसील क्षेत्र बल्दीराय के अंतर्गत हलियापुर थाना क्षेत्र के कूरेभार मोड़ पर विगत 9 जनवरी की शाम सात बजे मिट्टी ढो रहे एक डंपर की टक्कर से पूरे कांशीराम गांव निवासी रमेश मिश्र और उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद डंपर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगो की मदद से घायलों को तत्काल उपचार के लिए सौ शैया अस्पताल पिठला पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद रमेश मिश्र व उनकी पत्नी को रेफर कर दिया गया, डाक्टरो ने दंपति को भर्ती कर लिया रमेश ने बताया कि उसकी पीठ और कमर की हड्डी में फ्रैक्चर है, हाथ पैर में भी गंभीर चोट है जिससे वे चलने–फिरने में असमर्थ हैं। आर्थिक तंगी के चलते इस दंपति का इलाज सुचारू रूप से नहीं हो पा रहा है। पीड़ित रमेश मिश्र ने बताया कि वे किराए के कमरे में रहकर जीवन–यापन करते हैं। अस्पताल से घर लौटने के बाद उन्होंने घटना की तहरीर हलियापुर थाने में दी, लेकिन अब तक मुकदमा पंजीकृत नहीं किया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि कुरेभार मोड़ पर स्थित दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच की जाए, तो टक्कर मारने वाले डंपर की पहचान संभव है। घायल रमेश मिश्र ने पुलिस अधीक्षक सुलतानपुर से घटना की एफआईआर दर्ज करवाने की मांग की है।

शंकराचार्य पर मुकदमे के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

जौनपुर (आरएनएस)। ज्योतिर्मठ पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्यों पर यौन शोषण का मुकदमा फर्जी करार देते हुए उसके खिलाफ कांग्रेसियों ने पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट परिसर में नारेबाजी करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय के सामने बुधवार को धरना प्रदर्शन कर मुकदमा वापस किए जाने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि शंकराचार्य हिंदू धर्म के ध्वजवाहक होते हैं, वे साक्षात भगवान शिव के रूप में पूजे जाते हैं, ऐसे में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती, मुकुन्दानंद ब्रह्मचारी सहित अन्य बटुकों और संन्यासियों के खिलाफ विद्वेष और बदले की भावना से यौन शोषण का मुकदमा दर्ज कराया जाना हिंदू धर्म और उनकी मान्यताओं का अपमान है। कहा कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को प्रयाग माघ मेला क्षेत्र में जानबूझकर अपमानित किया गया, उनके शिष्यों को मारा–पीटा गया, ब्राह्मणों की शिखाओ को पकड़ कर घसीटा गया, यह सब कृत्य स्वयं को कथित तौर पर हिंदूवादी घोषित करने वाली सरकार के मुखिया द्वारा कराया जाना सनातन धर्म का खुला अपमान है, हिंदू समाज और देशवासी भाजपा को इसके लिए कभी माफ नहीं करेगा। शहर अध्यक्ष आरिफ खान ने शंकराचार्य पर दर्ज मुकदमे को वापस लेने एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा कि भारतीय संविधान में सबको धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है किंतु भाजपा सरकार बदले की भावना से धार्मिक लोगों के खिलाफ संतो को संतो लडाने का काम कर रही है।

नषीला पदार्थ खिलाकर साढ़े तीन लाख लूटा

जौनपुर(आरएनएस)। जहर खुरानी गिरोह ने दवा व्यापारी को नशीला पदार्थ खिलाकर सोने की चेन अंगूठी लूट लिया और झाड़ी में फेंक कर फरार हो गये। बताते है कि षहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला भंडारी 61 वर्षीय निवासी शोभा नाथ साहू बुधवार सुबह अपने रिश्तेदारी मिर्जापुर जाने के लिए लाइन बाजार थाना क्षेत्र में स्थिति जेसीज चौराहे पर बस पकड़ने के लिए खड़े थे कि एक व्यक्ति उनसे मिला और बात करते–करते अपना विश्वास जमा लिया। अज्ञात व्यक्ति द्वारा खुद को मिर्जापुर जाने की बात बताकर कार में बैठा लिया। कार जब मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र श्री गांव के पास से गुजर रही थी उसी समय इन्हें नशीला पदार्थ खिलाकर अचेत कर 20 ग्राम सोने की चेन तथा 4 ग्राम तक सोने की तीन अंगूठियां उतार लिया और जेब में रखे ध्12000 भी लूट लिया। इसके बाद उन्हें ग्राम पंचायत श्री गांव के पास झाड़ियो फेंक कर अपनी कार लेकर फरार हो गये। कुछ देर बाद गांव के कुछ बच्चे खेलते हुए पहुंचे तो देख कर शोर मचाया। देखते ही देखते ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई। मौके पर में एक व्यक्ति द्वारा इस घटना की जानकारी मडियाहू पुलिस को दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। झाड़ी में से दवा कारोबारी को बाहर निकाल कर जेब में मिली हुई डायरी से इनके घर पर फोन कर बताया गया। घरवाले पहुंच कर उन्हें जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है जहां उनका इलाज चल रहा है। लुटेरों का हौसला इतना बुलंद हो गया है कि अब राहगीर को भी नहीं छोड़ रहे हैं। सोने की चेन और अंगूठी की अनुमानित कीमत लगभग साढ़े तीन लख बताई गई है।

18 वर्ष वाले युवा मतदाता सूची में नाम दर्ज करायें

जौनपुर(आरएनएस)। स्वीप गतिविधियों के अन्तर्गत स्काउट्स गाइड्सध्रोवर्स रेंजर्स के माध्यम से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। स्टेशन रोड स्थित राज कालेज के मैदान में आयोजित कार्यक्रम में स्काउट्स गाइड्सध्रोवर्स रेंजर्स को मतदाता बनने के लिए जागरूक किया करते हुए उन्हें जिम्मेदारी दी गई कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं और जिनका नाम मतदाता सूची में छूट गया है उन सभी को मतदाता बनने के लिए जागरूक करें। विश्व विद्यालय रोवर्स रेंजर्स चीफ कमिश्नरध्प्राचार्य राजा श्री कृष्ण दत्त महाविद्यालय प्रो. शम्भू राम ने रोवर रेंजर्स को प्रेरित करते हुए कहा कि 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष आयु पूरी करने वाले युवा मतदाता सूची में अपना नाम जरुर दर्ज करायें, और गांव–गांव में मतदाता जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करें। ग्राम पंचायतों से लेकर नगरीय क्षेत्रों तक अभियान चला कर पात्र लोगों को मतदाता बनने हेतु जागरूक व प्रेरित करें। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए आप सभी के रचनात्मक प्रयासों को लोग सदैव याद रखेंगे। उन्होंने बताया कि 125 महाविद्यालय में रोवर्स रेंजर्स संचालित है जिनके माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान वोटर बनने हेतु युवा छात्र छात्राओं को फार्म 6 और घोषणा पत्र प्रदान किया गया।

गैस पाइप लाइन में आग से दो झुलसे

जौनपुर (आरएनएस)। षहर के चाचकपुर माहल्ले में बुधवार को पूर्वान्ह अडानी गैस पाइपलाइन के सर्विस रेगुलेटर बोर्ड में जेसीबी की टक्कर से भीषण आग लग गई। इस घटना में दो लोग आंशिक रूप से झुलस गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। यह घटना फूल मंडी के आगे, पुलिस चौकी सिपाह थाना कोतवाली क्षेत्र में हुई। जेसीबी की टक्कर के बाद गैस पाइपलाइन से तीव्र रिसाव शुरू हो गया था। अडानी समूह के कर्मचारियों द्वारा कथित लापरवाही से रिसाव को बंद करने के प्रयासों के दौरान आग भड़क उठी। आग इतनी भीषण थी कि यह पास में स्थित बांस की कोठ में भी फैलने लगी। सूचना मिलने पर फायर स्टेशन चौकियां से अग्निशमन अधिकारी जौनपुर के नेतृत्व में एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। अग्निशमन कर्मियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर फायर एक्सटिंग्युशर, बुलेट और बाल्टी की सहायता से आग को पूरी तरह बुझाया। इसके बाद, अडानी ग्रुप के कर्मचारियों ने गैस लीकेज को भी पूर्ण रूप से बंद कर दिया।

सास की मौत के बादबहू ने भी दम तोड़ा

जौनपुर(आरएनएस)। सास–बहू के रिष्तें जहां बिगड़ते जा रहे है वहीं लगाव कम ही देखने को मिलता है। कई वर्षों से अस्वस्थ सास की देखभाल करने वाली बहू उनके निधन का दुःख सहन नहीं कर सकी। एक घंटे के भीतर ही रोते–रोते उसने भी दम तोड़ दिया। रामपुर थाना क्षेत्र के भरथीपुर गांव में यह घटना चर्चा का विषय बन गई है। गांव के स्व. राजनाथ सिंह का भरा–पूरा परिवार है। उनकी 77 वर्षीय पत्नी विमला देवी लंबे समय से अस्वस्थ चल रहीं थीं। उपचार के दौरान दोपहर में घर पर ही उनका देहांत हो गया। उनकी देखरेख करने वाली बहू 50 वर्षीया निशा सिंह पत्नी अशोक सिंह को गहरा सदमा पहुंचा। रोते–रोते एक घंटे बाद वह बेसुध होकर गिर गईं। परिजन निशा सिंह को आनन–फानन एक निजी अस्पताल ले गए। डाक्टर ने देखते ही मृत घोषित कर दिया।

आगामी त्यौहारों को सकुशल संपन्न कराने के लिए मंडलायुक्त एवं डीआईजी ने बैठक कर संबंधित अधिकारियों को दिया निर्देश

कुशीनगर,। मंडलायुक्त गोरखपुर व पुलिस उपमहानिरीक्षक गोरखपुर ने आगामी होली, रमजान एवं ईद–उल–फितर त्यौहारों को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य हेतु जनपद में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।पुलिस लाइन में बुधवार को पहुंचे मण्डलायुक्त अनिल ढींगरा एवं पुलिस उप महा निरीक्षक एस चनप्पा ने जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक केशव कुमार की उपस्थिति में समस्त अधिकारियों से आगामी होली, रमजान माह एवं ईद–उल–फितर त्यौहार को पूर्ण रूप से शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में मनाने के उद्देश्य से विस्तृत चर्चा की तथा एसपी कुशीनगर द्वारा प्रस्तुत की गई सुरक्षा योजनाओं का गहन समीक्षा की गयी। बैठक में अधिकारियों ने कहा कि जनपद में किसी भी प्रकार की सांप्रदायिक तनाव या अफवाह को तत्काल दबाने के लिए सख्ती से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। सभी थाना क्षेत्रों में संवेदनशील मोहल्लों, मंदिरों, मस्जिदों, ईदगाहों एवं अन्य धार्मिक स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाए। होली के रंग खेलने, रमजान की तरावीह, नमाज तथा ईद की नमाज के दौरान पर्याप्त पुलिस बल, पीएसी, क्यूआरटी टीम एवं होमगार्ड की तैनाती की जाए। संवेदनशील स्थानों पर स्थाई पिकेट एवं पेट्रोलिंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। त्योहारों के दौरान मुख्य मार्गों, बाजारों एवं धार्मिक स्थलों के आसपास पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था का सख्ती से पालन कराया जाए। अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करने हेतु बैरिकेडिंग एवं डायवर्सन की पूर्व योजना तैयार की जाए। सीसीटीवी एवं आधुनिक निगरानी हेतु सभी थाना क्षेत्रों के सीसीटीवी कैमरों का 24□7 मॉनिटरिंग सुनिश्चित किया जाए। ड्रोन के माध्यम से भीड़ भाड़ वाले स्थानों की निगरानी की जाए। असामाजिक तत्वों पर सख्त नजर हेतु जिला एवं थाना स्तर पर तैयार की गई संदिग्धों की सूची के आधार पर निरंतर चेकिंग एवं निगरानी रखी जाए। कोई भी व्यक्ति कानून–व्यवस्था भंग करने का प्रयास करे तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।
लाउडस्पीकर एवं ध्वनि प्रदूषण पर रोकथाम हेतु सभी धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर का उपयोग निर्धारित समय एवं निर्धारित ध्वनि स्तर तक सीमित रखा जाए। उल्लंघन पर तत्काल कार्रवाई की जाए। अधिकारियों ने जनपदवासियों से अपील किया है कि वे त्यौहारों को भाईचारे के साथ मनाएं।

शिक्षण अधिगम सामग्री पढ़ाने का प्रभावी माध्यम

जौनपुर(आरएनएस)। शिक्षण अधिगम सामग्री पढ़ाने का साधन ही नहीं बल्कि शिक्षको के बीच आदान प्रदान का प्रभावी माध्यम भी है। यह शिक्षा को अधिक मनोरंजन तथा सुगम बनाता है। उक्त बातें मछलीषहर खण्ड शिक्षा अधिकारी अमरदीप जायसवाल ने बुधवार बीआरसी पर नॉलेज शेयरिंग कार्यक्रम में कहा।डॉक्टर संतोष तिवारी ने प्रतिभागियों को अपना विचार साझा करते हुए बताया कि शिक्षण अधिगम सामग्री के माध्यम से अपने ज्ञान,नवीन विचार और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा कर सकते हैं। इस दौरान एआरपी जंग बहादुर यादव,अखिलेश यादव,राकेश यादव ने विषय वस्तु पर विस्तार से बताया। इस दौरान प्रतिभागियों द्वारा शिक्षण अधिगम सामग्री के साथ डेमो किया गया। मंद्रीका मौर्या,अनुराधा मौर्या,डॉक्टर अफसाना बानो,रेनू यादव,प्रियंका यादव ने प्रस्तुतिकरण किया।

बिना वैध कारण के आवेदन अस्वीकृत न करें

जौनपुर(आरएनएस)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी के द्वारा बैंकवार सीएम युवा उद्यमी विकास योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया गया कि जिन बैंक शाखाओं के द्वारा बिना किसी वैध कारण के सबसे अधिक आवेदन अस्वीकृत किया गया है, उनकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। इसके साथ ही पीएम स्वनिधि योजना की भी समीक्षा की और अधिक से अधिक आवेदन स्वीकृत करने के निर्देश दिए गये।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, गुरुवार 26 फरवरी 2026
sheelshukla100@gmail.com

मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिये घातक

लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी—ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है।भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन—चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुईं, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा। इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है।लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी—ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती

हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है। सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे—धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर पड़ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं। ऐसे मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा का हनन है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें।यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गों को अवसर देना—ये सब राज्य की जिम्मेदारी है। परंतु चुनावी मौसम में अचानक घोषणाओं की बाढ़ आ जाना और दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत नहीं है। यह राजनीतिक दलों के वैचारिक दिवालियेपन को दर्शाता है, जहां दूरदृष्टि की जगह तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता से भी आती है। यदि मतदाता केवल तात्कालिक लाभ देखकर मतदान करता है, तो वह अनजाने में ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो अंततः उसी के भविष्य को प्रभावित करती है। परिपक्व मतदाता वही है जो घोषणाओं के पीछे की मंशा और आर्थिक व्यवहार्यता को समझे। वह यह पूछे कि पांच साल बाद राज्य की आर्थिक स्थिति क्या होगी, विकास की दिशा क्या होगी और रोजगार के अवसर कितने बढ़ेंगे। लोकतंत्र में वोट केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है।आज भारत स्वयं को वैश्विक मंच पर एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। हम विश्वगुरु बनने का संकल्प लेते हैं, लेकिन यदि हमारी राजनीति लोकलुभावनवाद के जाल में उलझी रहेगी, तो यह संकल्प खोखला सिद्ध होगा। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव तभी सार्थक है जब हमारी नीतियां दूरदर्शी, संतुलित और टिकाऊ हों। मुफ्त की संस्कृति से बाहर निकलकर उत्पादकता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता को सशक्त बनाना केवल धन बांटने से संभव नहीं है। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और रोजगार—ये चार स्तंभ किसी भी राष्ट्र की मजबूती तय करते हैं। यदि इन पर निवेश बढ़ेगा, तो नागरिक आत्मनिर्भर बनेंगे और राज्य पर बोझ कम होगा। वहीं, नागरिकों को भी यह ठानना होगा कि वे तात्कालिक प्रलोभनों के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देंगे। लोकतंत्र की सुदृढ़ता तभी सुनिश्चित होगी जब शासन और जनता दोनों अपने—अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें। निस्संदेह, चुनावी निष्पक्षता के लिये यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई भी करनी चाहिए। निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना हमारे जीवंत लोकतंत्र के लिये हानिकारक है।

सम्पादकीय

सौदा पारदर्शी हो

बड़ी ताकतें अपनी कंपनियों को सौदा दिलवाने के लिए भारत को महज एक बाजार के रूप में देखती हैं। मगर भारत को उनके दबाव में नहीं आना चाहिए। यह भी जरूरी है कि सौदा पारदर्शी हो, ताकि उसको लेकर विवाद पैदा ना हो।

फ्रांस से राफेल लड़ाकू विमानों को खरीदने का फैसला तत्कालीन यूपीए सरकार ने किया था। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने उसे आगे बढ़ाया, लेकिन उन्होंने खरीदारी की शर्तों में उलटफेर कर दी। इसी कारण मोदी सरकार ने जब पहली बार राफेल विमानों को खरीदा, तो उस सौदे पर ना सिर्फ भारत, बल्कि फ्रांस में भी बड़े विवाद हुए। दोनों जगहों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। मगर वह दीगर मामला है। उस विवाद को विमानों की गुणवत्ता पर प्रतिकूल टिप्पणी नहीं माना जाएगा। हां, पिछले वर्ष ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने कई भारतीय राफेल विमानों को मार गिराने का दावा किया था, तो जरूर विमानों की तत्परता से संबंधित प्रश्न उठे।

बहरहाल, उस दावे की सच्चाई क्या है, इस बारे में भारत सरकार ने अभी तक कुछ नहीं कहा है। इस बीच चार दिन के उस सीमित युद्ध ने भारत की रक्षा तैयारियों में और दम लगाने की जरूरत निर्विवाद रूप से जाहिर किया। यह भी साफ हुआ कि आगे की लड़ाइयों में वायु सेना की प्रमुख भूमिका होगी। अतरू भारतीय वायु सेना की लड़ाकू विमानों की जरूरत को पूरा करना अनिवार्य है। अब केंद्र ने 114 राफेल विमानों को खरीदने का जो फैसला किया है, उसे इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। फ्रेंच कंपनी दसॉ के राफेल विमान उन्नत तकनीक से लैस हैं, यह आम धारणा है। चूंकि भारत के पास पहले ये विमान हैं, इसलिए उन्हें ही खरीदना भी सही निर्णय माना जाएगा।अब समझ यह बनी है कि आधुनिक हथियार एवं उपकरण उच्च तकनीक से संचालित हैं, वैसे में एक जैसे सिस्टम अधिक कारगर हो रहे हैं। इसलिए भारत को अलग—अलग देशों से सिस्टम खरीदने की नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए। बड़ी ताकतें अपनी कंपनियों को सौदा दिलवाने के लिए भारत जैसे देशों को महज एक बाजार के रूप में देखती हैं। मगर भारत को उनके दबाव में नहीं आना चाहिए। उसे अपनी जरूरतों के अनुरूप सौदे करने चाहिए। फिर यह भी जरूरी है कि हर सौदा पारदर्शी हो, ताकि उसको लेकर उस तरह का संदेह पैदा ना हो, जैसा पिछले राफेल सौदे के समय हुआ था।

भाजपा को लेने के देन पड़ेंगे

क्या भाजपा राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता समाप्त कराने और जीवन भर चुनाव लड़ने से रोकेगी? ऐसे ही क्या प्रियंका गाधी वाड्रा की भी सदस्यता खत्म कराने की पहल होगी? भाजपा की ओर से पहले राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव लाने की चर्चा थी लेकिन उसको पता है कि उसमें पार्टी को शामिल होना होगा। यह भी सवाल था कि अगर सरकार के नीतिगत फैसलों की आलोचना के लिए विपक्ष के किसी सदस्य के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव लाया जाने लगे तो फिर यह बात बहुत दूर तक चली जाएगी। तभी पार्टी के एक सांसद निशिकांत दुबे की ओर से सबस्टेंसिव मोशन पेश कराया गया।

ध्यान रहे पहले सबस्टेंसिव मोशन पर यूपीए की पहली सरकार ने कई सांसदों की सदस्यता समाप्त की थी। उनके ऊपर पैसे लेकर सवाल पूछने के आरोप लगे थे। बाद में कमीशन लेकर एमपी फंड बेचने के आरोप में भी इस तरह का प्रस्ताव लाया गया। लेकिन राहुल गांधी का मामला अलग है। राहुल एक तो नेता विपक्ष हैं और दूसरे देश की मुख्य विपक्षी पार्टी के सर्वोच्च नेता हैं। उनके ऊपर जिस तरह के आरोप लगाए गए हैं उनका कोई बहुत मजबूत आधार नहीं है। फोर्ड फाउंडेशन से संबंध या जॉर्ज सोरोस के साथ संबंध रखना सदस्यता खत्म करने का आधार नहीं हो सकता। तभी ऐसा लग रहा है कि भाजपा सांसद की ओर से पेश किया गया प्रस्ताव का इस्तेमाल राहुल को डराने और दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर है। राइट विंग इकोसिस्टम के लोग यह भी कह रहे हैं कि अगर राहुल की सदस्यता चली जाती है तो प्रियंका गांधी वाड्रा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बन जाएंगी। अगर ऐसा होगा तो पार्टी के अंदर पावर सेंटर बदल जाएगा। यानी इस तरह से राहुल से पीछा छूटने की भाजपा के नेता उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि ऐसा होने की संभावना बिल्कुल नहीं है। वैसे भाजपा नेताओं का एक समूह प्रियंका के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग कर रहा है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा है कि कांग्रेस और विपक्ष के कई सांसद स्पीकर के चौंबर में चले गए थे। उन्होंने वहां गाली गलौज की। यह भी कहा गया कि विपक्षी सांसदों ने प्रधानमंत्री के खिलाफ अपशब्द कहे। दावा किया जा रहा है कि प्रियंका गांधी वाड्रा ने इसकी साजिश रची थी और उनके उकसाने पर ये सांसद स्पीकर के कक्ष में गए थे। इस आधार पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की बात है।

परंतु क्या भाजपा सचमुच ऐसा कर पाएगी? यदि ऐसा किया तो राजनीति पर उसका क्या असर होगा? ध्यान रहे पिछली लोकसभा के कार्यकाल में सूरत में मानहानि के एक मामले में राहुल गांधी को दो साल की सजा हुई थी। लोकसभा सचिवालय ने तत्काल उनकी सदस्यता रद्द कर दी थी। उनका तुगलक लेन का बंगला खाली करने को कहा गया। राहुल ने तत्काल बंगला खाली किया। बाद में ऊपरी अदालत ने सजा पर रोक लगा दी तो राहुल की सदस्यता भी बहाल हुई।

बच्चों को सोशल मीडिया के असर से बचाने की जरूरत

अजीत द्विवेदी

देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का सम्मेलन चल रहा है। एआई के आर्थिक, सामरिक इस्तेमाल और उसके असर की व्याख्या हो रही है। दुनिया भर के विशेषज्ञ दिल्ली में हैं। और इसके समानांतर इस बात की भी चर्चा हो रही है कि बच्चों और किशोरों को सोशल मीडिया के इस्तेमाल से कैसे बचाया जाए। जब से ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी है और सभी सोशल मीडिया कंपनियों को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि किसी भी बच्चे का अकाउंट उनके प्लेटफॉर्म पर नहीं होना चाहिए तब से भारत और दुनिया भर के देशों में इस तरह की चर्चा शुरू हो गई है। भारत में आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से इसकी पहल हो रही है कि 15 साल तक की उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से कैसे दूर रखा जाए। हो सकता है कि ऑस्ट्रेलिया के टेम्पलेट का इस्तेमाल करके यहां भी पाबंदी लगाई जाए।

इसके साथ ही इस प्रतिबंध के असर को लेकर भी बहस छिड़ गई है। यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या सोशल मीडिया पर पाबंदी बच्चों को इसके असर से बचाने का रामबाण उपाय है? इसके पक्ष और विपक्ष दोनों में तर्क दिए जा रहे हैं। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि पाबंदी का समर्थन और विरोध करने वाले दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि बच्चों को सोशल मीडिया के असर से बचाने की जरुरत है। बचाने के तरीके को लेकर जरूर मतभेद हैं। अमेरिका और यूरोप में कुछ दिन पहले हुए सर्वेक्षणों से पता चला कि इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि जेन जेड यानी 1997 से 2013 के बीच जन्मे बच्चे अपने से पहले वाली पीढ़ी यानी मिलेनियल्स के मुकाबले कम बुद्धिमान हैं। यह पहली बार है, जब कोई पीढ़ी अपने से पिछली पीढ़ी से कम बुद्धिमान हैं और इसका मुख्य कारण स्मार्ट फोन या दूसरे स्मार्ट गैजेट्स और सोशल मीडिया है। टेलीविजन को भी इडियट बॉक्स कहते थे लेकिन उसने बच्चों के सोचने, समझने की क्षमता को उतना प्रभावित नहीं किया, जितना इंटरनेट से कनेक्टेड गैजेट्स और सोशल मीडिया ने किया है।

सोचें, इस समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम बुद्धि की वजह से दुनिया संज्ञानात्मक क्रांति (कॉग्निटिव रिवोल्यूशन) के मध्य में है और दूसरी ओर संचार क्रांति ने एक पूरी पीढ़ी की बुद्धिमता छीन ली है! क्या कृत्रिम बुद्धिमता के फलने फूलने के लिए जरूरी है कि प्राकृतिक बुद्धिमता का क्षरण हो? बहरहाल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सिर्फ बच्चों और किशोरों की संज्ञानात्मक क्षमता को प्रभावित नहीं कर रहे हैं, बल्कि उनकी सामाजिकता और मानसिक व शारीरिक क्षमता को भी प्रभावित कर रहे हैं। बच्चे और किशोर निराशा और अवसाद का शिकार हो रहे हैं। उनके अंदर कुंठा बढ़ रही है और सामाजिकता कम होती जा रही है। वे अपनी एक दुनिया रचने लगे हैं और कई बार यह उनके लिए जानलेवा साबित हो रहा है। पिछले ही दिनों दिल्ली से सटे गाजियाबाद में तीन बहनों के आत्महत्या करने की खबर आई थी। उनको सोशल मीडिया की ऐसी लत लगी थी कि वे अपनी वास्तविक दुनिया से बेखबर हो गईं थीं और एक आभासी दुनिया में रहने लगी थीं, जिसकी परिणति तोनों की मृत्यु में हुई। लेकिन क्या इस तरह की घटनाओं को रोकने और बच्चों व किशोरों को स्क्रीन एडिक्शन यानी फोन व सोशल मीडिया की लत से बचाने का एकमात्र तरीका यह है कि सोशल मीडिया पर पाबंदी लगा दी जाए? ध्यान रहे कोई भी पाबंदी बहुत खराब आर्थिक नीति मानी जाती है लेकिन यह सिर्फ आर्थिक नीति का मामला नहीं है, बल्कि इसके दूसरे पक्ष भी हैं। उन सबको ध्यान में रख कर ही कोई भी प्रयास किया जाना चाहिए। इसमें भेड़चाल के लिए कोई जगह नहीं है। ऑस्ट्रेलिया ने पाबंदी लगा दी और स्पेन के प्रधानमंत्री ने भी टिकटॉक से लेकर, यूट्यूब, स्नैपचौट, फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बच्चों के लिए पाबंदी लगाने की योजना का ऐलान किया है। इसकी देखादेखी कुछ और देश ऐसा करेंगे और भारत में भी इसकी मांग होगी और लोकप्रिय भावना को संतुष्ट करने के लिए हो सकता है कि कुछ कदम उठा भी लिए जाएं लेकिन उससे कोई समाधान नहीं होगा।सबसे पहले तो यह समझने की जरुरत है कि बच्चों

और किशोरों में स्क्रीन की जो लत लगी है वह टेक्नोलॉजी या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की समस्या नहीं है। यह एक सामाजिक व पारिवारिक समस्या है, जिसमें तकनीक को विलेन बनाया जा रहा है। इसके समाधान के लिए सबसे पहले यह सवाल पूछने की जरुरत है कि स्क्रीन का एडिक्शन पहले किसको हुआ? सोशल मीडिया की लत पहले किसको लगी? क्या ऐसा नहीं कि परिवार के बड़े, बुजुर्ग पहले इस लत का शिकार हुए और फिर बच्चों की बारी आई? क्या यह सही नहीं है कि कोरोना महामारी के बाद की स्थितियों ने भी इस परिघटना को जन्म दिया? क्या पढ़ाई, लिखाई में स्मार्ट फोन या स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल को इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है? जाहिर है यह एक संश्लिष्ट समस्या है, जिसका समाधान पाबंदी के एक कामचलाऊ तरीके से निकालने की कोशिश हो रही है। अगर इसकी बहुआयामी जटिलता को समझते हुए समाधान निकालने का प्रयास नहीं हुआ तो पाबंदी लगाने से कुछ नहीं होगा।वैसे भी किसी भी चीज पर पाबंदी कभी भी कामयाब नहीं होती है, बल्कि उससे समस्या उलझती जाती है और साथ ही नई समस्याएं भी पैदा होती हैं। वैसे भी बच्चों या किशोरों को सोशल मीडिया के इस्तेमाल से रोकना एक मुश्किल काम होगा। भारत जैसे देश में यह और भी मुश्किल होगा। पहले तो सोशल मीडिया पर अकाउंट बनाने वाले के उम्र और पहचान का वेरिफिकेशन बहुत मुश्किल होगा। अगर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सरकारी दस्तावेज जमा कराए जाते हैं तो प्राइवेसी कंप्रोमाइज्ड होने से लेकर पहचान के दुरुपयोग का खतरा अलग पैदा होगा।इस तरह की पाबंदियों से बच्चों और किशोरों को, जो तकनीकी रूप से ज्यादा सक्षम और जानकार हैं, डार्क वेब या दूसरे गोपनीय तरीके आजमाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा, जिसके एक नया खतरा पैदा हो सकता है। इसी तरह कई बार सोशल मीडिया बच्चों व किशोरों को तनाव से निकलने का रास्ता भी देता है। वे अपने हमउम्र बच्चों से इससे जुड़े होते हैं, जिनसे उनको भावनात्मक संबल मिलता है। कई जानकार यह भी मानते हैं कि महिलाओं के सशक्तिकरण में इस तकनीक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की एक भूमिका रही है। इन पर पाबंदी महिलाओं को, खास कर युवा महिलाओं को निगेटिव तरीके से प्रभावित करेगी। ध्यान रहे भारत में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं का इंटरनेट एक्सेस बहुत कम है।

तभी सवाल है कि अगर पाबंदी कोई समाधान नहीं है तो क्या किया जाए? सबसे पहले तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को न्यूनतम जांच सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया जाए। इसके बाद उनके कंटेंट को लेकर भी उनको जिम्मेदार ठहराया जाए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को सुनिश्चित करना होगा कि किस किस्म का कंटेंट कौन एक्सेस करेगा। इसके बाद अश्लील और हिंसक कंटेंट को पूरी तरह से रोकने का नियम बनाने की जरुरत है। भारत में गेमिंग को रेगुलेट करने के नियम आए हैं। एडिक्ट करने वाले गेम और अश्लील कंटेंट को रोकने के सख्त नियम बनाए जाएं और उनको लागू कराया जाए।

पैरेंटल कंट्रोल को आसान बनाया जाए ताकि कम पढ़े लिखे लोग भी अपने घर के स्मार्ट गैजेट्स में इसका इस्तेमाल करके यह तय कर सकें कि उनके बच्चे क्या कंटेंट देख सकते हैं। इसके बाद स्कूल, कॉलेज, कोचिंग आदि में स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल को न्यूनतम किया जाए। मिसाल के तौर पर एक छोटी पहल यह हो सकती है कि बच्चे स्कूल जाते हैं तो होमवर्क और दूसरा कोई भी निर्देश उनको स्कूल में ही दिया जाए, जैसा पहले होता था।

आसमान, जमीन, पहाड़ और रेगिस्तान... हर ओर भारत की सैन्य तैयारी चरम पर, क्या होने वाला है?

तकनीक से लैस कमान तंत्र, सटीक लंबी दूरी की मारक क्षमता, विशेष बलों की घातक दक्षता और आसमान पर पूर्ण नियंत्रण की तैयारी, इस बात का ऐलान है कि भारत अब हर चुनौती को जड़ से उखाड़ फेंकने की क्षमता रखता है।वर्तमान वैश्विक चुनौतियों, बदलते भू—राजनीतिक समीकरणों और सीमाओं पर मंडराते खतरों को देखते हुए भारतीय सशस्त्र बल पूरी तरह सजग और सक्रिय हैं। देश के अलग—अलग हिस्सों में इस समय व्यापक सैन्य अभ्यासों की शृंखला चल रही है, जहां हमारी थल सेना, वायु सेना और विशेष बल न केवल स्वयं को परख रहे हैं बल्कि मित्र देशों के साथ संयुक्त अभ्यास कर अपनी संयुक्त मारक क्षमता को कई गुना बढ़ा रहे हैं। मरुस्थल से पर्वत तक, शहरी युद्ध से लेकर उच्च तकनीक आधारित नेटवर्क केंद्रित अभियान तक, हर मोर्चे पर भारतीय सेनाएं अपने कौशल को धार दे रही हैं और दुश्मन के दिल में भय की लकीर खींच रही हैं। देखा जाये तो मोदी सरकार ने रक्षा बलों को जिस निर्णायक और सक्रिय भूमिका में रखा है, उससे स्पष्ट है कि अब भारत केवल प्रतिक्रिया नहीं देता, बल्कि रणनीति गढ़ता है और पहल अपने हाथ में रखता है। आधुनिक हथियार, स्वदेशी तकनीक, तीव्र निर्णय क्षमता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के इस संगम ने दुश्मनों को हतप्रभ कर दिया है और यह संदेश दे दिया है कि भारत की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने की कीमत बेहद भारी होगी।देश में इस समय चल रहे विभिन्न सैन्य अभ्यासों की बात करें तो आपको बता दें कि वायु शक्ति अभ्यास ने दुश्मनों को पूरी तरह दहला दिया है। राजस्थान के जैसलमेर स्थित पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में भारतीय वायु सेना ने वायु शक्ति का फुल ड्रेस अभ्यास कर आसमान को युद्धभूमि में बदल दिया। सुखोई 30 एमकेआई ने दुश्मन के रनवे और ठिकानों को सटीक वार से ध्वस्त करने का अभ्यास किया, मिग—29 ने टैंकों के काफिले को नेस्तनाबूद करने की क्षमता दिखाई और आकाश मिसाइल प्रणाली ने आसमान में लक्ष्य भेद कर यह संदेश दिया कि भारत की ढाल और तलवार दोनों सजग हैं। सी—130 और सी—295 ने कठिन परिस्थितियों में लैंडिंग कर त्वरित तैनाती की ताकत दिखाई। प्रचंड और अपाचे हेलीकॉप्टरों की गर्जना के बीच गरुड़ कमांडो हेलीकॉप्टर से उतरे, इमारतों में घुसे, आतंकियों को ढेर किया और बंधकों को सुरक्षित बाहर निकाला। रात के अंधेरे में रनवे पर उतरता सी—130 मानो यह घोषणा कर रहा था कि भारतीय वायु सेना दिन हो या रात, हर घड़ी प्रहार के लिए तैयार है। इसके बाद ड्रोन शो ने भारत का मानचित्र रचा और ऑपरेशन सिंदूर की झलक दिखाकर यह स्पष्ट कर दिया कि तकनीक और साहस का यह संगम दुश्मन की हर साजिश पर भारी है।

आज का राशिफल

मेष राशि—
आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके मकान, प्लॉट, दुकान को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। संतान को अच्छी नौकरी मिलने से माता—पिता काफी खुश नजर आएंग

वृष राशि—
आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगे।

मिथुन राशि—
कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। पारिवारिक मामलों में आज आपको शांत मन से सोचने की जरूरत है, परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे।

कर्क राशि—
आज का दिन जीवन में एक नई दिशा लेकर आएगा। आज आप अपना ध्यान किसी रचनात्मक कार्य में लगायेंगे, जिससे आपका अनुभव और अधिक बढ़ेगा।

सिंह राशि—
आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव साराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है, इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है,

कन्या राशि—
आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज व्यापार की गति थोड़ी धीमी होने से उलझन होगी, लेकिन बाद में अच्छा लाभ मिलने से उनकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा।

तुला राशि—
आज का दिन आपके लिए ठीक—ठाक रहने वाला है। आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। पैसों का उपयोग सही तरीके से करेंगे। जीवन में संतुलन बनाए

वृश्चिक राशि—
आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। लोगों की नजरों में आपकी पॉजिटिव इमेज बनेगी। एक साथ कई काम हाथ लगने से आपको समझ नहीं आएगा

धनु राशि—
आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज का दिन तरक्की के नए नये मार्ग खोलेगा।

मकर राशि—
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप अपने व्यापार को आगें बढाने के लिए कुछ ऐसी योजनाएं बनाएंगे,

कुभ राशि—
आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। जो लोग बैंक में कार्य करते है वह आज अपना काम बहुत जल्द निपटा लेंगे।

मीन राशि—
आज का दिन ठीक—ठाक रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है। जिसके लिये आपको ओवर टाईम करना पड़ेगा। रुपए—पैसों के मामले में लापरवाही नहीं करेंगे तो नुकसान से बच जायेंगे।

पुलिस कर रही शान्तिभंग की आशंका की धारा का दुरूपयोग

बिना जांच किए और गवाह से पूछे डाल रही नाम।

परसपुर (गोण्डा) । पूर्व थानाध्यक्ष अनुज त्रिपाठी जमीनी विवाद में एक पक्षीय कार्रवाई के चलते लाइन हाजिर तो हो गये परन्तु थाने में तैनात पुलिसकर्मियों की कार्यशैली में कोई सुधार होगा या नहीं, ये तो आने वाला समय ही बताएगा। जनपद में शान्ति भंग की आशंका की धारा का लगातार दुरुपयोग हो रहा है। इसके अन्तर्गत कभी घटना स्थल से 75 किमी दूर व्यक्ति का नाम और कभी सरकारी काम व्यस्त घटना स्थल से दूर सरकारी व्यक्ति का नाम डाल दिया जाता है। कभी कभी तो दिव्यांश फालिस रोगी से भी पुलिस को शान्ति भंग की आशंका होने लगती है। अभी गत 20 दिसम्बर 2025 को परसपुर थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत डेहरास के गांव गदापुरवा में कुछ दबंग पत्रकार रमेश चन्द्र पाण्डेय के परिवार का रास्ता बंद करने की नियत से रास्ते में पिलर गाड़ने लगे। उस समय रमेश चन्द्र पाण्डेय उतरौला मार्ग पर उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बस संख्या यूपी 78 केटी 6904 में यात्रा कर रहे थे। पत्रकार की माता द्वारा फोन पर सूचना मिलने पर रमेश चन्द्र पाण्डेय ने डायल 100 को उतरौला से फोन किया। इस दौरान दबंग लाठी भाला लिए हुए थे और गाली तथा जान से मारने की धमकी भी पत्रकार के माता एवं अनुज वधू को दे रहे थे। मौके की गम्भीरता को देखते हुए पत्रकार को उनके मित्र बसंत गुप्ता ने उतरौला से तुरंत नहीं आने दिया और शाम को 4–50 पर उतरौला से गोण्डा के लिए रोडवेज बस संख्या यूपी 47 टी 2653 से वापस गोण्डा के लिए रवाना हुए। घटना स्थल से 75 किमी दूर रहने पर भी परसपुर पुलिस के आरक्षी आनन्द सिंह ने शान्ति भंग की आशंका में पत्रकार रमेश चन्द्र पाण्डेय का नाम डाल दिया। जबकि पत्रकार द्वारा 20 दिसम्बर को तत्कालीन थानाध्यक्ष अनुज त्रिपाठी क्षेत्राधिकारी करनैलगंज एवं डायल 100 से अपने मोबाइल नंबर 9919225876 से बात की गई और अपने घर पर बात की गई। घर के नंबर पर डायल 100 के पुलिस से भी बात की गई। पत्रकार द्वारा की गई यात्रा में उसका कार्ड संख्या जीडी 28 और मोबाइल नंबर भी कंडक्टर के चालान में दर्ज है। रमेश चन्द्र पाण्डेय उर्फ आर सी पाण्डेय पूरे वर्ष में कहीं 1 सप्ताह गाव पर रात्रि विश्राम करते हैं। वे मुख्यालय पर विष्णुपुरी कालोनी में स्थाई रूप से रहते हैं। फिर भी आरक्षी आनन्द सिंह ने 126ध्135 की कार्रवाई करते समय बिना जांच के दबंगों के दबाव अथवा लगाव के चलते उनका भी नाम डाल दिया। जबकि 21–12–2025 को थाने पर पत्रकार द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई मात्र आश्वासन मिलता रहा और जमीनी मामला बताकर पल्ला झाड़ लिया गया। जबकि रमेश चन्द्र पाण्डेय द्वारा प्रार्थना पत्र में दबंगों द्वारा हाथ में भाला लिए हुए फोटो भी संलग्न किया था। पुलिस गाली गलौज जान से मारने की धमकी की बात भले ही दबाव अथवा लगाव के चलते झुठ बता सकती परन्तु क्या भाला लेकर चलना भी अपराध नहीं है। क्या भाला प्रतिबंधित अस्त्र नहीं है। दूसरी बात जब दबंग पिलर गाड रहे थे तो क्या कोई राजस्व विभाग का कर्मचारी साथ था और यदि नहीं तो फिर क्या डायल 100 के बताने से ये काम वैध हो जायेगा कि वे अपने खेत में पिलर गाड रहे हैं। इसी तरह छपिया थाना अंतर्गत ग्राम पिपरा खुर्द में पुलिस ने दो पक्षों के बीच जमीनी विवाद में ठाकुर प्रसाद मिश्रा राधिका प्रसाद मिश्रा और शैलेन्द्र मोहन मिश्रा का नाम शान्ति भंग में डाल दिया जबकि उस जमीन अथवा मामले से इन लोगों का कोई लेना–देना नहीं था। शैलेन्द्र लेखपाल है और मामले के दौरान वे क्षेत्र में ड्यूटी पर थे। वे जब साक्ष्य लेकिन एसडीएम से मिले तो एसडीएम ने उन्हें राहत देते हुए जमानत न कराने को कहा। दबंगों का बिना राजस्व कर्मी के कब्जा करना, भाला लेकर भय का माहौल पैदा करना क्या वैध है। इन सवालों के जवाब अभी तक अनुत्तरित हैं। अब पत्रकार के मोबाइल का लोकेशन निकलवा कर उसके द्वारा बताए हुए बस नंबर के कंडक्टर के चालान और उससे पूछ कर ये स्पष्ट हो जायेगा कि घटना के समय अथवा उस दिन वे गांव पर थे अथवा नहीं, और यदि अनुपस्थित रहने पर भी उनका नाम शान्ति भंग में डाला गया तो आरक्षी आनन्द सिंह पर उचित कार्रवाई होनी चाहिए। प्रकरण पर आरक्षी आनन्द सिंह से बात करने पर उन्होंने कहा कि घटना के समय रहे होंगे तभी नाम डाला गया।

वांछित अभियुक्तको पुलिस ने किया गिरफ्तार भेजा न्यायालय

अलावल देवरिया (गोण्डा) । पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल, अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी सदर के निर्देशन में जनपद में चलाए जा रहे अभियान वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से थाना प्रभारी निरीक्षक मोतीगंज अरविंद यादव के नेतृत्व में मु0अ0सं0 234ध्2025 धारा 137(2)ध्87ध्64(2) बीएनएस व 5(र)(2)ध्6 पोक्सो एक्ट थाना मोतीगंज जनपद गोण्डा से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अमर शर्मा पुत्र जयप्रकाश शर्मा निवासी ग्राम नदई पुरवा बमडेरा थाना कटरा बाजार जनपद गोण्डा को गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना किया गया। गिरफ्तार कर्ता टीम में उ0नि0 तेजनरायन गुप्ता चौकी प्रभारी कहोबा, हे0का0 मनीराम निषाद, का0 रमेश कुमार यादव, का0 सचिन कुमार शामिल रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाईक सवार गम्भीर रूप से घायल

अलावल देवरिया (गोण्डा) अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल। सूचना पर पहुंची पुलिस इलाज के लिए भेजवाया अस्पताल। पुलिस चौकी सालपुर चौकी प्रभारी सौरभ सिंह ने बताया कि गोंडा–उतरौला मार्ग पर सालपुर बाजार के निकट बाइक सवार रोहित कुमार पुत्र बजरंगी निवासी गरीबी पुरवा बुध देव बड़के गांव का रहने वाला बग्गी रोड से गोंडा की तरफ जा रहा था और पीछे से किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया जिससे बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

एंटी रोमियो टीम ने थाना क्षेत्र में भ्रमण के दौरान चौपाल लगाकर महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

अलावल देवरिया (गोण्डा) पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को क्षेत्राधिकारी सदर शिल्पा वर्मा एवं थाना प्रभारी निरीक्षक मोतीगंज अरविन्द यादव के नेतृत्व में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत एंटी रोमियो स्क्वाड को सुदृढ़ बनाने के लिए के महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थाना क्षेत्र के ग्राम मोतीगंज गढी,मोतीगंज बाजार में भ्रमण कर व चौपाल लगा कर महिलाओं को शासन '' द्वारा चलाए जा रहे हेल्पलाइन नंबर्स के बारे में जानकारी दी गई व किसी बहू बेटी पर घरेलू हिंसा तो नहीं हो रही ,उसके बारे में जानकारी लेने का प्रयास किया गया, महिलाओं से अपील की गई कि जो पीड़ित महिलाएं हैं उन तक हेल्पलाइन नंबर की जानकारी अवश्य पहुंचाएं महिलाओं द्वारा कुशलता व्यक्त की गई। स्कूल की बालिकाओं से ऐसे स्थान (चौराहा, नुक्कड, गली, बाजार, बसध्बस स्टैंड एंव वह समय जहाँ पर आपको एण्टी रमियो स्क्वाड्ध्पिंक की सक्रियता की आवश्यकता ज्यादा महसूस होती है। महिलाओं व बालिकाओं को मिशन शक्ति जागरूकता अभियान के तहत आत्मनिर्भर सशक्त समाज में समान अधिकार दिलाने हेतु जागरूक किया गया मिशन शक्ति फेज 5.0 एंटीरोमियो कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर आने–जाने वाली महिलाओं को जागरूक किया गया। कानून की जानकारी देते हुए एंटीरोमियो स्क्वाड के तहत लाल कार्ड देने के सम्बंध में बालिका व महिलाओं को जागरूक किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त किए गए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर– 112पुलिस आपातकालीन सेवा,1090 वीमेन पावर हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन,108 एंबुलेंस सेवा 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन,1098 चाइल्ड हेल्पलाइन,102 स्वास्थ्य सेवा आदि के बारे में भी जानकारी दी गई व जागरूक किया गया।

9 लाख का स्टीमेट, 1 लाख में लाइन शिफ्टिंग! नवाबगंज में बिजली विभाग पर उठे सवाल

नवाबगंज (गोण्डा) 24 फरवरी। बिजली विभाग में कथित अनियमितता का एक मामला सामने आने के बाद विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। नवाबगंज फीडर क्षेत्र के तुलसीपुर माझा स्थित चर्चित रिंग रोड पर बिजली खंभों की लाइन शिफ्टिंग को लेकर बड़ा खेल उजागर होने की चर्चा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एक कर्मचारी द्वारा करीब 9 लाख रुपये का स्टीमेट बनवाया गया, जबकि कार्य कथित रूप से लगभग 1 लाख रुपये में ही करा लिया गया। मामले की भनक विभागीय कर्मचारियों को तब लगी जब लाइन शिफ्टिंग को लेकर आंतरिक स्तर पर कानाफूसी शुरू हुई। आरोप है कि इस पूरी प्रक्रिया में विभागीय स्तर पर पारदर्शिता नहीं बरती गई। सूत्रों के मुताबिक, स्टीमेट पास होने के बाद शॉर्टकट तरीके से कार्य कराए जाने की चर्चा है। यहां तक कि संबंधित जेई को भी प्रारंभिक स्तर पर इसकी जानकारी नहीं होने की बात कही जा रही है। इसी बीच स्थानीय लोगों ने लाइन शिफ्टिंग से जुड़ी फोटो व वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी, जिससे मामला तूल पकड़ गया। मामला सार्वजनिक होने के बाद विभागीय अधिकारियों में हलचल मच गई। विभाग की छवि बचाने के लिए जांच बैठाई गई है और संबंधित कर्मचारी को दो दिन का समय देकर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

इस संबंध में जब बिजली विभाग के एसडीओ पीयूष से मोबाइल पर बात की गई तो उन्होंने बताया कि मामले की जानकारी उन्हें है। संबंधित कर्मचारी को दो दिन का समय देकर सही जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं। संतोषजनक जवाब न मिलने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच के बाद विभाग क्या कार्रवाई करता है।

साइकिल से गिरकर घायल हुई छात्रा की इलाज के दौरान प्रयागराज ले समय रास्ते में हुई मौत

हलिया, मीरजापुर (आरएनएस)। स्थानीय थाना क्षेत्र के सोनगढ़ा गांव में शनिवार को स्कूल से घर वापस लौटते कक्षा 3 की छात्रा साइकिल से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आए जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया। मृतक छात्रा के पिता कमलेश कुमार केशरी के अनुसार 10 वर्षीया बेटी अर्पिता सोनगढ़ा के एक स्कूल में कक्षा 3 की छात्रा थी। शनिवार को स्कूल से घर वापस लौट रही थी कि सोनगढ़ा गांव के चौराहे पर साइकिल से गिरकर गंभीर रूप घायल हो गई थी। उपचार हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया ले आए। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया के चिकित्सक अवधेश कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। सोमवार को उपचार के लिए प्रयागराज ले जा रहे थे कि देर रात रास्ते में ही मौत हो गई। अर्पिता तीन बहनों में सबसे बड़ी थी। मौत की सूचना मिलते ही कोहराम मच गया। माता रानी देवी का रो–रो कर बुरा हाल है।

भागवत कथा के पांचवें दिन कथा वाचक ने बाल लीला, पूतना उद्धार, कालिया नाग मर्दन की सुनाई कथा

लालगंज, मीरजापुर (आरएनएस)। स्थानीय विकासखंड क्षेत्र के गंगहरा कलां गांव में चल रही संगीत मयी श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन मंगलवार को कथा वाचक आचार्य पंडित नारायण प्रसाद चौबे ने भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं, पूतना उद्धार और कालिया नाग मर्दन का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि कैसे नन्हे श्री कृष्ण ने पूतना का बधकर उसे मोक्ष दिया और यमुना में कालिया नाग के अहंकार को नष्ट किया। कथा के दौरान भजनों ने माहौल को भक्ति मय और भाव विभोर बना दिया। आचार्य पंडित नारायण प्रसाद चौबे ने माखन चोरी, यशोदा मां के साथ बालपन की शरारतें और मिट्टी खाने का प्रसंग सुनाए जिससे पूरा पंडाल जय श्री कृष्णा के उद्घोष से गूंज उठा। कथा में कथा वाचक ने कहा कि कंस द्वारा भेजी गई राक्षसी पूतना जब विष मिला दूध श्री कृष्ण को पिलाने आई तो भगवान ने बाल रूप में उसका बधकर उसे मोक्ष प्रदान किया। जो प्रभु की करुणा का संदेश देती है। कथा में कथा वाचक ने आगे बताया कि यमुना नदी को विषैला करने वाले कालिया नाग का मर्दन कर भगवान श्री कृष्ण ने ब्रजवासियों को भय मुक्त किया और कालिया नाग को यमुना छोड़कर जाने पर विवश कर दिया। बताया कि बाल लीलाएं जीवन में प्रेम और निश्चलता का संदेश देती है। जबकि कालिया नाग मर्दन काम क्रोध और अहंकार पर विजय पाने का प्रतीक है। इस दौरान मुख्य यजमान पंडित रामनरेश दुबे पत्नी श्रीमती चंद्रकांता देवी, आयोजक कृष्ण मुरारी दुबे, नीरज दुबे के अलावा शिवपूजन दुबे, शालिग्राम दुबे, गेंदा प्रसाद दुबे, राम आज्ञा दुबे, राम जी दुबे, आलोक कुमार दुबे, प्रवीण कुमार दुबे के अलावा भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

अंतर्राज्यीय शातिर चोर गैंग के चार को किया गिरफ्तार, 4 ट्रैक्टर 3 ट्रॉली व 1 बाइक बरामद

मीरजापुर (आरएनएस)। जिले के अदलहाट थाना थाना पुलिस को सोमवार को सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने तथा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान व वाहनों की चोरी एवं बिक्री करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी, बरामदगी करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं।उक्त निर्देश के अनुक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में थाना अदलहाट पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना अदलहाट पुलिस टीम को मुखबिर के सूचना के आधार पर अदलहाट क्षेत्र के विशेषरपुर माफी हाइवे से चोरी के ट्रैक्टर मय ट्राली के साथ 4 अभियुक्तों रिषू तिवारी पुत्र रमाकान्त तिवारी निवासी भदौली थाना कुदरा जिला कैमूर बिहार, रविशंकर तिवारी उर्फ मंटू पुत्र लाली तिवारी निवासी अमरपुरा थाना मोहनिया, जिला कैमूर भभूआ बिहार, आशीष कुमार तिवारी उर्फ गोलू पुत्र धनजी तिवारी निवासी अमरपुरा थाना मोहनिया जिला कैमूर भभूआ बिहार व आदित्य पाण्डेय उर्फ पप्पू पाण्डेय पुत्र जय प्रकाश पाण्डेय निवासी करजी थाना जमालपुर जिला मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया बरामद की गई ट्राली में ईट लदी हुई थी व ट्राली के उपर रखी एक मोटर साइकिल भी बरामद की गयी। जिनकी निशादेही पर थाना अदलहाट क्षेत्र के ग्राम बरईपुर गंगा नदी के किनारे छिपाकर रखें हुए 03 चोरी के ट्रैक्टर को भी थाना अदलहाट पुलिस द्वारा बरामद किया गया। गिरफ्तार चोरों ने पूछताछ में बताया गया कि उन लोगों द्वारा मीरजापुर व आसपास के अन्य जनपदों तथा बिहार के अलग–अलग स्थानों से ट्रैक्टर ट्राली की चोरी करते है। चोरी किये ट्रैक्टर व ट्राली को दाउद नगर, जनपद औरंगाबाद के एक कबाड़ी को बेच देते है, जो इन ट्रैक्टर–ट्रालियों को कटवाकर कबाड़ में बेचकर धन प्राप्त कर लेते है। इस प्रकार प्राप्त धन को आपस में बाट लेते है तथा भौतिक सुख–सुविधाओं का लाभ उठाते है।

गाली व मारने-पीटने के अपराध में 2 अभियुक्तों को न्यायालय उठने तक की अवधि के कारावास का दण्ड

श्रावस्ती । पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशन में संचालित 'ऑपरेशन कनविक्शन' अभियान के अंतर्गत गंभीर अपराधों में दोषियों को दंडित कर न्यायालय से सजा दिलाने हेतु निरंतर प्रभावी पैरवी की जा रही है। इसी क्रम में 'पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी' द्वारा जनपद में लंबित मामलों की निजी रूप से मॉनिटरिंग करते हुए 'अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम' व संबंधित अधिकारियों को प्रभावी पैरवी हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए गए थे। उक्त निर्देशों के अनुपालन में 'थाना को0 भिनगा' पर पंजी.त 'मु0अ0सं0 237/2018 धारा 323,504 भा०द०वि०' के अंतर्गत अभियुक्त '1. रामनारायण उर्फ भूरे पुत्र भगौती 2. हरिशंकर उर्फ चन्ने पुत्र रामनारायण निवासीगण टड़वा बनकटवा को0 भिनगा जनपद श्रावस्ती' के विरुद्ध प्रभावी पैरवी की गई। अभियुक्तगण द्वारा 'अपमानित करने के आशय से वादी के साथ मार–पीट करने व गाली गलौज करने' का अपराध सिद्ध हुआ। इस प्रकरण में दिनांक 21.02.2026 को न्यायालय ब्श्रड जनपद श्रावस्ती' द्वारा अभियुक्तगण को न्यायालय उठने तक की अवधि का कारावास का दण्ड तथा प्रत्येक को 5,00 के अर्थदंड' से दंडित किया गया।

अटल वयो अभ्युदय योजना के अंतर्गत रेडक्रास ने लगायी चौपाल

श्रावस्ती। कलेक्ट्रेट के तथागत सभागार परिसर में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा बुजुर्गजनों की देखभाल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चौपाल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में ग्रामीणों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ अमरनाथ यति ने एवं संचालन रेडक्रॉस सचिव अरुण कुमार मिश्र ने किया। कार्यक्रम में आये ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ अमरनाथ यति ने बताया कि हम सभी को बुजुर्ग होना है इसलिए हम अपने लिए जो अपेक्षा अपने बच्चों से रखते हैं वही कार्य हमें अपने अभिभावकों के साथ करना चाहिए। बुजुर्गों को देखभाल की बहुत आवश्यकता होती है इसलिए उनका ध्यान प्राथमिकता के आधार पर रखना चाहिए। जिला प्रोबेशन अधिकारी मो. मुमताज ने ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा उम्र के साथ साथ जब शारीरिक शक्ति कम होती है तो परिवार के लोगों का संबल ही मनोबल को मजबूत करता है। बुजुर्ग जन समाज की धरोहर हैं, इनके आशीर्वाद और अनुभव से सभी को लाभ मिलता है, इसलिए इनके साथ सद्भाव पूर्ण व्यवहार करना चाहिए।

दिनदहाड़े हुई चोरी से लोग चकित

श्रावस्ती । थाना इकौना कस्बे में दिनदहाड़े चोरी की घटना सामने आई है। जगतजीत इंटर कॉलेज के पास स्थित एक सरिया–सीमेंट की दुकान से करीब 4 लाख रुपये चोरी हो गयी दुकानदार ने सोमवार रात को इस घटना की जानकारी दी। पीड़ित दुकानदार अभिषेक कुमार शुक्ला ने बताया कि उनकी दुकान का नाम अतुल ट्रेडर्स है। सोमवार को उन्होंने व्यापारियों को भुगतान करने के लिए 4 लाख रुपये घर से लाकर दुकान के गल्ले में रखे थे। इसी बीच, कुछ ग्राहकों को सरिया–सीमेंट दिलवाने के लिए उन्हें पास के गोदाम में जाना पड़ा।दुकानदार के गोदाम जाते ही, पहले से रेकी कर रहा एक युवक दुकान में घुस गया। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि वह बेखौफ होकर सीधे गल्ले तक पहुंचा और कुछ ही सेकंड में रुपये निकालकर एक झोले में डालकर फरार हो गया। यह पूरी वारदात इतनी तेजी से हुई कि किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। घटना की सूचना मिलने पर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पीड़ित ने इकौना थाने में तहरीर दी है और सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। लगातार बढ़ती चोरी की घटनाओं को लेकर स्थानीय व्यापारियों में आक्रोश है। पुलिस ने दावा किया है कि आरोपी को जल्द गिरतार कर इस घटना का खुलासा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत जिले के 63 जोड़ों का विवाह सम्पन्न

श्रावस्ती। जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार आज जनपद में ''मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना'' के तहत 63 जोड़ों का कलेक्ट्रेट स्थित तथागत हाल में सामूहिक विवाह सम्पन्न कराया गया। जिसका अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्र, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अमरेन्द्र कुमार वर्मा, उपजिलाधिकारी प्रवीण यादव व संजय कुमार एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी डा0 अमरनाथ यति ने द्वीप प्रज्वलित कर एवं कलश की पूजा कर शुभारम्भ किया। इस दौरान अध्यक्ष जिला पंचायत, अपर जिलाधिकारी एवं उपजिलाधिकारी ने वर–वधुओं को प्रमाण पत्र व उपहार भेंट कर उन्हें आर्शीवाद प्रदान किया। इस दौरान उपस्थित माननीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने आर्शीवाद स्वरूप हस्ताक्षर भी किये। योजनान्तर्गत आच्छादित लोगों को उनकी सामाजिक/धार्मिक मान्यता एवं परम्पराध्रीति–रिवाज के अनुसार विवाह करने की व्यवस्था कराकर समाज में सर्वधर्म–समभाव एवं सामाजिक समरसता के साथ वैवाहिक कार्यक्रम सम्पन्न कराये गये हैं।इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रदेश सरकार जन जन के उत्थान हेतु प्रतिबद्ध है। ऐसे गरीब असहाय व्यक्ति जो गरीबी के कारण अपनी बेटियों के विवाह करने में सक्षम नही है, आर्थिक बाधा के कारण दिक्कत आ रही थी, ऐसे पात्र गरीब व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी सरकार स्वयं के खर्च से कर रही है, जिससे उनके माता–पिता के ऊपर बोझ न पड़ सके है।

अपर जिलाधिकारी ने वर वधूओं को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान अपने सम्बोधन में अपर जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के ऐसे गरीब जो अपने निर्धनता के कारण बेटियों का विवाह करने में बहुत कठिनाई उठाते थे, इन्ही सब कठिनाईयों को देखते हुए सरकार ने गरीब बेटियों का विवाह अपने खर्चे पर कर रही है, जो ऐतिहासिक कदम है। यह योजना गरीबों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के तहत लाभार्थी जोड़ों को एक लाख रूपये की धनराशि प्रदान की जाती है, जिसमें 60 हजार रूपये उनके खाते में हस्तानान्तरित किया जाता है तथा 25 हजार रूपये के उपहार एवं 15 हजार रूपये खाना, टेण्ट इत्यादि में व्यय होता है।

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के तहत आज कुल 63 जोड़ों का विवाह सम्पन्न कराया जा रहा है। जिसमें विकास खण्ड इकौना के 10 जोड़े, गिलौला के 19 जोड़े, हरिहरपुररानी के 09 जोड़े, जमुनहा के 13, सिरसिया के 08, नगर पालिका परिषद भिनगा के 04 जोड़े शामिल है। इसमें अल्पसंख्यक वर्ग के 08, अन्य पिछड़ा वर्ग के 24, अनुसूचित जाति के 20, अनुसूचित जनजाति के 06 एवं सामान्य वर्ग के 05 जोड़े सम्मिलित है। उन्होने मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजना में सम्मिलित होने आये जनप्रतिनिधिगण, अधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया।

मगध एक्सप्रेस में महिला ने दिया बच्चे को जन्म

मीरजापुर (आरएनएस)। रेलवे पुलिस फोर्स टीम की दिखाई दिया दरिया दिली। मगध एक्सप्रेस में सफर कर रही महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया। प्रसव पीड़ा से कराह रही महिला को आर पी एफ पुलिस ने अस्पताल में भर्ती करवाया। वाणिज्यिक विभाग से प्राप्त सूचना पर रेलवे पुलिस में तैनात एसआई अशोक कुमार कांस्टेबल प्रदीप कुमार पाल ने महिला को तत्काल अस्पताल सहायता करते हुए अस्पताल भेजवाया। बताया गया कि आधी रात को आरपीएफ जवानों ने महिला का प्राथमिक उपचार कराकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। रेलवे पुलिस से मिली द्वारा की गई सहायता से खुश महिला और उसके पति ने आरपीएफ टीम को शुक्रिया बोला। बिहार प्रांत के नवादा जिले की निवासी महिला बताई जा रही है। पति पत्नी मगध एक्सप्रेस से इस्लामपुर से कानपुर जा रहे थे।

महिला सुरक्षा, सम्मान को सु.ढ़ करने हेतु व्यापक जनजागरूकता एवं समन्वित अभियान संचालित

श्रावस्ती । जनपद श्रावस्ती में 'पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी' के निर्देशन में महिलाओं, बालिकाओं एवं छात्र–छात्राओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने हेतु व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम निरंतर संचालित किए जा रहे हैं। जनपद के समस्त थानों में स्थापित 'मिशन शक्ति केन्द्र' महिला सुरक्षा, शिकायत निवारण, परामर्श एवं त्वरित सहायता के प्रभावी केंद्र के रूप में कार्य कर रहे हैं। महिला हेल्पडेस्क एवं शक्ति मोबाइल टीमों द्वारा प्राप्त शिकायतों पर संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। मिशन शक्ति टीमों व शक्ति मोबाइल टीमों' द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर महिलाओं व बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं उपलब्ध हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी प्रदान की जा रही है। 'शक्ति दीदी' के माध्यम से निरंतर संवाद स्थापित कर उन्हें सामाजिक एवं कानूनी रूप से जागरूक किया जा रहा है। विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान छात्र–छात्राओं को 'गुड टच बैड टच', 'ईव–टीजिंग की रोकथाम', 'महिला सुरक्षा कानून', 'सड़क सुरक्षा' एवं 'सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग' के संबंध में जानकारी दी गई। साइबर अपराधों की रोकथाम हेतु आमजन को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने, अज्ञात लिंक से सावधान रहने, व्ज्च साझा न करने तथा 'साइबर हेल्पलाइन 1930' पर त्वरित सूचना देने के संबंध में जागरूक किया गया।

पांच हजार की रिश्वत लेते कनिष्ठ सहायक रंगे हाथ गिरतार

श्रावस्ती । मुख्यालय भिनगा के विकास भवन परिसर में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया जब एंटीकरप्शन टीम ने जिला .षि अधिकारी कार्यालय में तैनात एक कनिष्ठ सहायक को 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरतार कर लिया। यह कार्रवाई निरीक्षक धनंजय कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित ट्रैप टीम द्वारा की गई। शिकायतकर्ता महेंद्र प्रताप सिंह मूल रूप से सैदपुर जनपद गाजीपुर के निवासी हैंऔर वर्तमान में जिला .षि अधिकारी कार्यालय श्रावस्ती में कनिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत हैं उन्होंने एंटी करप्शन टीम से लिखित शिकायत की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उनके वेतन भत्तों के भुगतान के एवज में सहकर्मी सुनील कुमार मौर्या द्वारा 5 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायत प्राप्त होने के बाद संगठन द्वारा प्री–ट्रैप जांच कराई गई। जांच में प्रथम .ष्टया आरोप सही पाए जाने पर ट्रैप की रणनीति तैयार की गई। मंगलवार को पूर्व निर्धारित योजना के तहत ट्रैप टीम विकास भवन परिसर पहुंची। लगभग सुबह 11:12 बजे विकास भवन स्थित चाय कैंटीन की दुकान के पास आरोपी सुनील कुमार मौर्या, पुत्र स्व. तुलसी राम मौर्य, निवासी मोहल्ला बेचूबाबा, इकौना जनपद श्रावस्ती को शिकायतकर्ता से 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया।

हाईवे पर बेकाबू ट्रक ने ननद भाभी को कुचला, दोनों की मौत

चित्रकूट। झांसी मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग के रैपुरा थाना अंतर्गत रामनगर के पास खनिज सामग्री लदे ट्रक ने सडक किनारे जा रहीं ननद भाभी को कुचल दिया। दोनों की मौत हो गई। दुर्घटना होते ही ट्रक लेकर चालक भाग निकला। सूचना मिलते ही ट्रक व चालक को पुलिस ने मऊ के पूर्व पकड लिया है। महोबा जिले के खन्ना निवासी राममनोहर प्रजापति ने बताया कि उनके पिता के निधन के बाद मंगलवार को तडके उनकी अस्थियां लेकर संगम में प्रवाहित करने के लिए चालक समेत सात परिजन किराए की आर्टिका से प्रयागराज जा रहे थे। हाईवे के रैपुरा थाना अंतर्गत रामनगर के पास कार का पिछला पहिया पंचर हो गया। ऐसे में कार को किनारे खडी कर टायर बदल रहे थे। इसी बीच कार सवार उसकी पत्नी शिवकुमारी (46) व बहन रानी देवी (40) पत्नी त्रिभुवन कार से उतरकर लघुशंका करने के लिए सडक से कुछ दूर गई थीं। जब वह दोनों एक साथ लौट रहीं थीं तभी जिला मुख्यालय की ओर से खनिज सामग्री लदे ट्रक ने दोनों को रौंद दिया। यह देखते ही अन्य परिजन दौडकर मौके पर पहुंचे और पुलिस सूचना दी। इधर ट्रक लेकर चालक भाग निकला। पुलिस ने लहूलुहान भाभी ननद को एंबुलेंस से लेकर सीएचसी पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी आशुतोष तिवारी ने बताया कि ट्रक को चालक समेत भागते समय मऊ के पहले पकड कर थाने में लाया गया है। दोनों शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद परिजन दोनों शव लेकर अंतिम संस्कार करने के लिए गांव लेकर गए।

बाल अपचारियों को अच्छे व्यक्ति बनकर रहने को दी प्रेरणा

-राजकीय सम्प्रेक्षण गृह किशोर का प्राधिकरण सचिव ने किया निरीक्षण

चित्रकूट। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश शेषमणि शुक्ला के निर्देशन में मंगलवार को प्राधिकरण सचिव इला चौधरी ने राजकीय सम्प्रेक्षण गृह किशोर का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान सामान्य ज्ञान की कक्षा चल रही थी। जिसमें समस्त बाल अपचारी शिक्षा ग्रहण करते हुये पाये गये। बाल अपचारियों को शिक्षा की तरफ अग्रेषित होने के लिये प्रेरित किया गया तथा सम्प्रेक्षण गृह से छूटने के बाद उनके द्वारा की गयी गलतियों को सुधारने एवं समाज में एक अच्छे व्यक्ति बनकर रहने के लिए प्रेरणा दी गयी। शिक्षकों को निर्देशित किया गया कि वे विशेष तकनीकि माध्यम से बाल अपचारियों को अग्रेजी भाषा पढना, लिखना एवं बोलना सिखाने के लिए विशेष प्रयास करना सुनिश्चित करें। साथ ही वहां पर शिक्षण का कार्य कर रहे अध्यापकों को प्रत्येक बाल अपचारी की हालिस्टिक डेवलपमेंट रिपोर्ट (समस्त प्रगति कार्ड) बनाने के लिये तथा बच्चों की गतिविधियों पर सूक्ष्म नजर रखने की सलाह दी गयी। बाल अपचारियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के बारे में बातचीत की गयी। निःशुल्क अधिवक्ता के सम्बन्ध में अवगत कराया गया। इस अवसर पर विदिशा भूषण प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्यायबोर्ड, बीर सिंह संस्था प्रभारी राजकीय सम्प्रेक्षण गृह, अर्चना श्रीवास्तव सदस्य, दीपक कुमार काउन्सलर आदि उपस्थित रहे।

यूजीसी के समर्थन में निकाली पद यात्रा, राष्ट्रपति को भेजा 6 सूत्रीय ज्ञापन

बस्ती। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों को लेकर लेकर स्थगन आदेश के बावजूद समर्थन और विरोध में आन्दोलनों, धरना प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। मंगलवार को बहुजन एकता मंच द्वारा यूजीसी के नए नियमों के समर्थन में राजकीय इण्टर कालेज से जिलाधिकारी कार्यालय तक पद यात्रा निकाली गई। पद यात्रा के दौरान लोग एस. सी., एस.टी., ओबीसी आवाज दो हम एक हैं भेदभाव नहीं अधिकार चाहिये, परम्परा नहीं संविधान चाहिये आदि की तख्तियां लिये हुये थे। पद यात्रा जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंची तो सी.आर. ओ. कीर्ति प्रकाश भारती के माध्यम से राष्ट्रपति को 6 सूत्रीय ज्ञापन भेजा गया। ज्ञापन में मांग किया गया है कि यूजीसी के नये नियमों को लागू किया जाय।राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में कहा गया है कि भारत के संविधान, सामाजिक न्याय, समानता एवं मानवीय गरिमा में अटूट विश्वास रखने वाले नागरिक हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा लागू किए गए नये नियमों का हम पूर्ण समर्थन करते हैं। देश की उच्च शिक्षण संस्थाओं में पिछले कई वर्षों से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक समुदाय, महिलाएं दिव्यांग विद्यार्थी के साथ जातिगत भेदभाव मानसिक उत्पीड़न शैक्षणिक बहिष्कार और सामाजिक अपमान की निरंतर घटनाएं सामने आती रही है। वर्ष 2012 में भेदभाव रोकने हेतु नियम बनाये गये किन्तु उनका प्रभावी पालन नहीं हो सका। परिणामस्वरुप 2019 से 2024 के बीच जाति–आधारित भेदभाव के मामलों में 118.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यूजीसी की रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि में 1,160 से अधिक औपचारिक शिकायतें दर्ज हुई जिनमें दलित–आदिवासी छात्रों के साथ भेदभाव सामाजिक–आर्थिक आधार पर हाशिए पर डालना और आत्मघाती प्रवृत्तियां शामिल हैं। ऐसे स्थिति में नये नियमों को बनाये रखा जाय।ज्ञापन देने के बाद सरदार सेना के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चौधरी बृजेश पटेल, भीम आर्मी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कमलेश सचान, राम प्रकाश पटेल, बुद्धि प्रकाश एडवोकेट, तिलकराम गौतम ने कहा कि यूजीसी का नया नियम समता स्थापित करने की दिशा में बढ़ा हुआ कदम था, जिसके पक्ष में भाजपा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में मजबूत पक्ष नहीं रखा है, जिसके कारण सुप्रीम कोर्ट के द्वारा स्टे लगा दिया गया। कहा कि ओबीसी, एससी, एसटी, महिला एवं दिव्यांग छात्रों के साथ सूक्ष्म स्तर पर जातिगत भेदभाव होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएचडी इंटरव्यू से लेकर विभागाध्यक्षों की नियुक्ति तक में पक्षपात की घटनाएं आम हैं। इसे रोका जाना चाहिये इसी कड़ी में महिपाल पटेल एडवोकेट, अजय आजाद, मयंक चौरसिया, विनय चौधरी, ई. चन्द्रशेखर वर्मा, शिवशंकर चौधरी शाक्य, रामलौट, चन्द्रगुप्त मौर्य, संदीप निषाद ने कहा कि जब यह ऐतिहासिक नियम प्रभावी होने वाला था, तभी सुप्रीम कोर्ट ने इस पर 'स्टे' लगा दिया। वक्ताओं ने इसे सामाजिक न्याय की राह में एक बड़ा अवरोध बताया। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग किया कि वह इस मामले में प्रभावी पैरवी करे और कोर्ट से स्टे हटवाकर इन नियमों को जल्द से जल्द सभी विश्वविद्यालयों में लागू करवाए।पद यात्रा और जुलूस में महेंद्र कुमार एडवोकेट, चांदनी चौधरी, मूलचंद आजाद, आकाश पटेल, अनिल चौधरी देवरिया माफी, अशोक बौद्ध, अभिषेक चौधरी, राजा भैया, राम शंकर निराला, संदीप गोयल एडवोकेट, प्रशांत भारती एडवोकेट, रामचेत, अभय पटेल, रंजीत आजाद, विजय चौधरी, अतर सिंह गौतम, अरविंद, राहुल, हरिप्रसाद, बसंत चौधरी, राजा बाबू, सोहन, दीपक कुमार, अशोक प्रभात, विवेक ओबेरॉय, अंकुर गौतम, सुरेंद्र, पीके गौतम, रामबहोर, राजन कुमार, चन्द्र प्रकाश गौतम, आरके आनंद, शिवराम कनौजिया, सिद्धनाथ प्रजापति, अभिषेक चौधरी, वीरू चौधरी, रवि चौधरी, कल्लू, सुनील पटेल, अभय, सत्येंद्र चौधरी, अजीत यादव, सर्वेश, अनिरुद्ध चौधरी, अंकुर पटेल, संतोष कुमार, शिव प्रताप वर्मा, डीके वर्मा, गौरीशंकर कनौजिया, अंकुर, राज नारायण, सोनू रामसेवक बौद्ध, विजय, मंगल सिंह राव, अजय कुलश्रेष्ठ, शैलेंद्र चौधरी, अरुण राज, पवन कुमार आदि शामिल रहे।

संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ के समर्थन में सपा ने किया धरना-प्रदर्शन

मिल्कीपुर–अयोध्या। समाजवादी पार्टी के आह्वान पर मंगलवार को इनायत नगर स्थित मंत्री आवास, पांच नंबर चौराहा से तहसील परिसर तक "संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ" के नारे के साथ लोकतांत्रिक धरना–प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिकों की भागीदारी रही, जिससे पूरा क्षेत्र सपा के नारों से गूंज उठा। धरना–प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने एसआईआर के नाम पर मतदाताओं के नाम सूची से काटे जाने के प्रयासों पर गहरी चिंता जताते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा प्रहार बताया। साथ ही बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा रचित संविधान की रक्षा, किसानों की जमीनों पर कथित अतिक्रमण के विरोध तथा बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण की मांग को प्रमुखता से उठाया गया। धरने को संबोधित करते हुए सांसद फैजाबाद (अयोध्या) एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अवधेश प्रसाद ने विस्तृत रूप से अपने विचार रखते हुए कहा कि संविधान केवल एक किताब नहीं, बल्कि देश की आत्मा है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर ने जिस संविधान के माध्यम से हर वर्ग, हर जाति और हर धर्म को समान अधिकार देने की व्यवस्था की, आज उसी व्यवस्था को कमजोर करने की साजिशें की जा रही हैं। सांसद ने कहा कि यदि मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाते हैं तो यह सीधे–सीधे उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। उन्होंने प्रशासन से पारदर्शिता और निष्पक्षता की मांग करते हुए कहा कि किसी भी निर्दोष मतदाता का नाम सूची से काटा गया तो समाजवादी पार्टी चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने किसानों के मुद्दे को उठाते हुए कहा कि किसानों की जमीन पर किसी भी प्रकार का अन्याय या जबरन कार्रवाई स्वीकार नहीं की जाएगी। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और जनसमस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार को जनता के मूल मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए, न कि लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करने पर। अवधेश प्रसाद ने कार्यकर्ताओं से संयम, अनुशासन और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भीतर रहकर संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है और आगे भी सड़क से सदन तक जनता की आवाज बुलंद करती रहेगी। वहीं नि. जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव ने अपने संबोधन में केंद्र व प्रदेश सरकार की नीतियों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि आज लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग कर आम मतदाताओं के अधिकारों से खिलवाड़ किया जा रहा है, जिसे समाजवादी पार्टी कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।

प्रत्येक ब्लाक में खुले पांच तिलहन-दलहन फसल क्रय केन्द्र

-किसान दिवस में बताई समस्याएं, सौंपा ज्ञापन

चित्रकूट। मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किसान दिवस का आयोजन हुआ। किसानों का नेतृत्व कर रहे सदर तहसील अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह ने जनपद की बुनियादी समस्याओं से जिला प्रशासन को अवगत कराया। मांग किया कि जनपद के प्रत्येक ब्लॉक में पांच तिलहन एवं दलहनी फसलों के खरीद केंद्र खोले जाएं। मुख्यालय में बने मंडी परिसर में किसानों की सुविधा के लिए छायादार नीलामी चबूतराओं पर अवैध कब्जा हटाया जाए। पेयजल व्यवस्था के लिए लगे वाटर कूलर पूरी तरह से खराब है। जिन्हें शीघ्र दुरुस्त कराया जाए। तहसील अध्यक्ष राजापुर राजकिशोर पटेल ने मांग किया कि जनपद में 40 से 50 फीसदी फसल सिंचाई अवशेष है। जिसे देखते हुए जनपद की समस्त नहरों को पूर्ण क्षमता से चलाया जाए। गर्मियों में भी गौशालाओं में गोवंशों को रखा जाए। ब्लॉक अध्यक्ष मानिकपुर अजय सिंह ने अवगत कराया की देऊंछा, गनीवा, लोढ़वारा फीडर में बिजली को शासन के मंशानुरूप ज्यादा से ज्यादा मात्रा में दिन में दिलाया जाए। जिससे सिंचाई बाधित न हो। नरेश सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि बारिश में पानी के बहाव से ग्राम रेहूँटिया में मिट्टी के कटाव की समस्या से हो रहे नुकसान को विभाग संज्ञान में ले। किसानों द्वारा अवगत कराया गया कि नमामि गंगे द्वारा घर–घर जल की व्यवस्था के चलते पड़ी लाइन के टूटे–फूटे होने के चलते पानी के रिसाव की समस्या का शीघ्र अवलोकन कराया जाए। इसके बाद मुख्य विकास अधिकारी को पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। बैठक में विभागीय अधिकारियों के अलावा मंडल सचिव छेदीलाल सिंह, राजेश द्विवेदी, रामेश्वर सिंह, शिव सिंह, अवध बिहारी, संतगोपाल भारतीय, राममिलन प्रजापति, देवेंद्र सिंह, डुल्ले सिंह, अजीत शुक्ला मौजूद रहे।

सहायक आयुक्त के नेतृत्व में खाद्य टीम ने भरे सैम्पल

-नष्ट कराया 50 किग्रा खोवा

चित्रकूट। सहायक आयुक्त (खाद्य) शशांक त्रिपाठी के नेतृत्व में होली पर्व विशेष अभियान अन्तर्गत मंगलवार को जनपद में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने पांच नमूने जाँच के लिए संग्रहित किये। 50 किग्रा मावा अनुमानित मूल्य 12 हजार 500 अस्वास्थ्यकर अवस्था में पाये जाने पर मौके पर ही नष्ट कराया गया। बताया गया कि कर्वी स्थित खोवा मण्डी पर मुन्ना लाल पुत्र गंगा प्रसाद से खोवा का नमूना लिया गया। 20 किग्रा खोवा अस्वास्थ्यकर पाये जाने पर नष्ट कराया गया। इसी प्रकार बालेश्वर प्रसाद पुत्र रामपाल से खोवा का नमूना संग्रहित किया। 30 किग्रा मावा नष्ट कराया गया। इसी क्रम में पहाड़ी स्थित खाद्य प्रतिष्ठान शंकर डेयरी प्रो राकेश कुमार से मिश्रित दूध का नमूना लिया गया। खाद्य प्रतिष्ठान मे उत्कर्ष स्वीट डेयरी एण्ड बेकरी से पनीर का सैम्पल संग्रहित किया गया। भौरी स्थित जयराम पुत्र रामप्रसाद से पनीर का नमूना एकत्र किया गया। होली पर्व के .ष्टिगत विभिन्न किराना स्टोर, दूध डेयरी, मिष्ठान भण्डार, रेस्टोरेण्ट स्थान कर्वी से बांदा रोड, रामघाट रोड व रामघाट में एफएसडब्लू द्वारा ढाबों, रेस्टोरेण्ट, स्ट्रीट फूड के संचालकों के द्वारा विक्रय किये जा रहे खाद्य पदार्थों लड्डू 6, पनीर 2, पेड़ा 10, बर्फी 8, छेना 5, खोया 1, मैदा 1, बेसन 1, धनिया 1, मिर्च 1, हल्दी 1. बेसन 1 कुल 38 नमूने का खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अन्तर्गत मौके पर जाँच कर पायी गयी कमियों के प्रति जागरूक किया गया। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रत्नाकर सिंह, विनय कुमार मौजूद रहे।

दो दिवसीय परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण कार्यशाला में विमर्श

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में परिषदीय विद्यालयों के विभिन्न ब्लॉकों के 75 शिक्षकों का दो दिवसीय परख कार्यशाला का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। प्रशिक्षण का शुभारंभ डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित करके किया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य ने कहा कि परख सर्वे के रिपोर्ट के आधार पर विश्लेषण करते हुए छात्रों में प्रासंगिक और व्यावहारिक अधिगम अनुभवों द्वारा बच्चों में दक्षता बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षा को अधिक अन्वेषणात्मक, कौशल आधारित और विद्यार्थी केंद्रित बनाने पर बल दे। इससे शिक्षकों को कक्षा–कक्ष में विषय के वैज्ञानिक, सामाजिक और विश्लेषणात्मक आयामों को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने में सहायता मिलेगी। प्रशिक्षण के नोडल प्रवक्ता डॉ रविनाथ और सह नोडल प्रवक्ता शशि दर्शन त्रिपाठी ने बताया कि नई शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के तहत भारतीय ज्ञान परंपरा, आईसीटी का प्रयोग, विज्ञान प्रयोगशाला और शिक्षण की नई विधियों पर शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि वे बच्चों को सामाजिक अवधारणाओं को प्रभावी ढंग से समझा सकें और उनकी समझ विकसित कर सकें। सन्दर्भदाता डायट प्रवक्ता डॉ रविनाथ और शशि दर्शन त्रिपाठी द्वारा भारतीय ज्ञान परम्परा, नागरिकता संविधान एवं शासन व्यवस्था के लिए शिक्षण, आर्थिक समझ विकसित करने के लिए शिक्षण, ऐतिहासिक अवधारणाओं की समझ, परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 के डैशबोर्ड का प्रदर्शन की एवं नवाचारी शिक्षण विधियों आदि बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई।इस अवसर पर डायट प्रवक्ता डॉ गोविन्द, वंदना चौधरी, ऋचा शुक्ला, अलीउद्दीन खान, सरिता चौधरी, वर्षा पटेल, नवनीत कुमार, अखिल कुमार आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्र पर संकट आये तो संत समाज को एकजुट हो जाना चाहिये-रामभद्राचार्य

बस्ती। महर्षि वशिष्ठ आश्रम बढ़नी मिश्र में मंगलवार को जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने गुरू वशिष्ठ रामायण कथा के सातवे दिन कथा को विस्तार देते हुये महाराज दशरथ द्वारा गुरू वशिष्ठ के कहने श्रीराम, लक्ष्मण को विश्वामित्र को सौंपने, गुरू वशिष्ठ, विश्वामित्र संघर्ष, अहिल्या उद्धार, धनुष यज्ञ, श्रीराम विवाह आदि के अनेक प्रसंगों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा कि वे कथावाचक, प्रवचनकर्ता नहीं आचार्य है। रामभद्राचार्य ने कहा कि जब राष्ट्र पर संकट आये तो संत समाज को एकजुट हो जाना चाहिये।बढ़नी मिश्र में गुरू वशिष्ठ रामायण कथा के सातवे दिन अपनों के बीच भावुक रामभद्राचार्य ने कहा कि बढ़नी मिश्र आश्रम को वे अन्तराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलायेंगे।रामभद्राचार्य ने कहा कि ' सब सुत प्रिय मोहि प्रान कि नाईं, राम देत नहीं बनइ गुसाईं। सहित अनेक प्रसंगों के माध्यम से कहा कि महर्षि वशिष्ठ की भूमिका मंगलकारी है।पादुका पूजन दिनेश मिश्रा मीरा मिश्रा ने किया। मुख्य यजमान चंद्र भूषण मिश्रा कथा संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने कथा पाण्डाल में आगन्तुक श्रद्धालु श्रोताओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया। मुख्य रूप से गोरक्ष प्रांत के सहसंघ प्रांत प्रचारक सुरजीत

, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा , पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी, पूर्व विधायक चंद्र प्रकाश शुक्ला , नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना,साऊघाट ब्लाक प्रमुख अभिषेक कुमार , प्रधान हरिशंकर पांडेय, महिला मोर्चा के जिला अध्यक्ष रोली सिंह , अनिल सिंह , कामेश्वर सिंह , राघवेंद्र सिंह , नरेंद्र सिंह, अश्वनी उपाध्याय , पं. सरोज मिश्रा , अमर सिंह , सिद्धांत मिश्रा , सर्वेश श्रीवास्तव , चंद्रमणि पांडेय सुदामा, राम विनय पाण्डेय , संध्या दिक्षित , कायस्थ सेवा ट्रस्ट की जिला अध्यक्ष कविता श्रीवास्तव, अखंड प्रताप सिंह प्रमोद चौधरी गिल्लम , भानु प्रकाश मिश्रा, देवेंद्र सिंह, कैलाशी सरदार कुलविंदर सिंह, दीपेंद्र सिंह , हरसरन कौर ,ब्रह्मदेव यादव देवा, अमरेश पाण्डेय, विकास मिश्रा, नीतीश पाण्डेय, राजेश त्रिपाठी, ,रणजीत सिंह, आशीष सिंह, विजय श्रीवास्तव, चन्द्रमणि मिश्र के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। संचालन मयंक श्रीवास्तव ने किया।कथा के सातवे दिन सांस्कृतिक संध्या महोत्सव के अवसर पर जागृति सिंह के भजन, तेरी जय हो गणेश,मेरे झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे, गुरु अनमोल, शाही शुभम गुप्ता,मेरे वीर हनुमान, राम राम जय राजा राम, भजन गायक राज ने, जो राम को लाए हैं, राम सिया राम दीपक दिलदार मेरे मन में बसे हैं राम, आज की प्रस्तुतियों ने, कथा पंडाल के सभी श्रोता भक्तगणों को हृदय अमृत भजनों सरोवर की अमृत मय कर दिया,! कार्यक्रम का मंच संचालन सांस्कृतिक संध्या प्रभारी मास्टर शिव ने किया

महापौर ने लोकार्पण के साथ किया 29 फूड कोर्ट जनता को समर्पित

अयोध्या। महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने सिविल लाइन में निर्मित 29 फूड कोर्ट का लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया। इस दौरान लाभार्थियों को प्रमाणपत्र के साथ चाबी सौंपी। यहां विभिन्न प्रकार के फास्ट फूड आइसक्रीम आदि की बिक्री की जाएगी। उन्होंने नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार के साथ नारियल फोड़ कर फूड कोर्ट का लोकार्पण किया। उन्होंने श्रमण कर लाभार्थियों से बात की और अधिकारियों को इस बाजार को विकसित करने के लिए आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए। महापौर ने सफाई के लिए डस्टबिन का वितरण करने प्रकाश के लिए विशेष प्रबंध करने की आवश्यकता जताई। इस मौके पर पार्षद चंदन सिंह, विशाल पाल, अखिलेश पांडे, सूर्यकुमार तिवारी सूर्या, पार्षद प्रतिनिधि अमित गुप्त एवं अजय पांडेय, अपर नगर डॉ. नागेंद्र नाथ, सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा मानिकचंद, स्थानीय नागरिकों में विपनेश पांडेय, संत विपिन तिवारी, श्रीनिवास शास्त्री आदि मौजूद रहे।

स्कूली बच्चों से भरा रिक्शा पलटा, चार घायल

चित्रकूट। मऊ थाना क्षेत्र के हटवा गांव के मोड पर स्कूली बच्चों से भरा ई रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। इससे रिक्शा सवार चार बच्चे घायल हो गए। चालक को भी चोट लगी। सभी को सीएचसी में भर्ती कराया गया। इसमें दो बच्चों की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। थाना क्षेत्र के हटवा निवासी ई रिक्शा चालक शंकर ने बताया कि वह प्रतिदिन की तरह मंगलवार की सुबह गांव के सुरजीपुरवा निवासी मानसी पाल (14), उसके भाई निखिल पाल (4), दीपू (14) व रूचि (11) को लेकर उनके स्कूल छोडने जा रहा था। जैसे ही गांव के बाहर मोड पर पहुंचा तो सामने से तेज गति से आई बाइक से बचने के लिए रिक्शा मोडा तो अनियंत्रित होकर रिक्शा पलट गया। इसमें सभी को चोटें आईं। घटना की जानकारी होते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस सूचना दी। थाना प्रभारी दुर्गविजय सिंह ने बताया कि घायलों को सीएचसी में लाकर इलाज कराया गया। इसमें दीपू व रूचि की हालत कुछ ठीक न होने पर जिला अस्पताल भेजा गया अन्य तीन की हालत सामान्य होने पर प्राथमिक इलाज के बाद घर भेज दिया गया है।

बालू लदे दो ट्रैक्टर पकडे, डंप बालू बरामद

चित्रकूट। अवैध बालू ढुलान व खनन की शिकायत पर एसडीएम व नायब तहसीलदार की टीम ने थाना क्षेत्र के यमुना नदी के पास नीबीं गांव में छापा डाला। अधिकारियों के साथ पुलिस टीम को देखते ही बालू ढुलान कर रहे ट्रैक्टर चालक व कुछ मजदूर भाग निकले। टीम ने दो बालू लदे ट्रैक्टर व 20 ट्राली डंप बालू बरामद की है। खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई करने के लिए विभाग व पुलिस को जानकारी दी है। एसडीएम न्यायिक पूजा गुप्ता व नायब तहसीलदार पारूल सिंह ने बताया कि सोमवार की देर शाम को अवैध बालू ढुलान की सूचना पर पुलिस टीम के साथ नींबी गांव के पास पहुंचे। मौके पर दो बालू लदे ट्रैक्टर बरामद हुए। साथ ही काफी मात्रा में डंप बालू भी बरामद हुई है। इसका कोई कागज फिलहाल नहीं मिला है। कई लोग उनके पहुंचने पर वहां से भाग निकले हैं। बरामदगी के बाद सामग्री व वाहन पुलिस की निगरानी में रखे गए हैं। इस संबंध में खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

अभ्यर्थियों का हुआ साक्षात्कार

चित्रकूट। कर्वी एसडीएम न्यायिक सौरभ यादव की अध्यक्षता में केंद्रीय विद्यालय में सत्र 2026–27 के लिये विभिन्न पद स्नातकोत्तर शिक्षक भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, जीव विज्ञान, गणित व प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक गणित एवं प्राथमिक शिक्षक, स्पेशल एजुकेटर, संगणक अनुदेशक के चयन के लिए संविदा शिक्षकों का साक्षात्कार संपन्न हुआ। कुल 31 अभ्यर्थी साक्षात्कार में उपस्थित हुए। इस मौके पर डॉ. सनत कुमार द्विवेदी, डॉ. निहार रंजन मिश्रा, डॉ. सिद्धांत चतुर्वेदी, माधव प्रसाद, स्नेहलता प्राचार्य केंद्रीय विद्यालय आदि मौजूद रहे।

कैंटीन में शामिल करें मिलेट्स के व्यंजन : डीएमाहा

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने मंगलवार को विकास भवन सोनेपुर स्थित शक्ति रसोई कैंटीन का आकस्मिक निरीक्षण किया। दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत डूडा (क्च्न्।) की शहर मिशन प्रबंधन इकाई द्वारा संचालित इस कैंटीन का प्रबंधन नव्य स्वयं सहायता समूह शंकर बाजार कर्वी की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान समूह की सदस्य शीला रैकवार उपस्थित मिलीं। डीएम ने कैंटीन के संचालन मॉडल की सराहना करते हुए निर्देश दिया कि ग्राहकों की सुविधा के लिए खाद्य पदार्थों की एक व्यवस्थित रेट लिस्ट (मीनू कार्ड) प्रदर्शित की जाए। मिलेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य और पोषण को प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि कैंटीन में मिलेट्स मोटा अनाज से निर्मित खाद्य पदार्थों को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। जिससे स्थानीय स्तर पर श्री अन्न के उपयोग को बढ़ावा मिल सके। डीएम ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त किया कि कैंटीन के लिए आवश्यक सामग्री का क्रय स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा ही किया जाता है। उन्होंने इसे महिला स्वावलंबन की दिशा में एक प्रभावी कदम बताया। कैंटीन की साफ–सफाई पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने इसे और बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही, परिसर की सुंदरता बढ़ाने हेतु उचित स्थानों पर गमले एवं पौधे रखवाने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित ऐसी इकाइयों को निरंतर प्रोत्साहित किया जाए। ताकि अधिक से अधिक महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल, जिला परियोजना अधिकारी सत्यपाल यादव, जिला पंचायत राज अधिकारी देवेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

विकास भवन का जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने विकास भवन स्थित विभिन्न विभागीय पटलों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यालयों की कार्य प्रणाली, पत्रावलियों के रखरखाव और जन सुविधाओं का जायजा लिया।डीएम ने विकास भवन में संचालित कार्यालय अध्यक्षों को निर्देशित किया कि कार्यालयों में अभिलेखों का रखरखाव अत्यंत व्यवस्थित एवं सुरक्षित ढंग से किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पत्रावलियों के निस्तारण में पारदर्शिता और गतिशीलता अनिवार्य है। इस दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि विकास भवन में आने वाले विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों एवं आम नागरिकों के साथ मर्यादित एवं शिष्टाचारपूर्ण व्यवहार किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का मुख्य ध्येय जन सामान्य की समस्याओं का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण समाधान करना है। विकास भवन की भौतिक व्यवस्थाओं के संबंध में जिलाधिकारी ने सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्य प्रवेश द्वार को और अधिक आकर्षक एवं सुव्यवस्थित बनाया जाए। पुराने और अव्यवस्थित नोटिस बोर्ड को तत्काल सही करते हुए अद्यतन जानकारी प्रदर्शित की जाए।डीएम ने कहा कि प्रवेश द्वार या गैलरी में किसी भी प्रकार की टूटी कुर्सियां या कबाड़ न रखा जाए। उन्होंने स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए अनुपयोगी फर्नीचर को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। कहा कि विकास भवन जनपद के विकास कार्यों का केंद्र है। ऐसे में यहाँ की कार्य संस्कृति एवं परिवेश दोनों ही प्रेरणादायक होने चाहिए। निर्देशों का उल्लंघन करने वाले संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध जवाबदेही तय की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

ट्रोल मीडिया पर तीखा हमला, बोले- अपनी टीम हारते ही चूहे की तरह भाग जाते हैं

टी20 विश्व कप में इंग्लैंड से हार के बाद पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने पाकिस्तानी श्ट्रोल मीडियाश की कड़ी आलोचना की, उन्होंने कहा कि मीडिया अपने ही खिलाड़ियों पर अनावश्यक दबाव बनाता है। पठान ने यह भी कहा कि यह मीडिया भारत की हार का मजाक उड़ाता है लेकिन अपनी टीम की विफलता पर चुप हो जाता है। टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने की पाकिस्तान की संभावनाएं लगभग शून्य हो जाने के बाद, पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने देश के ष्ट्रोल मीडियाष की जमकर आलोचना की और कहा कि वे अपने खिलाड़ियों पर अत्यधिक दबाव डाल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब भारत मैच हारता है तो मीडिया उसका मजाक उड़ाता है, लेकिन जब पाकिस्तान की टीम हारती है तो गायब हो जाता है।न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला मैच बारिश के कारण रद्द होने के बाद दो मैचों में सिर्फ एक अंक हासिल करने वाले पाकिस्तान को श्रीलंका के खिलाफ आखिरी मैच में जीत से अधिकतम तीन अंक ही मिल पाएंगे। सेमीफाइनल में चमत्कारिक प्रवेश के लिए अब उन्हें अन्य टीमों के परिणामों और बारिश पर निर्भर रहना होगा। इंग्लैंड के चार अंकों के साथ सेमीफाइनल में जगह पक्की कर लेने के बाद, अब मुकाबला मुख्य रूप से न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच है, जिनके दो मैच अभी बाकी हैं।ग पर एक पोस्ट में पठान ने कहा कि यह पाकिस्तानी टीम दबाव को अच्छी तरह से नहीं संभाल पाती। पाकिस्तान की मुश्किलों में उनके अपने ट्रोल मीडिया का भी बहुत बड़ा हाथ है। वे टीम का ईमानदारी से समर्थन नहीं करते, बल्कि लगातार उन पर जबरदस्त दबाव डालते हैं। उनके लिए सब कुछ श्पहुँचश का खेल है। जब भारत हारता है (जो कि बहुत कम होता है), तो वे भारतीय सोशल मीडिया टाइमलाइन पर छा जाते हैं, लेकिन जब उनकी अपनी टीम हारती है तो चूहे की तरह गायब हो जाते हैं। और यहाँ तो हमें तब भी कोई फर्क नहीं पड़ता जब वे हमारे खिलाफ नहीं खेलते। सिवाय उस खास मैच के। आज पाती। पाकिस्तान की मुश्किलों में उनके अपने ट्रोल मीडिया का भी

भी हम मैच हार गए। दूसरी ओर, नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए ब्रूक्स के शानदार शतक की खूब सराहना हुई, पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इसे इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड का सबसे अच्छा कदम बताया। वॉन ने पोस्ट किया कि हैरी ब्रूक्स को नंबर 3 पर खिलाना इंग्लैंड द्वारा अब तक टूर्नामेंट का सबसे अच्छा कदम है... 2026। ग पर एक पोस्ट में पठान ने कहा, ष्यह पाकिस्तानी टीम दबाव को अच्छी तरह से नहीं संभाल बहुत बड़ा हाथ है। वे टीम का ईमानदारी से समर्थन नहीं करते, बल्कि लगातार उन पर जबरदस्त दबाव डालते हैं। उनके लिए सब कुछ श्पहुँचश का खेल है। जब भारत हारता है (जो कि बहुत कम होता है), तो वे भारतीय सोशल मीडिया टाइमलाइन पर छा जाते हैं, लेकिन जब उनकी अपनी टीम हारती है तो चूहे की तरह गायब हो जाते हैं। और यहाँ तो हमें तब भी कोई फर्क नहीं पड़ता जब वे हमारे खिलाफ नहीं खेलते। सिवाय उस खास मैच के।

इंग्लैंड सेमीफाइनल में, पाकिस्तान का वर्ड कप का सपना टूटा

कप्तान हैरी के ऐतिहासिक शतक की बदौलत इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप में पाकिस्तान को दो विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली, जिससे पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो गया। ब्रूक टी20 विश्व कप में शतक लगाने वाले पहले कप्तान बनकर इतिहास रच दिया। कप्तान हैरी ब्रूक के शानदार जवाबी हमले वाले शतक और इंग्लिश स्पिनरों की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत इंग्लैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली और मंगलवार को पालेकेले में खेले गए रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को दो विकेट से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस जीत के साथ, इंग्लैंड ने सुपर आठ चरण में दो मैचों में दो जीत दर्ज की हैं और सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। पाकिस्तान, जिसका पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था, श्रीलंका के खिलाफ अपना आखिरी मैच जीतने पर भी नॉकआउट के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकता।इंग्लैंड के चार अंक हैं, जिससे सेमीफाइनल में उसकी जगह पक्की हो गई है, जबकि पाकिस्तान के शून्य अंक हैं। 165 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, ब्रूक के आक्रामक आक्रमण ने इंग्लैंड को 58ध्4 की मुश्किल स्थिति से जीत दिलाई। ब्रूक टी20 विश्व कप के इतिहास में शतक लगाने वाले पहले कप्तान हैं। 165 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही, क्योंकि शाहीन शाह अफरीदी ने पारी की पहली ही गेंद पर फिल साल्ट को गोल्डन डक पर आउट कर दिया। कप्तान हैरी ब्रूक ने पहली ही गेंद से आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए दूसरे ओवर में सलमान मिर्जा को एक चौका और एक छक्का लगाया, वहीं शाहीन ने जोस बटलर (2) और जैकब बेथेल (8) को एकल अंकों के स्कोर पर आउट कर दिया, जिससे इंग्लैंड का स्कोर 4.5 ओवर में 35ध्3 हो गया।ब्रूक ने पावरप्ले का शानदार अंत करते हुए मोहम्मद नवाज को दो चौके और एक छक्का लगाया और छह ओवर के अंत तक अपनी टीम का स्कोर 53ध्3 तक पहुंचाया। टॉम बैंटन का टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन जारी रहा और वे उस्मान तारिक के हाथों सिर्फ दो रन बनाकर आउट हो गए। पाकिस्तान का स्कोर 7.1 ओवर में 58ध्4 था। ब्रूक ने 28 गेंदों में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया और इंग्लैंड ने अपनी पारी का पहला पवल 82ध्4 पर समाप्त किया, जिसमें ब्रूक और सैम कुरेन क्रीज पर थे। स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ ब्रूक का आक्रामक खेल जारी रहा और उन्होंने शादाब खान के 11वें ओवर में दो चौकों और एक छक्के की मदद से 17 रन बनाए। हालांकि, 45 रनों की यह साझेदारी तब टूट गई जब करन 15 गेंदों में 16 रन बनाकर तारिक के हाथों आउट हो गए। 11.5 ओवर में इंग्लैंड का स्कोर 103ध्5 था। विल जैक्स क्रीज पर ब्रूक के साथ शामिल हुए और 16वें ओवर में तारिक के खिलाफ कुछ चौके लगाए।

गौतम गंभी का अक्षर पटेल पर बड़ा बयान, बोले- हम आंकड़े नहीं, अच्छा खिलाडी देखते हैं

जिम्बाब्वे के खिलाफ करो या मरो के सुपर आठ मुकाबले से पहले अक्षर पटेल ने नेट्स पर जमकर अभ्यास किया, जिससे उनकी प्लेइंग में वापसी के संकेत मिल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वाशिंगटन सुंदर को तरजीह देने की रणनीति विफल होने के बाद अब टीम प्रबंधन अक्षर की किफायती गेंदबाजी पर भरोसा जता सकता है। अक्षर पटेल ने नेट सत्र के दौरान लगभग 30 मिनट तक अपनी बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी को निखारा जिससे जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत के करो या मरो के मैच की एकादश में उनकी संभावित वापसी का संकेत मिलता है। अहमदाबाद में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में वाशिंगटन सुंदर को अक्षर पर तरजीह दी गई थी। क्रिकेट के नजरिए से यह कोई गलत विचार नहीं था क्योंकि टीम प्रबंधन पावर प्ले में दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के दो आक्रामक बल्लेबाजों क्विंटन डिकॉक और रेयान रिकेल्टन के खिलाफ वाशिंगटन की ऑफ स्पिन का इस्तेमाल करना चाहता था।लेकिन भारत की यह रणनीति कामयाब नहीं हो पाई क्योंकि जसप्रीत बुमराह ने डिकॉक और रिकेल्टन को जल्दी आउट कर दिया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 76 रन रन की हार ने भारत के लिए बचे हुए दो सुपर आठ मैच को जीतना अनिवार्य बना दिया है और इसमें से पहला मैच बृहस्पतिवार को यहां जिम्बाब्वे के खिलाफ होगा। जिम्बाब्वे के भी शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के दो बल्लेबाज सलामी बल्लेबाज ताडी मारुमानी और चौथे नंबर पर रेयान बर्ल हैं। तो क्या वाशिंगटन एकादश में अपनी जगह बरकरार रख पाएंगे या अक्षर की वापसी होगी।रिंकू सिंह के उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में वाशिंगटन को हटाए बिना अक्षर को खिलाया जा सकता है। भारत में पास हालांकि कुलदीप यादव को भी टीम में शामिल करने का विकल्प है। अक्षर सुपर

आठ और उसके बाद के मुकाबलों के लिए चुने जाने के दावेदार हैं क्योंकि वह स्टंप्स को निशाना बनाने की अपनी काबिलियत के लिए जाने जाते हैं। उन्हें अब तक तीन मैच में 12.16 के औसत और 6.63 की इकोनॉमी से छह विकेट लिए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच के लिए चेपक की पिच लाल और काले रंग के मिश्रण वाली होने की उम्मीद है जिसमें काले रंग की मिट्टी अधिक होगी जो बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने की आजादी देगी। ऐसी स्थिति में अक्षर की अहमियत बढ़ जाती है। यहां तक कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी कहा था कि टीम का चयन पूरी तरह से आंकड़ों पर नहीं बल्कि खिलाड़ी की अहमियत पर आधारित होता है। उन्होंने कहा था, ''हम औसत और आंकड़े नहीं देखते। हम देखते हैं कि उस स्थान पर कौन अधिक अच्छा कर सकता है। और अक्षर ने बहुत अच्छा किया है।

रिंकू सिंह पारिवारिक इमरजेंसी के कारण घर लौटे,जिम्बाब्वे के खिलाफ अहम मुकाबले पर सस्पेंस

भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह पारिवारिक आपात स्थिति के कारण जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाले सुपर आठ मुकाबले से पहले घर लौट गए हैं। उनके पिता की गंभीर स्वास्थ्य स्थिति के चलते इस महत्वपूर्ण मैच में उनका खेलना संदिग्ध माना जा रहा है, जो टीम के मध्यक्रम के लिए एक चिंता का विषय है। मध्यक्रम के बल्लेबाज रिंकू सिंह मंगलवार को परिवार में आपात स्थिति के कारण घर लौट आए। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों ने पीटीआई को यह जानकारी दी। रिंकू यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में भारत के ट्रेनिंग सत्र में शामिल नहीं हुए

जबकि उनके बाकी साथी खिलाड़ियों ने नेट सत्र के दौरान मौजूद थे। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया, ''रिंकू सिंह परिवार में आपात स्थिति की वजह से चेन्नई से घर वापस लौट गए हैं।वह चेपक में भारत के अभ्यास सत्र में शामिल नहीं हुए।'' सूत्रों के मुताबिक रिंकू के पिता खानचंद सिंह को गंभीर हालत में ग्रेटर नोएडा के एक हॉस्पिटल में भर्ती हैं और इसलिए खिलाड़ी को वापस जाना पड़ा। रिंकू के अचानक चले जाने से इस बाएं हाथ के खिलाड़ी के बृहस्पतिवार को यहां जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत के 'करो या मरो' के सुपर आठ मुकाबले में खेलने को लेकर संदेह है। अहमदाबाद में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की 76 रन की हार के दौरान रिंकू खाता खोलने में नाकाम रहे थे जबकि नीदरलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच में उन्होंने छह रन बनाए थे। इससे पहले उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 11, नामीबिया के खिलाफ एक और अमेरिका के खिलाफ छह रन बनाए थे।

सुपर 8 में टीम इण्डिया के ।जजंबा का खौफं जिम्बाब्वे के कोच जस्टिन सैमन्से ने दी बड़ी चेतावनी

भारत के लिए करो या मरो वाले सुपर आठ मुकाबले में जिम्बाब्वे को भारतीय टीम के आक्रामक पलटवार का डर है, खासकर दक्षिण अफ्रीका से मिली पिछली हार के बाद। जिम्बाब्वे के कोच जस्टिन सैमन्स ने चेतावनी दी है कि सूर्यकुमार यादव की अगुआई में भारतीय बल्लेबाज वेस्टइंडीज जैसी ही रणनीति अपना सकते हैं, जिसके लिए उनकी टीम को तैयार रहना होगां सुपर आठ के मुकाबले जैसे–जैसे आगे बढ़ रहे हैं, मुकाबलों की अहमियत भी बढ़ती जा रही है। ऐसे ही एक निर्णायक मैच से पहले जिम्बाब्वे के खेमे में सतर्कता साफ नजर आ रही है। चेन्नई में गुरुवार को भारत से भिड़ने से पहले जिम्बाब्वे के मुख्य कोच जस्टिन सैमन्स ने साफ संकेत दिया है कि उनकी टीम को भारत के आक्रामक तेवर के लिए तैयार रहना होगा।बता दें कि जिम्बाब्वे को हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ 107 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा था। उस मुकाबले में वेस्टइंडीज ने 254ध्6 का विशाल स्कोर बना दिया जिसने टूर्नामेंट का रुख बदल दिया। इस हार

ने जिम्बाब्वे की रणनीतिक कमियों को उजागर कर दिया।सैमन्स का मानना है कि भारत भी दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद जोरदार पलटवार करने की कोशिश करेगा। उनका कहना है कि भारत उसी अंदाज में बल्लेबाजी कर सकता है जैसा वेस्टइंडीज ने किया था और उनकी टीम को शुरुआत से ही दबाव झेलने के लिए तैयार रहना होगा।गौरतलब है कि भारत इस समय टूर्नामेंट में बने रहने के लिए हर हाल में जीत चाहता है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव की अगुआई में भारतीय बल्लेबाजी क्रम आक्रामक रणनीति अपना सकता है। सैमन्स ने स्वीकार किया कि उनकी गेंदबाजी वेस्टइंडीज के खिलाफ अनुमानित रही और उसी गलती को दोहराने की गुंजाइश नहीं है।उन्होंने यह भी कहा कि खिलाड़ियों को दबाव के क्षणों में शांत रहकर तुरंत फैसले लेने होंगे और बल्लेबाजों की लय तोड़ने के तरीके खोजने होंगे। चेन्नई का मैदान बड़ा है, जो गेंदबाजों को थोड़ी राहत दे सकता है।मुकाबला एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। पारंपरिक तौर पर यह पिच स्पिनरों की मददगार मानी जाती है, लेकिन इस टूर्नामेंट में नई सतह पर बेहतर उछाल और रफ्तार भी देखने को मिली है। ऐसे में जिम्बाब्वे के गेंदबाजों के सामने नई चुनौती होगी।टीम के प्रमुख खिलाड़ियों में सिकंदर रजा और आशीर्वाद मुजारबानी शामिल हैं, जो धीमी पिचों पर असरदार साबित होते रहे हैं। हालांकि अगर सतह तेज रही तो उन्हें अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ सकता है। कुल मिलाकर यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए करो या मरो जैसा बन चुका है। भारत जहां अपनी उम्मीदें जिंदा रखना चाहता है, वहीं जिम्बाब्वे भी टूर्नामेंट में उलटफेर करने के इरादे से उतरेगा।

ओडीआई विश्व चौंपियन टीम इण्डिया की खराब शुरुआत,आस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से दी करारी मात

ब्रिस्बेन में खेले गए पहले वनडे में भारतीय महिला टीम को ऑस्ट्रेलिया के हाथों 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जिससे वह सीरीज में 0–1 से पिछड़ गई है। कप्तान हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना के अर्धशतकों के बावजूद बल्लेबाजी क्रम लड़खड़ा गया और टीम 214 रन पर सिमट गई, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने बेथ मूनी की शानदार पारी की बदौलत आसानी से हासिल कर लिया। वनडे विश्व कप जीतने के करीब तीन महीने बाद मैदान पर उतरी टीम को ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच में 6 विकेट से हार झेलनी पड़ी। लंबे समय बाद 50 ओवर के क्रिकेट में वापसी भारतीय महिला टीम के लिए उम्मीद के मुताबिक नहीं रही।बता दें कि नवंबर 2025 में विश्व कप खिताब जीतने के बाद यह भारत का पहला वनडे मुकाबला था। 24 फरवरी 2026 को खेले गए इस मैच में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। हालांकि ब्रिस्बेन की पिच थोड़ी धीमी साबित हुई और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों को नई गेंद से स्विंग भी मिला।भारत ने ओपनिंग संयोजन में बदलाव करते हुए स्मृति मंधाना के साथ प्रतीका रावल को उतारा, जबकि शेफाली वर्मा को तीसरे नंबर पर भेजा गया। यह प्रयोग सफल नहीं रहा। प्रतीका बिना खाता खोले पवेलियन लौटीं और शेफाली 17 गेंद में सिर्फ चार रन बना सकीं। जेमिमा रोड्रिग्स को कप्तान से पहले प्रमोट किया गया, लेकिन वह भी आठ रन पर आउट हो गईं।स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत के बीच 48 रन की साझेदारी ने पारी को कुछ देर संभाला। मंधाना ने 58 रन बनाए, लेकिन ताहलिया मैक्ग्रा ने उन्हें आउट कर भारत को झटका दिया। इसके बाद दीप्ति शर्मा के जल्दी आउट होने से स्कोर 103ध्5 हो गया। ऋचा घोष ने 23 रन

बनाए, मगर वह भी बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सकीं।मौजूद जानकारी के अनुसार ऑलराउंडर काशवी गौतम ने 43 रन का अहम योगदान दिया और कप्तान ने भी 53 रन की पारी खेली, लेकिन टीम 48.3 ओवर में 214 रन पर सिमट गई और पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल सकी।ऑस्ट्रेलिया की ओर से एशले गार्डनर ने तीन विकेट लिए, जबकि मेगन शट ने दो सफलताएं हासिल कीं। इसके अलावा जॉर्जिया वॉल ने फील्डिंग में शानदार कैच लेकर भारत पर दबाव बनाए रखा। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने संतुलित शुरुआत की। कप्तान एलिसा हीली और फोएबे लिचफील्ड ने पहले विकेट के लिए 55 रन जोड़े। एन. श्री चरणी ने लिचफील्ड को स्टंपिंग कराकर भारत को पहली सफलता दिलाई और अगली ही गेंद पर वॉल को गोल्डन डक पर आउट किया।

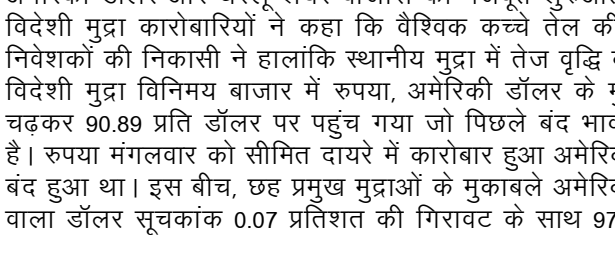

हालांकि इसके बाद मैच ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में झुक गया। हीली और बेथ मूनी के बीच 64 रन की साझेदारी हुई। मूनी ने 79 गेंदों पर 76 रन की संयमित पारी खेली और प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गईं। इसके बाद मूनी और एनेबेल सदरलैंड के बीच 85 रन की साझेदारी ने जीत सुनिश्चित कर दी। सदरलैंड 48 रन बनाकर नाबाद लौटीं और ऑस्ट्रेलिया ने 38.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।भारत की ओर से चरणी के अलावा दीप्ति शर्मा और क्रांति गौड़ को एक–एक विकेट मिला। गेंदबाजी में धार की कमी साफ दिखी।गौरतलब है कि यह सीरीज मल्टी–फॉर्मेट प्रारूप का हिस्सा है और फिलहाल ऑस्ट्रेलिया 1–0 से आगे है, हालांकि अंक तालिका में दोनों टीमों के चार–चार अंक हैं। अब 27 फरवरी को होबार्ट में होने वाले दूसरे वनडे पर नजरें टिकी हैं। इसी बीच हरमनप्रीत कौर की फिटनेस भी चिंता का विषय बन गई है। बल्लेबाजी के दौरान उनके बाएं घुटने में चोट लगी और वह ऑस्ट्रेलिया की पारी के दौरान मैदान पर नहीं उतरीं।

शेयर में 500 अंकों का उछाल,यूएस के मुकाबले डालर भी हुआ मजबूत

कमजोर डॉलर और घरेलू शेयर बाजारों में तेजी के दम पर रुपया शुरुआती कारोबार में 6 पैसे मजबूत होकर 90.89 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने रुपये की बढ़त को सीमित कर दिया। रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में छह पैसे की बढ़त के साथ 90.89 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कमजोर अमेरिकी डॉलर और घरेलू शेयर बाजारों की मजबूत शुरुआत से घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और विदेशी निवेशकों की निकासी ने हालांकि स्थानीय मुद्रा में तेज वृद्धि को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.94 पर खुला। फिर चढ़कर 90.89 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया मंगलवार को सीमित दायरे में कारोबार हुआ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.95 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 97.77 पर रहा।

मार्केट में हलचल तेज, अगले हफ्ते ग्लोवल की कीमतों में लगेगी आग! एक्सपर्ट्स ने दी चेतावनी

वैश्विक भू–राजनीतिक तनाव और अमेरिकी व्यापारिक फैसलों के कारण निवेशक सुरक्षित निवेश के रूप में सोने और चांदी की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे विशेषज्ञों को अगले सप्ताह कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी आने की उम्मीद है। बाजार की नजर अब अमेरिका और चीन के महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों पर टिकी है जो सोने–चांदी के भाव की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक शुल्क बढ़ाने के फैसले और पश्चिम एशिया में बढ़ते भू–राजनीतिक तनाव के बाद नए सिरे से व्यापार तनाव के बीच निवेशकों ने सुरक्षित–संपत्ति में सुरक्षा की मांग की है, जिससे अगले सप्ताह चांदी और सोने में तेजी आने की उम्मीद है। बाजार में काम करने वाले लोग कीमती धातुओं के भाव के रुझान जानने के लिए कुछ महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों पर ध्यान देंगे। इनमें अमेरिका का उत्पादक मूल्य सूचकांक, लोगों का आर्थिक भरोसा, साप्ताहिक बेरोजगारी के दावे और चीन के केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दर का फैसला शामिल

है।चॉइस ब्रोकिंग ने कहा, "बाजार अमेरिकी उत्पादक मूल्य सूचकांक, आवासीय आंकड़े, उपभोक्ता विश्वास, क्षेत्रीय फेडरल रिजर्व संकेतक और चीन के केंद्रीय बैंक के प्रमुख ब्याज दर के फैसले का इंतजार कर रहे हैं।" चॉइस ब्रोकिंग ने कहा कि अमेरिका में उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद ट्रंप का वैश्विक आयात शुल्क बढ़ाना और बढ़ते भू–राजनीतिक जोखिमों ने वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता पैदा कर दी है, जिससे निवेशक सुरक्षित निवेश (सोना और चांदी) की ओर बढ़े हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी की कीमतों में पिछले सप्ताह 8,584 रुपये यानी 3.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि सोने की कीमत लगभग 981 रुपये यानी एक प्रतिशत बढ़ी।एंजेल वन के शोध विभाग के प्रथमेश माल्या ने कहा, ''सप्ताह समाप्ति 20 फरवरी तक सोने की कीमतें सीमित दायरे में रहीं। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 10 ग्राम के हिसाब से 1.5 लाख से 1.6 लाख रुपये के बीच बदलती रही। अमेरिका के कमजोर आर्थिक आंकड़े और बढ़ते भू–राजनीतिक जोखिमों ने सोने की कीमतें बढ़ा दीं। साथ ही निवेशकों ने फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती की संभावना को भी ध्यान में रखा।'' माल्या ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ती तनाव की स्थिति, रूस–यूक्रेन युद्ध और व्यापकबाजार में उतार–चढ़ाव ने कुछ निवेशकों को अनिश्चितता से बचने के लिए सोने में निवेश करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा, ''कुल मिलाकर, इस सप्ताह कीमती धातुओं में जोखिम–मुक्त भावना बनी रही।

द पैराडाइज से आया शेर का प्रोमो आउट, नेचुरल स्टार नानी के जन्मदिन पर रिलीज होगा फुल सॉन्ग

026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक, द पैराडाइज के मेकर्स ने आया शेर का धमाकेदार प्रोमो रिलीज कर दिया है. यह पूरा गाना 24 फरवरी को नेचुरल स्टार नानी के जन्मदिन के खास मौके पर रिलीज होगा. नैचुरल स्टार नानी की फिल्म द पैराडाइज 2026 की सबसे ज्यादा इंतजार वाली फिल्मों में से एक बनकर उभरी है और इसकी अनाउंसमेंट के बाद से ही काफी चर्चा है.फिल्म को श्रीकांत ओडेला डायरेक्ट कर रहे हैं, जिन्होंने दसरा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म से सबका दिल जीता था. यह फिल्म इस डायरेक्टर और नानी की जोड़ी को एक बार फिर साथ लेकर आ रही है.हाल ही में, मेकर्स ने फिल्म का एक जबरदस्त नया रिलीज डेट पोस्टर जारी किया है, जिसने तुरंत सबका ध्यान खींच लिया. उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म का पहला गाना आया शेर 24 फरवरी को नानी के बर्थडे पर फैंस के लिए एक खास तोहफे के रूप में रिलीज किया जाएगा. उन्होंने वादा किया है कि यह गाना आते ही धमाल मचा देगा.

खास दिन की तैयारी करते हुए, मेकर्स ने आया शेर का एक दमदार प्रोमो रिलीज किया है. इस प्रोमो में गाने की एक बहुत ही पावरफुल और एनर्जेटिक झलक दिखाई गई है, जिससे साफ पता चल रहा है कि यह एक जबरदस्त धमाका होने वाला है. प्रोमो शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, नया प्रोमो आया शेर की एक बहुत ही पावरफुल झलक दिखाता है, जो फिल्म द पैराडाइज में नेचुरल स्टार नानी का एक धमाकेदार इंट्रोडक्शन गाना होने वाला है. अनिरुद्ध रविचंदर के म्यूजिक और सुधन मास्टर की कोरियोग्राफी के साथ, इस ट्रैक में जबरदस्त बीट्स और हाई–वोल्टेज एनर्जी फील हो रही है. नानी की स्क्रीन प्रेजेंस और उनके दमदार मूव्स से अभी से हिंट मिल रहा है कि यह गाना फिल्म के सबसे बड़े हाइलाइट्स में से एक होगा.दसरा जैसी पहली ही फिल्म से सबका दिल जीतने वाले श्रीकांत ओडेला के डायरेक्शन में बन रही द पैराडाइज एक बहुत ही बड़े लेवल की फिल्म होने वाली है. अनिरुद्ध रविचंदर का म्यूजिक इस प्रोजेक्ट को और भी खास बना रहा है, वहीं अर्जुन चंडी की आवाज गानों में एक अलग ही गहराई और इमोशनल टच लाएगी, जो फिल्म की इस दमदार कहानी के साथ एकदम फिट बैठेगी.

एसएलवी सिनेमास द्वारा प्रोड्यूस की गई फिल्म द पैराडाइज 21 अगस्त 2026 को एक साथ 8 भाषाओं (हिंदी, तेलुगु, तमिल, अंग्रेजी, स्पैनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम) में बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है. अपनी इस ग्लोबल पहुंच को

और मजबूत करने के लिए, मेकर्स ने कथित तौर पर हॉलीवुड सुपरस्टार रयान रेनॉल्ड्स से संपर्क किया है ताकि वे इंटरनेशनल मार्केट में फिल्म को प्रेजेंट कर सकें. अपने विजनरी डायरेक्टर, दमदार कास्ट और ग्लोबल स्केल के साथ द पैराडाइज सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़ा कल्चरल इवेंट बनने की ओर बढ़ रही है, जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे ह

टिकट टू हेल में दिखा यश का क्लीन-शेव अवतार, टाक्सिक में दोहरी भूमिका निभाएंगे अभिनेता?

टॉक्सिक ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन–अप्स के मेकर्स ने एक बार फिर इंटरनेट की दुनिया में धमाका कर दिया है। इस बार उन्होंने दर्शकों को चौका दिया है उनका खुद का टिकट टू हेल! नए पोस्टर में रॉकिंग स्टार यश ऐसे अवतार में नजर आ रहे हैं, जिन्हें किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। यह क्लीन–शेव लुक फिल्म की खतरनाक और विस्फोटक दुनिया में और गहराई से उतरने का इशारा देता है।

पोस्टर में टिकट नाम का किरदार सामने आया है, जिसे भी यश ही निभा रहे हैं। यानी फिल्म में उनका दूसरा लुक रिवील हो चुका है, और साफ संकेत मिल रहे हैं कि कहानी में दमदार डबल रोल का तड़का लगने वाला है।इससे पहले उनका दूसरा वाला राया लुक सामने आया था, जिसने सोशल मीडिया पर तूफान ला दिया था। फैन आर्ट, रील्स और थ्योरी थ्रेड्स हर जगह बस उसी की चर्चा थी। अब अचानक आए इस क्लीन–शेव लुक ने फिर से वही सेंसेशन तेजी की तैयारी कर ली है। पहले रिलीज हुए टीजर में यश का ट्रांसफॉर्मेशन पहले ही सोशल मीडिया पर बवंडर खड़ा कर चुका है और फिल्म को लेकर दीवानगी अब ग्लोबल फीवर बन चुकी है।

टीजर को जबरदस्त और विस्फोटक रिस्पॉन्स मिले हैं। यह भारत समेत 9 देशों में यूट्यूब पर ट्रेंड कर चुका है, जो फिल्म की अंतरराष्ट्रीय पकड़ को साबित करता है। लेकिन असली कमाल सिर्फ नंबर नहीं हैं, बल्कि वह चर्चा है जो इसे छेड़ दी है। 1 मिनट 56 सेकंड के टीजर को फैंस फ्रेम दर फ्रेम खंगाल रहे हैं। कोई टाइमलाइन पर बहस कर रहा है, कोई अलग–अलग दौर की कहानी का अंदाजा लगा रहा है, तो कोई दोनों किरदारों के टकराव की थ्योरी बना रहा है। दो मिनट से भी कम समय में टॉक्सिक ने दर्शकों को इतना मसाला दे दिया है कि चर्चा अब एक सिनेमाई आंदोलन बन चुकी है।तमिल बेल्ट में श्रीलंका, सिंगापुर और मलेशिया तक इसकी धूम है। हिंदी बेल्ट में ओमान, सऊदी अरब, कुवैत, बांग्लादेश और बहरीन में यह छाया हुआ है। भारत के कई राज्यों में भी टीजर ट्रेंड कर रहा है, जिससे साफ है कि टॉक्सिक सिर्फ पैन इंडिया नहीं, बल्कि वर्ल्डवाइड फेनोमेना बन चुका है।अपनी आइकॉनिक शख्सियत, जो उनकी बड़ी स्क्रीन वाली शख्सियत का हिस्सा बन चुकी थी, उसे छोड़कर यश ने सबको चौंका दिया है। उनका टिकट अवतार स्टाइलिश भी है और डरावना भी। टीजर ने 24 घंटे में 197 मिलियन व्यूज का आंकड़ा छू लिया, और खासकर आखिरी 20 सेकंड ने सबको हैरान कर दिया। फैंस लगातार हिडन डिटेल्स खोज रहे हैं और फिल्म की विशाल

दुनिया को समझने में जुटे हैं।यश और गीतू मोहनदास द्वारा लिखी और गीता मोहनदास के निर्देशन में बनी यह फिल्म कन्नड़ और अंग्रेजी में साथ–साथ शूट की गई है।

आस्था की महागाथा लेकर आ रहे संजय लीला भंसाली, फिल्म जय सोमनाथ 2027 में होगी रिलीज, दिखाई पहली झलक

संजय लीला भंसाली ने ऑफिशियली अपने अगले बड़े वेंचर जय सोमनाथ की घोषणा की है, जो 2027 में दुनिया भर में थिएटर में रिलीज होगी। फिल्ममेकर ने इस प्रोजेक्ट के बारे में एक खास लाइन के साथ फिल्म को लेकर अपडेट दी, जिसमें लिखा था कि मंदिर तोड़ा जा सकता है, आस्था नहीं यह फिल्म एक इमोशनल हिस्टोरिकल ड्रामा की ओर इशारा करती है। भंसाली ने नए प्रोजेक्ट का टाइटल बताया और बताया कि जय सोमनाथ को केतन मेहता डायरेक्ट करेंगे, जो कल्चर से जुड़े सिनेमा को सपोर्ट करने के लिए जाने जाते हैं। टाइटल से पौराणिक और ऐतिहासिक बातें पता चलती हैं जो भगवान शिव से जुड़ी हैं।भंसाली प्रोडक्शंस के सपोर्ट से और खुद भंसाली द्वारा प्रेजेंट की गई जय सोमनाथ को केतन मेहता डायरेक्ट करेंगे, जो दो फिल्ममेकर्स के बीच एक बड़ा कोलेबोरेशन है जो अपने स्केल और कहानी कहने की गहराई के लिए जाने जाते हैं। 2027 में रिलीज होने वाले इस प्रोजेक्ट को लेकर उम्मीदें अभी से बढ़ने लगी हैं। हालांकि, कास्ट और स्टोरीलाइन के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। इस अनाउंसमेंट ने सिनेमा लवर्स के बीच पहले ही एक्साइटमेंट पैदा कर दी है। हालांकि कहानी की डिटेल अभी तक नहीं बताई गई है, लेकिन टाइटल और टैगलाइन से साफ पता चलता है कि कहानी मजबूती, विश्वास और इतिहास पर आधारित है। सोमनाथ का जिक्र ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर की याद दिलाता है, जो सदियों से कई हमलों और पुनर्निर्माण का गवाह रहा है। अगर भंसाली की पिछली फिल्मों को देखें तो दर्शक इमोशन, ड्रामा और बड़ी कहानी कहने के अंदाज से भरी एक शानदार कहानी की उम्मीद कर सकते हैं। जय सोमनाथ 2027 में रिलीज होने वाली है। ऐसा लगता है कि टीम जल्दबाजी में कोई शानदार फिल्म बनाने के बजाय ध्यान से प्रोडक्शन प्लान कर रही है। भंसाली के बड़े सिनेमैटिक यूनिवर्स बनाने के ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए, लंबे लीड टाइम का मतलब हो सकता है कि आने वाले महीनों में बड़े सेट, डिटेल्ड रिसर्च और दमदार कलाकारों की टीम की घोषणा हो सकती है।

फिल्म एक दिन का टाइटल ट्रैक जारी, अरिजीत सिंह की आवाज का फिर चला जादू

आमिर खान प्रोडक्शंस की आगामी रोमांटिक फिल्म एक दिन सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है. प्रोडक्शन ने एक दिन का टाइटल ट्रैक रिलीज किया है. यह गाना आमिर खान और अरिजीत सिंह के बीच कोलेबोरेशन को दिखाता है, जो फिल्म की रिलीज से पहले से ही चर्चा में बना हुआ. आमिर खान प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया पर एक दिन का टाइटल ट्रैक लॉन्च किया. इसे शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, एक दिन आमिर सर आपके साथ बैठकर गाना गा रहे हैं. आमिर खान एक्स अरिजीत सिंह = प्योर मैजिक. एक दिन टाइटल ट्रैक अभी आ गया है. एक दिन सिफ थिएटर में 1 मई 2026 को देखें.वीडियो की शुरुआत में आमिर खान और अरिजीत सिंह से उनके प्लेबैक सिंगिंग से दूर जाने के फैसले पर सवाल करते हैं. एक्टर अरिजीत के साथ उनके घर पर फर्श पर बैठे हुए दिखते हैं और उनसे पूछते हैं, आप कोई प्रोजेक्ट नहीं ले रहे हैं? कुछ समय के लिए ब्रेक लेना चाहते हैं? या आप हिंदी फिल्मों के लिए नहीं गाना चाहते? ऐसे मत कर यार, हम लोगों का क्या होगा भाई?इस क्लिप में आमिर के अरिजीत के घर के ट्रिप के कई बिहाइंड–द–सीन्स और दिल को छू लेने वाले पल दिखाए गए हैं. एक्टर को अरिजीत और उनकी टीम के साथ पतंग उड़ाते, घर के बने खाने का मजा लेते हुए देखा जा सकता है. अरिजीत उन्हें घर पर बनी अलग–अलग डिश सर्व करते हैं. वह अरिजीत के पड़ोसियों से भी मिलते है, जो सुपरस्टार की एक झलक पाने के लिए सड़कों पर निकल आते हैं और छतों पर चढ़ जाते हैं. इसके बाद, अरिजीत आमिर और उनके घर पर मौजूद दूसरे लोगों को चाय सर्व करते हुए दिखते हैं. दूसरी झलकियों में आमिर अपने घर के अंदर छोटे से स्टूडियो में अरिजीत का गाना एक दिन ध्यान से सुनते हुए दिखते हैं.दोनों को अरिजीत की टीम के साथ शतरंज खेलते हुए और बाद में देर रात स्कूटी राइड के लिए निकलते हुए भी देखा जाता है. सिंगर सुपरस्टार को गंगा घाट भी ले जाते हैं. वीडियो के आखिर में, आमिर अरिजीत को उस ट्रिप के लिए धन्यवाद देते हुए दिखते हैं जिसे वह यादगार ट्रिप कहते हैं. एक इंटरव्यू आमिर खान ने अरिजीत सिंह के साथ अपने कोलैबोरेशन के बारे में खुलासा किया था. सुपरस्टार ने कहा, मैं कुछ दिन पहले मुर्शिदाबाद में था. मैं वहां अरिजीत को फिल्मों के लिए गाना न छोड़ने के लिए मनाने नहीं गया था. मैं वहां किसी और मकसद से गया था. हालांकि मैंने उन्हें दोबारा सोचने के लिए मनाने की

पूरी कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ. ऐसा लगता है कि उन्होंने अपना मन बना लिया था. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आमिर खान की इस रोमांटिक फिल्म के लिए अरिजीत सिंह ने पहले ही कमिटमेंट कर दिया था. आमिर खान ने बताया कि अरिजीत जुनैद के किरदार के लिए गा रहे हैं. क्योंकि एक दिन पहले का कमिटमेंट था, इसलिए वह इसे पूरा करना चाहते थे. एक दिन में 5 गाने हैं, और उन्होंने उन सभी में गाया है. उन्होंने गानों में कमाल कर दिया है.

आमिर खान प्रोडक्शंस की निर्मित एक दिन में सुपरस्टार के बेटे–एक्टर जुनैद खान है. वहीं साउथ फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत हसीना साई पल्लवी लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी. यह फिल्म 1 मई, 2026 को थिएटर में रिलीज होगी

तापसी पन्नू का ग्लैमर पर तीखा तंज, बोलीं- बालीवुड को क्लीवेज चाहिए और साउथ को नाभि

अभिनेत्री तापसी पन्नू ने हाल ही में हिंदी और साउथ सिनेमा में महिलाओं के चित्रण पर अपनी राय साझा की। उन्होंने कहा कि दोनों फिल्म इंडस्ट्री में ग्लैमर दिखाने का तरीका अलग–अलग है। तापसी के अनुसार, बॉलीवुड फिल्मों में अक्सर क्लीवेज पर अधिक ध्यान दिया जाता है, जबकि साउथ की फिल्मों में नाभि को दिखाने पर ज्यादा जोर रहता है। उनके इस बयान ने फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के प्रति नजरिए को लेकर एक चर्चा शुरू कर दी है।तापसी ने अब तक तेलुगू तमिल, हिंदी और मलयालम सिनेमा में लंबा सफर तय किया है। पिछले कुछ दिनों से वो अपनी नई फिल्म अस्सी को लेकर चर्चा में हैं।तापसी ने अपने दिल्ली के मध्यम–वर्गीय पालन–पोषण से लेकर फिल्मी सेट के अनुभवों तक कई मुद्दों पर खुलकर बात की।उन्होंने एक ऐसे विषय पर चर्चा की, जिसे अक्सर पर्दे के पीछे ही रखा जाता है।जब तापसी से पूछा गया कि भोजपुरी और दक्षिण भारतीय सिनेमा के गानों में नाभि पर इतना ध्यान क्यों दिया जाता है तो उन्होंने कहा, मैं खुद भी इसे समझने की कोशिश कर रही हूं। ऐसा नहीं है कि हिंदी सिनेमा के आइटम गानों में इस पर ध्यान नहीं दिया जाता, लेकिन साउथ सिनेमा जितना नहीं। हिंदी सिनेमा में फोकस क्लीवेज पर ज्यादा रहता है। उन्होंने फिल्मी सेटों पर महिला कलाकारों के प्रति इंडस्ट्री के नजरिए पर खुलकर बात की।तापसी बोलीं, साउथ में अक्सर अभिनेत्रियों से पैडेड ब्रा पहनने के लिए कहा जाता है। सबसे बड़ी समस्या है कि निर्देशक सेट पर ये बात आखिर कहे किससे? उन्होंने बताया कि ये बात सीधे नहीं कही जाती, बल्कि एक चेन के जरिए पहुंचती है। निर्देशक से असिस्टेंट डायरेक्टर, फिर स्टाइलिंग टीम, फिर हेयर और वार्डरोब वाली महिलाओं के पास और अंत में हीरोइन तक। तापसी ने वो शर्मिंदगी बयां कर कहा, कल्पना कीजिए कि ये कितना अजीब होता होगा।तापसी ने बताया, आप एक गाना शूट कर रहे हैं, बीच में कोई उठता और चला जाता है। सेट पर मौजूद सबको पता होता है कि क्या हो रहा है। हर कोई देख रहा होता है कि आप लौटें तो क्या अलग दिखेगा। उन्होंने कहा कि महिला कलाकार के लिए ये सिर्फ कपड़े बदलने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि मानसिक रूप से काफी असहज और अपमानजनक होती है, खासकर जब पूरे सेट को पता हो कि निर्देशक क्या बदलाव चाहता है। बता दें कि बॉलीवुड में अपनी धाक जमाने से पहले तापसी साउथ फिल्म इंडस्ट्री की एक जानी–मानी अभिनेत्री बन चुकी थीं। उनके करियर बड़ी शुरुआत से पड़ी थी। उन्होंने साल 2010 में तेलुगू फिल्म झुम्मंडी

की नींव किसी छोटे–मोटे रोल से नहीं, बल्कि एक नादम से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की।

तृप्ति डिमरी को इन फिल्मों ने दिलाई शोहरत, एक तो कमाई में 500 करोड़ के पार

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी अब किसी पहचान की मोहताज नहीं रही हैं। अपने करियर में उन्होंने सार्थक और चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को निभाकर भारतीय सिनेमा में प्रभावशाली अदाकारा के रूप में खास पहचान बना ली है। रोमांटिक–ड्रामा और साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्मों के जरिए तृप्ति ने हमेशा अपने फैंस का दिल जीता। हालिया रिलीज शाहिद कपूर की ओ रोमियो में अभिनेत्री के अभिनय की तारीफ हो रही है।

तृप्ति ने पहली बार 2018 में फिल्म लैला–मजनू से चर्चाएं बटोरी थीं। अविनाश तिवारी के साथ उनकी जोड़ी को न सिर्फ सराहा गया था, बल्कि उनके भावपूर्ण और गहन अभिनय की समीक्षकों ने खूब तारीफ भी की थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास साबित नहीं हुई, लेकिन बाद में इसे कल्ट फिल्म का दर्जा मिला था। नेटफ्लिक्स पर रिलीज बुलबुल है जिसमें तृप्ति के शानदार अभिनय की खूब सराहना हुई थी। उन्हें फिल्मफेयर ओटीटी पुरस्कार मिला था।बाबिल खान के साथ उनकी यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर आई एक क्लासिकल–म्यूजिक फिल्म थी। मां–बेटी के जटिल रिश्ते पर आधारित इस फिल्म में उनका चुनौतीपूर्ण किरदार काबिल–ए–तारीफ था। फिल्म के गाने भी बेहद लोकप्रिय हुए। हॉरर–कॉमेडी फ्रैंचाइजी भूल भुलैया 3 का हिस्सा तृप्ति रहीं जिसमें उनके साथ कार्तिक आर्यन मुख्य किरदार में थे। फिल्म में अभिनेत्री ने दोहरी भूमिका निभाई थी। जहां वर्तमान में वह राजकुमारी मीरा के किरदार में दिखीं, तो वहीं अतीत में वह राजकुमारी मधुलिका थीं।रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म एनिमल में तृप्ति ने छोटी, लेकिन प्रभावशाली भूमिका निभाई थी। सीमित स्क्रीन टाइम के बावजूद, उनकी उपस्थिति ने खूब चर्चा बटोरी थी। उनका किरदार सिनेमा में उनकी प्रतिष्ठा और फैंस की तादात को बढ़ाने में कारगर साबित रहा था। 2023 में रिलीज यह उस साल की सबसे ज्यादा कमाऊ फिल्म बन गई जिसने भारत में 500 करोड़ से ज्यादा कारोबार किया। तृप्ति को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के लिएअ फिल्मफेयर नामांकन भी मिला था।

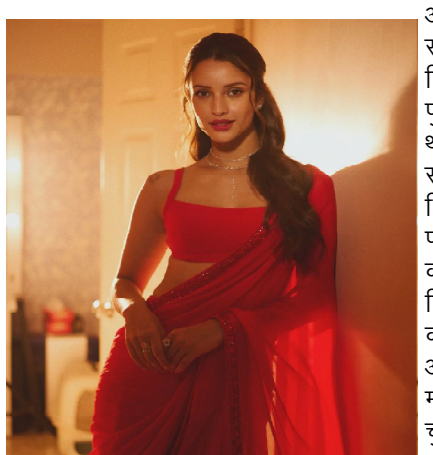

दो दीवाने सहर में की तीसरे दिन डूबी नैया, तापसी पन्नू की अस्सी भी रही बेदम

मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी की रोमांटिक–ड्रामा फिल्म दो दीवाने सहर में ने बॉक्स ऑफिस पर 3 दिन पूरे कर लिए हैं। पहले दिन बेहद निराशाजनक ओपनिंग करने वाली इस फिल्म को तीसरे दिन भी अपना हुनर दिखाने का मौका नहीं मिल सका। यह फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने में नाकामयाब रही। तापसी पन्नू की अस्सी का हाल भी बुरा रहा है, जबकि 13 फरवरी को रिलीज ओ रोमियो कमाई के मामले में दोनों फिल्मों पर भारी पड़ी है।सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन के तहत बनी फिल्म दो दीवाने सहर में को पहले दिन 1.25 करोड़ रुपये से शुरुआत मिली थी। हैरानी की बात यह है कि दूसरे दिन, यानी शनिवार को इसने 1.5 करोड़ कमाए थे, जबकि तीसरे दिन रविवार को कमाई कुल 1.31 करोड़ रुपये हुई है। इन 3 दिनों के अंदर फिल्म ने कुल 4.06 करोड़ रुपये का कारोबार किया है, जो बेहद निराशाजनक है।अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित अस्सी को समीक्षकों से बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, लेकिन कमाई के मामले में यह चूक गई। पहले दिन 1 करोड़ से खाता खोलने के बाद दूसरे दिन इसने 1.6 करोड़ कमाए, जबकि तीसरे दिन 1.37 करोड़ कमाए हैं। इसके बाद फिल्म की कुल कमाई 3.97 करोड़ रुपये हुई है। दूसरी ओर, शाहिद कपूर की ओ रोमियो 10वें दिन 3.25 करोड़ कमाते हुए दोनों फिल्मों पर भारी पड़ी है। इसका कुल कलेक्शन 55.90 करोड़ हो गया है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।